Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 126
लखनऊ, सोमवार, 24 फरवरी 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865
पायनियर
लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ को एकता से जोड़ा

भारत की पाकिस्तान पर विराट जीत

भाषा। दुबई

आईसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान पर कहर साबित होने वाले विराट कोहली ने एक बार फिर इतिहास को दोहराते हुए नाबाद शतक के साथ रविवार को इस बहुचर्चित मुकाबले में भारत को छह विकेट से जीत दिलाकर चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। भारत की जीत तो दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ हो गई थी लेकिन कशमकश यह थी कि कोहली का शतक बनेगा या नहीं। और फिर आधुनिक क्रिकेट के इस महानायक ने न सिर्फ चौके के साथ 51वां वनडे शतक पूरा किया बल्कि फॉर्म में लौटकर विरोधी टीमों के लिए खतरे की घंटी बजा दी। जीत के लिए 242 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 42वें ओवर के बाद चार रन की जरूरत थी। खुशदिल शाह के ओवर में विराट ने पहली गेंद पर एक रन लिया और फिर अक्षर पटेल ने दूसरी गेंद पर एक रन लिया। अब भारत को जीत के लिए दो रन और विराट को शतक के लिए चार रन चाहिए थे। तीसरी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर में चौका जड़ने के साथ कोहली के चेहरे पर इत्मीनान की मुस्कान आई। और इसके साथ ही टीवी पर नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों भारतीय क्रिकेट प्रेमी भी खुशी से झूम उठे। लगातार एक तरह से आउट होने, स्पिन के खिलाफ असहज होने और बड़ी पारी नहीं खेल पाने की कई चुनौतियों से उबरते हुए कोहली ने पुराने फॉर्म के दीदार कराए।

इस जीत के साथ भारत ग्रुप ए में चार अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गया और सेमीफाइनल में प्रवेश तय कर लिया। पिछले कुछ अर्से से खराब फॉर्म से जूझ रहे कोहली ने सही समय पर और सही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ फॉर्म में वापसी करते हुए 111 गेंद में सात चौकों की मदद से नाबाद सौ रन बनाए। वहीं श्रेयस अय्यर ने 67 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के के साथ 56 रन बनाकर भारत को 42.3 ओवर में जीत तक पहुंचाया। दूसरी ओर 29 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा पाकिस्तान लगभग बाहर हो गया है। एक बार फिर उसके लिए परेशानी का सबब रहे कोहली। इसी पारी में कोहली वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज भी बन गए। पाकिस्तान के प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ एक बार फिर कोहली के सामने बेबस दिखे। कोहली ने लेग स्पिनर अबरार अहमद को भी बखूबी खेला और कोई जोखिम नहीं लिया।

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान विजयी रन बनाने के बाद विराट कोहली अक्षर पटेल के साथ जीत का और अपने शतक का जश्न मनाते हुए।

कोहली और अय्यर ने तीसरे विकेट की साझेदारी में 114 रन जोड़े। श्रेयस को खुशदिल ने पवेलियन भेजा जिनका बेहतरीन कैच इमामुल हक ने लपका। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और पाकिस्तान की मैच में वापसी संभव नहीं थी। वैसे इस जीत का श्रेय भारतीय गेंदबाजों को भी जाता है जिन्होंने पाकिस्तान को 241 रन पर रोक दिया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने वाली पाकिस्तानी टीम के लिए सऊद शकील ने 76 गेंद में पांच चौकों की मदद से 62 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए कप्तान मोहम्मद रिजवान (46) के साथ 104 रन जोड़े लेकिन इसके अलावा पाकिस्तानी टीम के लिए कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। बीच के ओवरों में पिच धीमी हो गई और भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लैंग्थ पकड़कर पाकिस्तान के लिए रन बनाना मुश्किल कर दिया। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने नौ ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भारतीय गेंदबाजों ने इस कदर दबाव बना दिया था कि एक समय रिजवान और शकील 55 गेंदों तक कोई चौका नहीं लगा सके।

बाबर आजम (23) और इमामुल हक (10) के सस्ते में आउट होने के बाद दोनों को जोखिम लेने से भी बचना था। बाबर ने शुरूआत अच्छी की थी और हर्षित राणा तथा हार्दिक पंड्या को अपने कुछ ट्रेडमार्क कवर ड्राइव भी लगाए। लेकिन वह ज्यादा देर टिक नहीं सके और पंड्या की गेंद पर चौका लगाने के बाद अगली गेंद पर वह केएल राहुल को कैच दे बैठे। इसके बाद इमाम ने तेजी से एक रन चुराने के प्रयास में विकेट गंवाया। वह रन लेने के लिए दौड़े लेकिन मिडआन पर खड़े अक्षर ने सीधे थ्रो पर गिल्लियां बिखेर दी। पाकिस्तान के दोनों प्रमुख बल्लेबाज 47 के स्कोर पर पवेलियन में थे लेकिन रिजवान और शकील ने इसके बाद संयम के साथ खेला।

इस बीच अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और कप्तान रोहित शर्मा को कुछ देर के लिए मैदान से जाना पड़ा। रोहित गर्मी में असहज महसूस कर रहे थे जबकि शमी को पिंडली में कुछ परेशानी थी। दोनों हालांकि मैदान पर वापिस लौट आए जिससे भारतीय प्रशंसकों ने राहत की सांस ली। इन सबके बीच रिजवान और शकील पाकिस्तान को 34वें ओवर में दो विकेट पर 151 रन तक ले गए। ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान 270 के आसपास पहुंच जाएगा लेकिन अक्षर ने रिजवान को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कोई बल्लेबाज लंबे समय तक टिककर खेल नहीं सका। शकील को पंड्या ने (शेष पृष्ठ 9)

5 फरवरी को अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरता अमेरिकी सैन्य विमान। इस विमान में भारतीय निर्वासितों को लाया गया था फाइल चित्र

अमेरिका से निर्वासितों का भारत आना जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमेरिका से वापस भेजे गए 12 भारतीयों को लेकर एक यात्री विमान रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। यह ट्रंप प्रशासन द्वारा अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के बीच एक महीने में इस तरह का चौथा आगमन है। उन्हें तुर्की एयरलाइन की उड़ान से वापस भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि वे पनामा के रास्ते भारत वापस आए। 12 में से चार पंजाब से थे। इनमें से दो गुरदासपुर से, एक पटियाला से और एक जालंधर से हैं। अन्य भारतीय नागरिकों में हरियाणा और उत्तर प्रदेश से हैं। अमेरिका द्वारा देश में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे लगभग 299 अवैध प्रवासियों को वापस भेजे जाने के बाद पनामा से वापस लाए गए भारतीयों का यह पहला समूह है। पनामा और कोस्टा रिका निर्वासित प्रवासियों के प्रत्यावर्तन का प्रबंधन करने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग कर रहे हैं। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, अमेरिका विभिन्न एशियाई देशों के अवैध प्रवासियों और मध्य अमेरिकी देशों में स्थानांतरित कर रहा है - जो वापस लौटने के लिए तैयार नहीं हैं या जिनके गृह देशों ने उन्हें स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। निर्वासन का पहला दौर 5 फरवरी को हुआ, जब एक अमेरिकी सैन्य विमान ने 104 भारतीयों को अमृतसर लेकर पहुंचा था, निर्वासन का दूसरा और तीसरा दौर भी अमेरिकी सैन्य विमानों में था, जो अमृतसर में उतरे। निर्वासितों को पूरी उड़ान के दौरान बेड़ियों और बंधनों में बांध दिया गया था, भारत पहुंचने पर उन्हें मुक्त किया गया - एक ऐसा कदम जिसने देश में एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया और तत्कालीन चल रहे बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में हंगामा हुआ था।

तेलंगाना में सुरंग ढही, बचाव कार्य युद्ध स्तर पर

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

तेलंगाना में श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा शनिवार को ढह जाने से सुरंग के अंदर लगभग 14 किलोमीटर दूर आठ लोग अंदर फंस गए हैं। उन्हें बाहर निकालने के लिए बचाव दल सुरंग के काफी अंदर पहुंच गया जहां घटना के दौरान सुरंग खोदने वाली मशीन काम कर रही थी। हालांकि, गाद के कारण उस स्थान तक पहुंचने में चुनौती बनी हुई है जहां लोगों के फंसे होने की आशंका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को शनिवार को फोन कर घटना की जानकारी ली और बचाव अभियान के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने जिले में सुरंग ढहने के बाद चल रहे बचाव अभियान की जानकारी के लिए नागरकुरनूल के जिला कलेक्टर बी संतोष से बात की। नागरकुरनूल के जिला कलेक्टर बी. संतोष ने रविवार को बताया कि आगे बढ़ते हुए बचाव दल के कर्मी उस स्थान पर पहुंच गए जहां घटना के दौरान सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) काम कर रही थी। हालांकि, गाद के कारण आगे बढ़ना एक चुनौती है। बचाव अभियान की निगरानी कर रहे कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चार टीमें, एक हैदराबाद से और तीन विजयवाड़ा से - जिनमें 138 सदस्य हैं, सेना के 24 कर्मी, एसडीआरएफ के कर्मी, एससीसीएल के 23 सदस्य उपकरणों के साथ (शेष पृष्ठ 9)

कैग के जरिए आप को घेरेगी दिल्ली सरकार

फोटो : रंजन डिमरी/द पायनियर

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए।

राजेश कुमार। नई दिल्ली

आठवीं दिल्ली विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को घोषणा की कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की सभी 14 लंबित रिपोर्ट सदन में पेश की जाएंगी। गुप्ता ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की अगुवाई वाली पूर्व सरकार, भाजपा सरकार के लिए सरकारी खजाने को खाली छोड़कर गई है। हालांकि, गुप्ता ने आश्वासन दिया कि महिलाओं के लिए 2,500 रुपए मासिक भुगतान की योजना को विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा। सीएम ने सोमवार को दिल्ली की नवगठित 8वीं विधानसभा के पहले सत्र से पूर्व प्रदेश भाजपा कार्यालय में अन्य भाजपा विधायकों के साथ एक बैठक में भाग लिया।

भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी सरकार पहले सत्र में कैग की 14 लंबित रिपोर्ट सदन के पटल पर रखेगी। पिछली सरकार, जिसने दिल्ली वालों की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग किया, उसे खर्च की गई एक-एक पाई का हिसाब देना होगा। सदन सचिवालय के अनुसार लंबित ऑडिट रिपोर्ट विधानसभा सत्र के दूसरे दिन 25 फरवरी को उपराज्यपाल विनय कुमार (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी, एमसीडी मेयर महेश खिंची के साथ पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता करती हुईं। फोटो : रंजन डिमरी

दिल्ली विधानसभा में दिखेगी वूमन पावर, आतिशी चुनी गईं नेता प्रतिपक्ष

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में अब वूमेन पावर दिखेगी। एक तरफ जहां भाजपा की ओर से दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता चुनी गई हैं, तो दूसरी तरफ रविवार को आम आदमी पार्टी की विधायक दल की बैठक में सर्व सम्मति से पूर्व सीएम आतिशी को नेता प्रतिपक्ष चुना है। दिल्ली विधानसभा के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब सीएम और एलओपी की भूमिका में महिलाएं निभाएंगी। इससे सोमवार से शुरू होने वाला विधानसभा का विशेष सत्र काफी दिलचस्प होने की उम्मीद है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने नवनिर्वाचित नेता प्रतिपक्ष आतिशी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर कहा कि वह आतिशी को सदन में आप की नेता चुने जाने पर बधाई देते हैं। आप दिल्ली की जनता के हित में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में हुई विधायक दल की बैठक के बाद दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और पूर्व सीएम आतिशी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में में बताया कि पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों के साथ विधायक दल की बैठक हुई जिसमें (शेष पृष्ठ 9)

यूएसएड विवाद गहराया, कांग्रेस का भाजपा व केंद्र पर हमला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यूएसएड विवाद के बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा हैं। कांग्रेस ने भाजपा पर अमेरिका से झूठी खबरें फैलाने और राष्ट-विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह बताना चाहिए कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है। हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के ऐसे सभी आरोपों को खारिज किया है और राहुल गांधी को देशद्रोही करार देते हुए उन पर भारत को कमजोर करने की कोशिश में विदेशी ताकतों के साथ साठगांठ करने का आरोप मढ़ा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, भाजपा झूठों और अनपढ़ों की बारात है। जिस 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर भाजपाई और चरणचुंबक उछल रहे थे, वो खबर तो फर्जी निकली। वर्ष 2022 में 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर, भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थे। रमेश ने आरोप लगाया, एलन मस्क ने फर्जी दावा किया, ट्रंप को ढाका और दिल्ली के बीच गलतफहमी हुई, अमित मालवीय ने झूठ आगे फैलाया, फिर भाजपा के चरणचुंबकों ने उसे लपक लिया। उन्होंने कहा कि जबसे ट्रंप प्रशासन के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने 16 फरवरी को कहा कि यूएसएड ने भारत में मतदान के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया है, तबसे भाजपा कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। लेकिन अब पता चल रहा है कि यह पूरी खबर तो फर्जी है। जब पैसा भारत आया ही नहीं, तो (अनुदान) रद्द कैसे होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि असल में सारा विवाद डीओजीई की सूची में दो यूएसएड अनुदान को लेकर है, जिन्हें वाशिंगटन स्थित चुनाव एवं राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण समूह (सीईपीपीएस) के माध्यम से दिया गया था।

रमेश ने कहा कि सीईपीपीएस को यूएसएड से कुल 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिलने थे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विभाग के अनुसार, इस कोष में मोल्दोवा के लिए 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर और भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर शामिल थे। कांग्रेस नेता ने दावा किया, यूएसएड ने मोल्दोवा के लिए सीईपीपीएस को पहला कोष 2016 में दिया था, जिसका आईडी एड117एलए1600001 है। लेकिन भारत के लिए डीओजीई द्वारा चिह्नित यूएसएड का 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान बिल्कुल फर्जी है, क्योंकि यह बांग्लादेश के लिए था, भारत के लिए नहीं। रमेश ने कहा कि असलियत यह है कि बांग्लादेश के लिए आवंटित 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर में से 1.34 करोड़ अमेरिकी डॉलर वहां जनवरी 2024 के चुनाव के पहले ही दिया जा चुका है। उन्होंने कहा, हर संघीय अनुदान में यह निहित होता है कि वह किस देश में इस्तेमाल होना है। अमेरिकी संघीय खर्च के अनुसार, 2008 के बाद से भारत में कोई यूएसएड वित्त पोषित सीईपीपीएस परियोजना ही नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा, सीईपीपीएस को एकमात्र चल रहा 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का यूएसएड अनुदान, जिसकी आईडी 72038822एलए00001 है, वह जुलाई 2022 में बांग्लादेश की अमार वोट अमार के लिए स्वीकृत किया गया था। उन्होंने कहा, नवंबर 2022 में इस अनुदान का उद्देश्य बदलकर यूएसएड का नागोरिक कार्यक्रम कर दिया गया। ढाका में यूएसएड के एक अधिकारी ने दिसंबर 2024 में अमेरिका की यात्रा के दौरान सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि भी की और कहा कि मैं यूएसएड द्वारा वित्त पोषित 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सीईपीपीएसानागोरिक कार्यक्रम को प्रबंधित करता हूं। रमेश ने कहा, अब तो भाजपा सिर्फ इस बात का जवाब दे। भाजपा ने भारत के लोकतंत्र को लेकर फर्जी खबर क्यों फैलाई। भाजपा ने अमेरिका से फर्जी खबर फैलाकर देशविरोधी काम क्यों किया? भाजपा का अमेरिका से फर्जी खबरों को लेकर भारत की विपक्षी पार्टी पर आरोप लगाना राष्ट्रद्रोह नहीं तो और क्या है। कांग्रेस नेता ने कहा, कहीं ऐसा तो नहीं अदाणी के लिए रहम की भीख मांगने के चक्कर में देश के आत्मसम्मान से समझौता किया गया है। (शेष पृष्ठ 9)

जलवायु परिवर्तन से लड़ रहीं बिहार की ग्रामीण महिलाएं

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

ग्रामीण बिहार के मध्य में, जहाँ भूजल की कमी, अत्यधिक गर्मी और अनियमित मौसम ने किसानों पर कहर बरपाया है, वहां बदलाव की एक शांत बयार चल रही है। कभी जो महिलाएं शिक्षित होने के बावजूद अपने घरों तक ही सीमित रहती थीं अब उनका एक समूह कृषि-उद्यमी के रूप में उभरा है। ये महिलाएं न केवल अपने जीवन में बदलाव ला रही हैं, बल्कि अपने समुदायों को जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरों के अनुकूल ढलने में भी मदद कर रही हैं।

प्रत्येक कृषि उद्यमी (एई) कम से कम 150-200 छोटे और सीमांत किसानों के साथ काम करती है जो तेज होती जलवायु चुनौतियों से सबसे अधिक प्रभावित हैं। ये कृषि उद्यमी किसानों को सिंचाई के लिए समाधान प्रदान करती हैं, जलवायु-अनुकूल बीज उपलब्ध कराती हैं, फसल विविधीकरण में मदद करती हैं। वे डिजिटल कार्य के लिए हेल्पडेस्क के रूप में कार्य करती हैं, अनिवार्य रूप से वे उन सभी समस्याओं के लिए वन-स्टॉप सेंटर हैं जिनका किसान सामना कर सकते हैं। उनका पारिश्रमिक पंचायत के किसानों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के अनुपात में होता है।

उदाहरण के तौर पर हाजीपुर की सोनी कुमारी ने पिछले साल एक किसान को किसान कार्ड के लिए पंजीकृत करके कृषि-उद्यमी के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। फिर उन्होंने किसान की प्रोफाइल-उसके सामाजिक संकेतक, वित्त और फसल पैटर्न के आधार पर एक विस्तृत व्यवसाय प्रस्ताव तैयार किया। इसके बाद उन्होंने किसानों की आवश्यकताओं को प्रबंधन सूचना प्रणाली में दर्ज किया तथा अपने ग्राहकों का एक डेटाबेस तैयार किया, ताकि मांग को समझा जा सके और अपने उद्यम के लिए एक व्यवसाय योजना बनाई जा सके। विज्ञान स्नातक सोनी कभी गृहिणी थीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक दिन टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में सबसे आगे होंगी। सोनी ने बताया, मैंने सूक्ष्म वित्तपोषण ऋण लेकर एक दुकान खोली है, जहां मैं जलवायु-अनुकूल बीजों से लेकर जैविक खाद और उर्वरकों तक (शेष पृष्ठ 9)

बिहार के हाजीपुर जिले में महिला कृषि उद्यमी सोनी कुमारी किसानों को करती हैं ड्रोन सिंचाई सुविधाओं की आपूर्ति

अंग्रेजी उच्चारण को लेकर 62 प्रतिशत भारतीय रहते हैं आशंकित : सर्वेक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में अंग्रेजी भाषा की परीक्षा देने वाले 62 प्रतिशत से अधिक लोगों का मानना है कि उनके भारतीय उच्चारण का उनके वाक कौशल परीक्षण से जुड़े परिणाम पर नकारात्मक असर पड़ेगा, जबकि 74 प्रतिशत से अधिक लोगों को लगता है कि व्यक्तिगत रूप से किसी परीक्षक के सामने परीक्षा के लिए उपस्थित होने पर उनके परीक्षा में अर्जित अंक पर इस बात का प्रभाव पड़ सकता है कि वह दिखते कैसे हैं। पियर्सन की सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में अध्ययन, कार्य और प्रवास वीजा के लिए पियर्सन टेस्ट ऑफ इंग्लिश द्वारा किए गए सामाजिक धारणा सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी का खुलासा किया गया है। परीक्षार्थियों के पूर्वाग्रहों से जुड़ी धारणाओं विशेष रूप से रंग-रूप, उच्चारण और वेशभूषा के बारे में स्पष्ट जानकारी देते हुए रिपोर्ट में निष्पक्ष प्रणालियों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है जो केवल शिक्षार्थियों के ज्ञान और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

परिणाम 1,000 उत्तरदाताओं के सर्वेक्षण पर आधारित हैं जिन्होंने कार्य, अध्ययन या प्रवास के उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा दी है या देने की योजना बना रहे हैं। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किसी व्यक्तिगत परीक्षक के साथ अंग्रेजी भाषा की परीक्षा का अनुभव किया था। सर्वेक्षण के अनुसार, 59 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि उनके साथ उनकी त्वचा के रंग के आधार पर अलग व्यवहार किया जाएगा जो गोरी त्वचा वाले लोगों के प्रति अचेतन पक्षपात को लेकर उनके डर को दर्शाता है।

लगभग 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि वे जिस तरह से कपड़े पहनते हैं, उसके आधार पर वे गलत धारणा बना सकते हैं। ये धारणाएं महाराष्ट्र में परीक्षा देने वालों के बीच विशेष रूप से प्रबल हैं, जहां 67 प्रतिशत लोग इस (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 24 फरवरी 2025

जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें युवा: सीएम योगी

● वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनामी वाला राज्य बनेगा यूपी

लखनऊ/आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने व निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की योजना पर मंथन करने रविवार को आगरा पहुंचे। दुनिया में अपने नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में लोहा मनवा चुके 100 यूनिकॉर्न रविवार को ताजनगरी में जुटे। यूनिकॉर्न कंपनीज के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें। पहले यूपी में अवसर नहीं थे, लेकिन प्रतियोगी छात्रों ने आइडिया पर काम किया है। जो पहले टेक्नोलॉजी में आगे थे, वह स्टार्टअप में भी आगे हैं। योगी ने तारीफ करते हुए कहा कि ग्रोथ इंजन के तौर पर युवाओं ने प्रेरणा के रूप में काम किया है। हर क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2019 में बुंदेलखंड प्रवास के दौरान पांच महिलाएं मेरे पास आईं। उन्होंने नौकरी की मांग की, किसी ने बताया कि वे पांचवीं पास हैं। इस पर राज्य सरकार ने पहल की। मिल्क प्रोड्यूसर का गठन किया गया, उनकी ट्रेनिंग कराई, फिर कार्य प्रारंभ कराया गया। आप आश्चर्य करेंगे कि उनका टर्नओवर 1500 करोड़ का है और इससे 42 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। उससे भी अच्छा कार्य आगरा की मिल्क प्रोड्यूसर कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी केवल कृषि ही नहीं, बल्कि सनातन-ज्ञान और परंपरा की भी भूमि है। यूपी में निवेश को बढ़ावा देने को लेकर यहां कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। इसमें देशभर के यूनिकॉर्न कंपनी के लोग विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। कोई भी यूनिकॉर्न कंपनी बिना निवेशकों के आगे नहीं बढ़ती है। उन्होंने कहा कि विचारों की परंपरा प्राचीन काल से है। वाल्मीकि रामायण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लोकप्रिय होने का कारण महर्षि वाल्मीकि की व्यावहारिक समझ थी। रामायण की रचना से पहले उनके मन में श्लोक आ रहा था। वे नारद जी के पास गए, तब नारद जी ने भगवान श्रीराम को आधार रखने की सलाह दी। महर्षि ने ऐसा करके ही रामायण की रचना की। अगर विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता तो रामायण नहीं रची जाती। आप लोगों के विचारों का आदान-प्रदान एक नई रामायण की आधारशिला जैसी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने के प्रयास चल रहे हैं। स्टार्टअप की संस्कृति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नया आयाम दिया है। पहले सिस्टम के प्रति विश्वास नहीं था, लेकिन अब विश्वास पैदा हुआ। पीएम ने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मेक इन इंडिया की भावना को आगे बढ़ाया। अब देश में इस दिशा में बहुत अच्छे कदम उठाए गए हैं। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर हमेशा लोगों को प्रोत्साहित किया है। आप में से भी बहुत से लोगों ने स्टार्टअप इंडिया से बहुत कुछ सीखा होगा। मोदी ने जो उस समय युवाओं के बारे में कहा था कि हमारा युवा अब जॉब सीकर नहीं, जाब क्रिएटर बनेगा। स्टार्टअप इंडिया दुनिया में पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में अनेक यूनिकॉर्न हैं। उत्तर प्रदेश ने भी काफी कदम उठाए गए हैं। यूपी में 14 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। सात हजार ऐसे हैं, जो महिलाओं के हैं। इन्होंने जीवन के अलग- अलग फील्ड में कुछ नया करके दिखाया है। उप्र जैसे राज्य में फिजिक्स वाला यूनिकॉर्न बन गया। तीन वर्ष पहले मुलाकात हुई थी, तब मैंने पूछा था। अवसर पहले भी थे, लेकिन देखते ही देखते यूपी के प्रतियोगी छात्रों ने इसे हाथोंहाथ लिया। जहां लोग तकनीकी के बारे में कम जानते हैं, वहां भी लोग फिजिक्स वाले को जानते हैं। यह दिखाता है कि इनोवेटिव आइडियाज के साथ तकनीक जुड़ती है तो परिणाम आते हैं।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि खोया-पाया के माध्यम से हमारे युवाओं ने 28000 लोगों को घर वालों से मिलाया है। डिजिटल खोया पाया केंद्र पर परिवारों से मिलाए गए। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि हजारों लोग मारे गए। उनकी दृष्टि ऐसी है। महाकुंभ में 25 से 30 लाख लोग की क्षमता है, लेकिन वहां करोड़ों लोग पहुंचे। हमने बसें, ट्रेन चलाईं, उन्हें वापस भेजा, प्रवास की सुविधा दी। इसके बाद उनके साथ संवाद स्थापित किया। परिवार वालों से बात करके सभी को उनके घरों सुरक्षित भेजा। यह तकनीकी का ही परिणाम है। यदि तकनीक नहीं होती तो शायद न हो पाता। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक व्यक्ति प्रयागराज में अपने घर से संगम स्नान करने निकले थे।

सनातन धर्म की दिव्यता और विराटता का प्रतीक है महाकुम्भ: योगी

● सरकार और जनता की सहभागिता से आयोजित हुआ इतना बड़ा महाआयोजन:शंकराचार्य

लखनऊ/महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुम्भ नगर में पहुंचकर साधु-संतों से भेंट की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ में अब तक विश्व के आधे से अधिक सनातन धर्मावलंबी स्नान कर चुके हैं, जो सनातन संस्कृति की अद्वितीय आस्था और शक्ति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री सबसे पहले विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ पहुंचे, जहां उन्होंने महामंडलेश्वर संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' से भेंट की। इसके बाद वे कांची कामकोटि पीठ के शिविर में पहुंचे और शंकराचार्य शंकर विजयेन्द्र सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त किया। कांची पीठ के पूर्व शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती उतारी। वहीं शंकराचार्य शंकर विजयेन्द्र सरस्वती ने महाकुम्भ की व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और 60 करोड़ से अधिक सनातनियों के महाकुम्भ में स्नान करने को भी सराहा।

सीएम योगी ने कांची कामकोटि पीठ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस पूज्य पीठ की परंपरा ने सनातन धर्म के जनजागरण और अभिवृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जब भी सनातन धर्म के सामने कोई संकट आया, कांची पीठ ने आगे बढ़कर उसका समाधान किया। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन हो या नेपाल संकट, इस पीठ ने सदैव धर्म की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु संगम की त्रिवेणी में स्नान कर चुके हैं और आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में कोई ऐसा मत, मजहब या संप्रदाय नहीं, जहां निश्चित समय पर इतनी बड़ी संख्या में लोग अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए एकत्र होते हों। महाकुम्भ सनातन धर्म की दिव्यता और विराटता का प्रतीक है।

सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि सनातन धर्म और महाकुम्भ से जुड़े हर आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए उनकी सरकार संकल्पबद्ध है। सनातन धर्म से जुड़े किसी भी आयोजन के लिए हम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे, जिससे यह आयोजन सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सके। शंकराचार्य शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी ने महाकुम्भ की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन सरकार और जनता की सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है। सनातन संस्कृति ही विश्व की आदर्श संस्कृति है और महाकुम्भ इसका जीवंत प्रमाण है। शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री की इस बात के लिए भी सराहना की कि प्रयागराज के प्राचीन नाम को उन्होंने दोबारा स्थापित किया। प्रत्येक कुम्भ राष्ट्र को दिशा देता है। चाहे श्रीराम मंदिर के निर्माण का अभियान हो या देश में सनातन धर्म को शक्ति देने वाली सरकार हो, कुम्भ राष्ट्र को मार्ग दिखाता है। शंकराचार्य ने महाकुम्भ को एकता का कुम्भ बताते हुए इसे अद्वैत कुम्भ कहा। शंकरपुर पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीकृष्णानंद तीर्थ और महामंडलेश्वर संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' सहित बड़ी संख्या में संतगण उपस्थित रहे।

स्वच्छता के जननायक थे संत गाडगे: मुख्यमंत्री

लखनऊ/महाकुम्भ नगर। राष्ट्रसंत परम पूज्य गाडगे महाराज की 149वीं जयंती पर रविवार को महाकुम्भ नगर के सेक्टर 1 स्थित गंगा पंडाल में भव्य समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने संत गाडगे जी को नमन करते हुए कहा कि वे सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे, जिन्होंने जातिवाद, अंधविश्वास और अस्वच्छता के खिलाफ व्यापक जनजागरण कर समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाडगे जी महाराज का जीवन समाज में जागरूकता और सुधार लाने का प्रेरणास्रोत रहा है। वे जहां भी जाते, कीर्तन के माध्यम से शिक्षा और स्वच्छता का संदेश देते और अपने साथ झाड़ू रखकर स्वच्छता के प्रति जनमानस को प्रेरित करते। गाडगे जी कहते थे कि ईश्वर का वास वहीं है, जहां स्वच्छता है। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता अभियान की शुरुआत की, जो आज वैश्विक आंदोलन बन चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि संत गाडगे जी ने एक सदी पहले स्वच्छता का जो संदेश दिया था, वही आज प्रेरणा बनकर करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों घरों में शौचालय बनाए गए, जिससे नारी गरिमा की रक्षा हुई और बीमारियों से बचाव संभव हुआ। उन्होंने प्रयागराज की जनता की प्रशंसा करते हुए कहा कि महाकुम्भ के आयोजन में शहर ने स्वच्छता और सुव्यवस्था की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज में जाम की स्थिति नहीं है और यहां की जनता ने महाकुंभ को अपना आयोजन मानकर अतिथि सेवा का जो भाव दिखाया है, वह सराहनीय है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अगले वर्ष संत गाडगे जी महाराज की 150वीं जयंती को और भव्य तरीके से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार समाज के कल्याण के लिए सदैव तत्पर है और स्वच्छता के इस संदेश को और अधिक विस्तार देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विधान परिषद् सदस्य सुरेन्द्र चौधरी की इस बात के लिए विशेष सराहना की कि उन्होंने संत गाडगे जी की 149वीं जयंती के अवसर पर इतना विशाल आयोजन आयोजित कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज की जयंती पर आयोजित यह समारोह न केवल स्वच्छता के महत्व को दोहराने का अवसर बना है, बल्कि सामाजिक सुधारों के प्रति जनचेतना को भी प्रोत्साहित करने वाला साबित हुआ है। इस अवसर पर जगद्गुरु सतुआ बाबा आश्रम के संत संतोषाचार्य जी महाराज, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, ज्वाला माता मंदिर के संत अशोक महाराज, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, पीयूष रंजन निषाद, विधान परिषद् सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, भाजपा के कई पदाधिकारी और संत गाडगे जी महाराज के अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाकुंभ की महिमा को शब्दों में बयां कर पाना हो रहा मुश्किल: गुरमीत सिंह

● उत्तराखंड के राज्यपाल, ओडिशा के मुख्यमंत्री, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने किया संगम स्नान

संवाददाता। लखनऊ/महाकुम्भ नगर

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और शंकराचार्य भारती तीर्थ महास्वामी ने लगाई डुबकी

लखनऊ। महाकुम्भ 2025 में आस्था और श्रद्धा की अद्भुत छटा देखने को मिल रही है। करोड़ों श्रद्धालु इस महापर्व में शामिल होकर पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और जगद्गुरु शंकराचार्य श्री भारती तीर्थ महास्वामीजी ने भी महाकुम्भ में स्नान कर अपना अनुभव साझा किया। महाकुम्भ में शामिल हुए फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं यहां कठिन समय में अपने दादा जी के अवशेष लेकर आया था... मैंने पहले कभी ऐसा भव्य दृश्य नहीं देखा। बड़ी संख्या में लोग आए हुए हैं। यहां का माहौल स्वर्ग जैसा है। मैं मां गंगा से प्रार्थना करता हूं कि मेरी उम्र 94 साल तक हो, ताकि मैं अगले दो कुम्भ मेलों का भी अनुभव कर सकूं। मैंने परिवार, बच्चों, माता और दोस्तों के लिए भी प्रार्थना की। इस महाकुम्भ में जगद्गुरु शंकराचार्य भारती तीर्थ महास्वामीजी ने भी त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान किया। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, महाकुम्भ में स्नान करना मेरा सपना था, मुझे अवसर नहीं मिल पा रहा था। मुझे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ और मैं अत्यंत आनंदित हूं।

महाकुम्भ 2025 में श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिल रहा है। करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के बड़े नेता, संत-महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी इस महापर्व में शामिल हो रहे हैं। रविवार को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने पुण्य डुबकी लगाई। करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम स्नान आने के साथ ही यहां चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कुम्भ के आयोजनों की सराहना की। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं... यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे। मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं। भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा, यह पुण्य का क्षण है। मैं आज पुरी से प्रयागराज पहुंचा हूं। यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। भक्ति संगीत के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भारत श्रद्धा की भूमि है। लोग भारी बैग लेकर यहां आ रहे हैं, लेकिन उनके दिल श्रद्धा से भरे हुए हैं। प्रयागराज में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विशेष पूजा और आरती का आयोजन किया गया। रविवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जा रहा है।

मदिरा एवं भांग की दुकानों हेतु अब तक हुए एक लाख से अधिक आवेदन

लखनऊ। प्रदेश में देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं भांग की फुटकर दुकानों की ई-लाटरी के माध्यम से आवंटन हेतु आज 23 फरवरी की सायं तक कुल 109514 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं और इससे 572.20 करोड़ रुपये की प्रोसेसिंग फीस भी मिली हैं। यह जानकरी आबकारी आयुक्त, आदर्श सिंह ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि आबकारी नीति वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं भांग की फुटकर दुकानों की ई-लाटरी हेतु पंजीकरण 14 फरवरी, 2025 से शुरू हो चुका है। आज दिनांक 17 फरवरी से पंजीकरण के साथ आवेदन भी आरम्भ हो गये हैं एवं पंजीकरण तथा आवेदन दोनों ही दिनांक 27.02.2025 को सायं 05 बजे तक आनलाइन पोर्टल पर किए जा सकते हैं। आयुक्त ने बताया कि लाटरी की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण रूप से आनलाइन हैं और आवेदक के लिए समस्त अभिलेख एवं प्रोसेसिंग फीस आनलाइन ही जमा किये जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का कोई भी नागरिक जिसकी आयु 21 वर्ष से अधिक है, जो अन्य किसी कारण से अनर्ह नहीं है, वो आवेदन कर सकता है। ई-लाटरी आगामी 06 मार्च, 2025 को खोली जाएगी। पारदर्शी रूप से अनुज्ञापियों का चयन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। चयनित अनुज्ञापियों को वर्ष 2026-27 में नवीनीकरण का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

सपा मुख्यालय में मनाई संत गाडगे की जयंती

लखनऊ। सपा प्रदेश मुख्यालय पर आज स्वच्छता के प्रणेता एवं सामाजिक समरसता के प्रतीक संत गाडगे की जयंती सादगी से मनाई गई। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेंद्र चौधरी ने संत गाडगे के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह, समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से सोनू कनौजिया द्वारा भी संत गाडगे जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संत गाडगे को नमन करते हुए कहा कि संत गाडगे महाराज ने अपने जीवन को मानव सेवा और आध्यात्मिकता के लिए समर्पित किया। सादगी और स्वच्छता के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को प्रेरित करती है। वह एक संत और समाज सुधारक थे। उन्हें महाराष्ट्र के सबसे बड़े समाज सुधार को में से एक माना जाता है। उन्होंने मानव सेवा और समाज सुधारको आध्यात्मिकता का सबसे अच्छा जरिया माना। सामुदायिक स्वच्छता को बढ़ावा देने और समाज से अंधविश्वासों को मिटाने के लिए लगातार प्रयास किया।

महाकुंभ के आयोजन में सरकार पूरी तरह से फेल: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार महाकुंभ आयोजन में भी फेल हो गयी है। यातायात व्यवस्था करने में फेल हो गयी। सफाई और पानी की गुणवत्ता में फेल हो गयी। संगम में पानी की गुणवत्ता को लेकर केन्द्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आपस में लड़ रहे हैं। भाजपा दस साल से सरकार में है। गंगा मां की सफाई के लिए बड़े-बड़े दावे किए लेकिन साफ नहीं कर पाये। महाकुंभ में भगदड़ के दौरान जिन लोगों की मौत हुई, भाजपा सरकार उनकी सही संख्या नहीं बता पायी। भगदड़ में मृतक परिवारों और घायलों की मदद नहीं की। तमाम श्रद्धालुओं की आने जाने के दौरान दुर्घटनाओं में मौत हो गयी। इस सरकार ने उनकी भी मदद नहीं की।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार डबल ब्लंडर सरकार है। सरकार ने महाकुंभ के आयोजन के पूरी तरह से फेल हुई है। इसमें महा घपला भी किया है। मां गंगा की सफाई का दावा करने वाले लोग पूरा बजट साफ कर गये। सड़कों के गड्ढ़ों को भरने के नाम पर सब रूपया अपनी जेब में रख लिया। भाजपा सरकार भ्रष्ट और बेईमान सरकार है।

अखिलेश यादव ने कहा कि मैं कन्नौज में एक मंदिर में गया था, मेरे वहां से जाने के बाद भाजपा के लोगों ने मंदिर को गंगा जल से धोया था। मुख्यमंत्री आवास में कई मुख्यमंत्री रहे। आये, गए लेकिन किसी ने उसे गंगा जल से नहीं धुलवाया था लेकिन मेरे मुख्यमंत्री आवास छोड़ने के बाद भाजपा के लोगों ने मुख्यमंत्री आवास को गंगा जल से धुलवाया। महाकुंभ में मैंने गंगा जी में स्नान कर लिए भाजपा के लोग बताएं कि मां गंगा को किससे और कैसे धोएंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि यह लड़ाई बड़ी है। भाजपा पीडीए की उपेक्षा करती है। भाजपा सरकार ने पिछले नौ बजट में पीडीए को कुछ

नहीं दिया है। बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से पीडीए को हक और सम्मान दिया है। आरक्षण दिया है। भाजपा उस आरक्षण को छीन रही है। विश्वविद्यालयों में कहीं भी पीडीए नहीं दिखाई दे रहा है। भाजपा पीडीए के साथ भेदभाव कर रही है। कानपुर में विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में पीडीए वाइस चांसलर का कोई व्यक्ति पोस्ट नही है। संस्थाओं के शीर्ष पदों को छोड़िये उनके नीचे नौकरियों और अन्य पदों पर भी पीडीए परिवार को हिस्सा नहीं मिला है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए के लोगों ने इस बार भाजपा को रिकॉर्ड वोटों और सीटों से हराने का मन बना लिया है। उपचुनाव में भाजपा ने जो चार सौ बीसी की है वह 2027 के विधानसभा के आम चुनाव में नहीं चलेगी। 2027 में भाजपा बहुत बुरी तरह से हारेगी। समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। यादव ने कहा कि महाकुंभ आस्था का प्रतीक है। यह आम जनता का आयोजन है। भाजपा सरकार आयोजन में फेल हो गयी। हर तरफ अव्यवस्था रही। उससे ध्यान हटाने के लिए मुख्यमंत्री जी ने विधानसभा में उर्दू भाषा पर सवाल उठाया। मुख्यमंत्री जी को उर्दू भाषा के बारे में कुछ नहीं पता है। उन्हें पता ही नहीं कि उर्दू भारतीय भाषा है, उर्दू यहीं पली बढ़ी और यही उसका विकास हुआ। मुख्यमंत्री जी ने उर्दू के बारे जो बात सदन में बोला उस बात को रोकने के बजाय अगर स्पीकर महोदय मुस्कुरा रहे हों, तो इससे बड़ी लोकतंत्र की हत्या कुछ नहीं हो सकती है। स्पीकर साहब की जिम्मेदारी बनती है कि अगर मुख्यमंत्री कुछ गलत बोले तो रोकें।

नेता वह होना चाहिए जो बेहतर समाज बनाने के लिए कार्य करे: नीरज सिंह

● चिनहट प्रथम वार्ड के पार्षद कार्यालय पर सुनी गई पीएम के 'मन की बात'

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने कहा कि नेता वह नहीं जो चुनकर सदन में चला जाए, नेता वह होना चाहिए जो बेहतर समाज बनाने के लिए कार्य करे। समाज की समस्याओं को समझे,और लोगों के लिए समाधान ढूंढने में मदद करे।वह समाज में एकता, सामंजस्य, और समानता को बढ़ावा देते रहे। लोगों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान ढूंढने में मदद करते हैं।

नीरज सिंह रविवार को चिनहट प्रथम वार्ड के पार्षद अरुण राय के कार्यालय पर प्रधानमंत्री की %मन की बात% कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम की मन की बात का यह 119 वां संस्करण था। जिसे सुनने के बाद नीरज सिंह ने कहा कि अच्छे नेता हमेशा लोगों की सुनते हैं, उनकी आवाज को उठाते हैं, और समाज के हर व्यक्ति को अवसरों के साथ सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र और जनकल्याण के विभिन्न नवीन विषयों पर प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्राप्त होता है। आज के संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस विज्ञान और एआई के क्षेत्र में देश की सफलता, राष्ट्रीय खेलों में प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और बोर्ड परीक्षा में बिना तनाव सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने के लिए विद्यार्थियों प्रोत्साहित किया। पीएम मोदी ने मोटापे की समस्या से निपटने के लिए भी आमजन को प्रेरित किया। स्थानीय पार्षद अरुण राय ने कहा कि देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपई के सपनो को साकार किया है। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में लखनऊ का विकास तेजी के साथ हो रहा है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कमल पांडे, शक्ति केंद्र संयोजक अनिल सोनी, बूथ अध्यक्ष नवीन राय, पूर्व पार्षद स्नेह लता राय पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र राय डब्बू, रामचंद्र सिंह, कौशल वर्मा, अनिल जायसवाल, ब्रजराज शर्मा, घनश्याम अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अन्नदाताओं की समृद्धि के बिना भारत का विकास अधूरा:भूपेन्द्र सिंह चौधरी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने संसद में केंद्रीय बजट 2025-26 प्रस्तुत किया, जो 'सबका साथ और सबका विकास' के लक्ष्य को समर्पित है। यह बजट विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें चार प्रमुख विकास इंजनों- कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को केंद्र में रखा गया है। बजट में गरीबों, युवाओं, किसानों एवं महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास उपायों को प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि देश के अन्नदाताओं की समृद्धि के बिना भारत का विकास अधूरा है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना शुरू की गई है, जिससे 100 जिलों के 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की ऋण सीमा 3

लाख रूपये से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है। उच्च उपज बीज मिशन, कपास उत्पादकता मिशन और मखाना बोर्ड जैसी योजनाओं से किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलेगा। देश का हर छोटा उद्योग, हर स्टार्टअप भारत की नई अर्थव्यवस्था की नींव रख रहा है। सूक्ष्म उद्यम क्रेडिट कार्ड के तहत 10 लाख एमएसएमई को 5 लाख रूपये तक की ऋण सुविधा दी जाएगी। चमड़ा और फुटवियर उद्योग में 22 लाख नए रोजगार सृजित होंगे और 1.1 लाख करोड़ रूपये का निर्यात होगा। खिलौना उद्योग में 'मेड इन इंडिया' ब्रांड को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। स्टार्टअप्स के लिए 10,000 करोड़ रूपये का अतिरिक्त योगदान दिया जाएगा ताकि नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके। बजट 2025-26 में भारत को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया है। 21 लाख करोड़ रूपये के आवंटन से शहरों को विकास का केंद्र बनाया जाएगा। अब तक 15 करोड़ परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाया गया है और इस मिशन की अवधि 2028 तक बढ़ा दी गई है। समुद्री विकास निधि से 25,000 करोड रूपये की योजना के तहत भारत के बंदरगाहों और जहाज निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। आईआईटी और आईआईएससी में 10,000 नई रिसर्च फेलोशिप दी जाएगी। 200 डे-केयर कैंसर सेंटर खोले जाएंगे, जिससे हर जिले में सस्ता और सुलभ इलाज मिलेगा। परमाणु ऊर्जा मिशन 20,000 करोड रूपये के निवेश से 2033 तक 5 स्वदेशी छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित किए जाएंगे। ब्लू योजना के तहत 120 नए हवाई अड्डे बनाए जाएंगे और बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा। निर्यात से भारत को वैश्विक शक्ति बनाने की पहल।

'मन की बात' 119वें संस्करण कार्यक्रम में शामिल हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अति लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 119 वें संस्करण के प्रसारण को रविवार को लखनऊ महानगर की मध्य विधानसभा अंतर्गत हलवासिया कोर्ट में बूथ संख्या 234 पर कर्मठशील पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ सुना। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, रजनीश गुप्ता, प्रवीण गर्ग, सुधीर हलवासिया, सुविद प्रवीण कंचन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि लखनऊ महानगर में बूथ स्तर पर मन की बात कार्यक्रम सुना गया जिसमें मुख्य रूप से उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बूथ संख्या 327, एसटीपी, बड़ी लाल कुर्ती, मंडल कैंट 4 में, प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक पंकज सिंह ने विधायक ओपी श्रीवास्तव के साथ पूर्व विधानसभा सुगमऊ प्राथमिक विद्यालय बूथ संख्या 54 पर, भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने चिनहट बाजार में पार्षद कार्यालय बूथ संख्या 362 पर, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा ने उत्तर मंडल कर की बूथ संख्या 281 पर, महापौर सुषमा खर्कवाल ने कैंप कार्यालय में मन की बात कार्यक्रम सुना।

हैदर कैनाल के ऊपर से जाएगी आठ किमी सड़क

● खर्च होंगे 754 करोड़

●10 लाख लोगों को मिलेगा ट्रैफिक से निजात, कम तय करनी होगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में राजाजीपुरम से कालीदास मार्ग तक बनने वाली एलिवेटेड रोड से दस लाख लोगों की जिंदगी आसान हो जाएगी। प्रस्तावित 8 किमी की एलिवेटेड रोड से शहरियों को ट्रैफिक से बड़ी राहत मिलेगी। इस प्रोजेक्ट को हैदर कैनाल नाले के ऊपर बनाने के लिए प्रस्तावित किया गया है, इस सड़क को बनाने पर 754 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। बेहतर कनेक्टिविटी से शहर के अंदर आने जाने में लोगो को आसानी के साथ कम दूरी भी तय करनी पड़ेगी।

लखनऊ में ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए एक नई एलिवेटेड रोड बनने जा रही है। यह सड़क राजाजीपुरम से कालिदास मार्ग तक गाजीउद्दीन हैदर कैनाल के ऊपर बनाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट का मकसद शहर के व्यस्त इलाकों में लगने वाले जाम को कम करना है। रोजाना हजारों गाड़ियां इन सड़कों से गुजरती हैं, जिससे जाम की समस्या आम हो गई है। इस एलिवेटेड रोड के बनने से करीब 10 लाख लोगों को राहत मिलेगी। यह सड़क करीब 8 किलोमीटर लंबी होगी और इसे बनाने में लगभग 754 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत सड़क को मजबूत बनाने के लिए खास तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि यह सालों तक टिकी रहे और ट्रैफिक का दबाव झेल सके। यह एलिवेटेड रोड न सिर्फ ट्रैफिक की समस्या को हल करेगी, बल्कि लोगों के रोजमर्रा के सफर को भी आसान बनाएगी। अब लोगों को घंटों जाम में फंसकर परेशान नहीं होना पड़ेगा। यह सड़क शहर के अलग.अलग हिस्सों को आपस में जोड़ेगी, जिससे लखनऊ की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। इसके अलावा, जब ट्रैफिक जाम कम होगा, तो ईंधन की भी बचत होगी, जिससे प्रदूषण भी कम होगा। कुल मिलाकर, यह सड़क लखनऊ के विकास में बड़ा योगदान देगी। यह सड़क शहर के लोगों के लिए सफर को आसान और तेज बना देगी।

कहां से कहां तक बनेगी यह रोड

यह सड़क राजाजीपुरम ई.ब्लॉक मार्केट से शुरू होकर बालाजी मंदिर, मवैया पुल, मोतीनगर, स्टेशन रोड, उदयगंज से होते हुए चिड़ियाघर के पीछे तक जाएगी। यह रास्ता शहर के सबसे ज्यादा भीड़.भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरेगा, जिससे लोगों का सफर आसान और तेज हो जाएगा। लखनऊ में कई इलाके हैं जहां हर रोज गाड़ियों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। खासतौर पर अवध चौराहा, चारबाग, मवैया और हजरतगंज में ट्रैफिक जाम सबसे बड़ी समस्या है। इस एलिवेटेड रोड के बनने से इन इलाकों में ट्रैफिक की स्थिति काफी सुधर जाएगी।

गाड़ियों की आवाजाही और भी होगी आसान

यह सड़क आगरा एक्सप्रेस.वे और लोहिया पथ को जोड़ने का भी काम करेगी, जिससे गाड़ियों की आवाजाही और भी आसान हो जाएगी। जो लोग शहर के एक कोने से दूसरे कोने तक जाना चाहते हैं, उनके लिए यह सड़क किसी वरदान से कम नहीं होगी।

बजट पास होते ही निर्माण कार्य होगा शुरू

गाजीउद्दीन हैदर कैनाल पर एलिवेटेड रोड बनाने का आइडिया कोई नया नहीं है। करीब 25 साल पहले इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन कई कारणों से इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयासों से यह प्रोजेक्ट दोबारा शुरू किया जा रहा है। सेतु निगम ने 754 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाकर लोक निर्माण विभाग को भेज दिया है। जैसे ही बजट पास होगा, निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सनातन संस्कृति को कोई चुनौती नहीं दे सकता: ब्रजेश पाठक

● उप मुख्यमंत्री ने सनातन संगम एवं सम्मान समारोह को किया संबोधित

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रेम, करुणा और सज्जनता जिसमें होती है वही सनातन है। भगवान बुद्ध ने भी प्रेम, करुणा, दया और मानवता का संदेश दिया। सनातन संस्कृति कहती है कि सबको साथ लेकर चलेंगे लेकिन आज स्थिति बदल गयी है। लोगों में स्वार्थसिद्धि और संपत्ति संग्रह की भावना घर कर गयी है। एक दूसरे को गिराकर आगे बढ़ने की भावना प्रबल हो गयी है। लेकिन सनातन का मतलब है कि हमें प्रसन्न रहना है और समाज को आगे बढ़ाना है। सनातन संगम न्यास द्वारा सहकारिता भवन प्रेक्षागृह में आज आयोजित सनातन धर्म समागम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सदभावना का देश है जहां प्रत्येक व्यक्ति सनातनी है। उप्र सरकार द्वारा आयोजित महांकुम्भ मेले में शाश्वत सनातन की झलक दिखाई पड़ती है क्योंकि महांकुम्भ में किसी भी प्रकार कोई ऊंच नीच रंग भाषा एवं अमीर गरीब का भेद दिखाई नहीं पड़ता है। क्योंकि भारत को ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को एक सूत्र बांधा है।

श्री पाठक ने कहा कि सनातन देखना हो तो प्रयागराज जाइये, उन्होंने समानता के उदाहरण के तौर पर कहा कि क्या अडाणी अंबानी, क्या गरीब भिखारी, सभी एक घाट पर एक साथ संगम में डुबकी लगा रहे हैं। अमीरी गरीब, छोटा बड़ा का कोई भेदभाव नहीं, एकजुटता का ऐसा भव्य संगम पहले कभी देखने को नहीं मिला। यही सनातन है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जब तक सूरज चांद रहेगा, महाकुंभ यूं ही चलता रहेगा। भारत की सनातन संस्कृति को कोई चुनौती नहीं दे सकता। जब तक हम सभी एकजुट रहेंगे, सनातन संस्कृति अनवरत कायम रहेगी। सनातन संगम न्यास के संस्थापक डॉ अतुल कृष्ण ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सनातन शब्द की आलौकिक व्याख्या करते हुए कहा कि वह जो चिरकाल से है, जो शाश्वत है जो अपरिवर्तनीय है वही सनातन है। जब इस शब्द का प्रयोग किसी दर्शन के संबंध में किया जाता है तो इसका अर्थ उन सिद्धांतों से होता है जो किसी व्यक्ति के द्वारा नहीं बनाए गए बल्कि स्वयं प्रकृति ने उन्हें मानव को उसके धर्म स्वरूप दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति के द्वारा दिए गए सनातन मूल्य वे हैं जिन पर चलकर व्यक्ति अपना एवं संपूर्ण सृष्टि का मंगल कर सकता है। उन्होंने कहा कि यदि इतिहास को देखा जाए तो सनातन धर्म की स्पष्ट व्याख्या तथागत बुद्ध ने की थी। डॉ.अतुल कृष्ण ने कहा कि आज आपसी टकराव के कारण जो अंधकार चारों ओर फैला है उसे मिटाने का काम सनातन संगम न्यास की यह ज्योति करेगी। आरम्भ सनातनी पद्धति के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आरती वंदन के साथ हुआ। विभिन्न पंथों के धर्माचार्यों द्वारा मंत्रोच्चारण का पवित्र पाठ हुआ। कार्यक्रम में युवा समाज सेवी कुंवर ज्योतिरादित्य ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। अभिषेक जैन ने टीम के साथ नमोकार मंत्र पाठ कर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

संकोच एवं हठ कैंसर स्क्रीनिंग में सबसे बड़े बाधक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विवि रेडियोथेरेपी विभाग, भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड के सीएसआर फंड से प्राप्त वाहन को मोबाइल कैंसर डिटेक्शन इकाई के रूप में चला रहा है। यह वाहन इम्यूनोएनलाइजर, ऑटोनलाइजर आदि से सुसज्जित है।

मलिहाबाद के कई क्षेत्रों एवं राजभवन में इकाई द्वारा कई व्यक्तियों का परीक्षण किया गया है। वर्तमान में कसमंडी कला पंचायत भवन में कैंसर जांच का कैंप लगाया गया। कैंप में लोगों को समझाया जाता है कि कैंसर बीमारी का अगर पहले से पता लग जाए तो इसका उपचार आसान एवं परिणाम सुखद हो सकता है। बीमारी की पहचान के लिए स्क्रीनिंग आवश्यक है। विकसित देशों में व्यक्ति इस जांच में स्वरुचि से भाग लेते हैं। हमारे यहां स्थिति बहुत विपरीत है। व्यक्ति इस प्रकार की जांच के लिए सुलभ नहीं होते। बहुत संकोच एवं हठ के वशीभूत वे किसी भी जांच को मना कर देते हैं। कैंप में महिलाओं ने परीक्षण को मना कर दिया। बहुत समझाने पर वें तैयार हुई। उनके तरह तरह के भ्रम कि हमारे मायके वालों को नहीं ऐसी बीमारी, हम तंबाकू नहीं खाते, मुझे ऐसी बीमारी हो ही नहीं सकती और बहुत सारे व्यक्तव्य लोगों द्वारा जांच के समय कहे गए। लोगों को यह समझ आना चाहिए कि स्वस्थ अर्थात जिन लोगों में बीमारी के लक्षण नहीं हैं, उन्हीं में यह जांचें महत्त्वपूर्ण हैं।

इसी प्रकार कई पुरुष की ओरल हाइजिन बहुत बुरी मिली। उनके मुंह का खुलना कम हो गया। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का ऐसा प्रयास प्रदेश में पहला है, जहां कैंसर डिटेक्शन के लिए कैंप लग रहे हैं। अब धीरे धीरे लोगों में जिज्ञासा बढ़ रही है। हमारे प्रयास भी निरन्तर बेहतर हो रहे हैं। पैप स्पीयर ट्यूमर मार्कर के लिए सैंपल लिए जाते हैं। कैंप में डॉ सुधीर सिंह व डॉ अमन वर्मा (रेडियोथेरेपी), डॉ शालिनी सिंह व डॉ अनामिका (स्त्री रोग), डॉ देविशा अग्रवाल व डॉ सुविज्ञ (ईएनटी), डॉ रामप्रवेश मिश्रा (पैथोलॉजी) एवं डॉ शशि (ओएमएफएस) द्वारा भाग लिया गया। कैंप का संयोजन राजेंद्र मौर्य एवं निर्मल द्वारा किया गया।

यूपी बोर्ड परीक्षा आज से, परीक्षार्थियों को मिलेगा मनोचिकित्सकों का साथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं सोमवार से प्रारंभ हो रही हैं। योगी सरकार ने परीक्षाओं को पारदर्शी, सुरक्षित व नकलविहीन बनाने की तैयारी पूरी कर ली है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर न केवल सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की गई है, बल्कि परीक्षार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा गया है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप परीक्षार्थियों को प्राथमिक उपचार की सुविधा के साथ मनोचिकित्सकों द्वारा विशेष परामर्श भी दिया जाएगा, ताकि छात्र परीक्षा के तनाव से मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलेगी। इसके तहत प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्वास्थ्य किट और प्राथमिक चिकित्सा उपकरण की व्यवस्था की गयी है। इसके लिए मेडिकल स्टाफ और प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान कर सकें। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव का प्रभाव अक्सर गंभीर समस्याओं का रूप ले लेता है।

ऐसे में योगी सरकार ने परीक्षार्थियों के लिए मनोचिकित्सा परामर्श सेवा की भी व्यवस्था की है। परीक्षा अवधि के दौरान प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर प्रशिक्षित मनोचिकित्सक उपलब्ध होंगे, जो परीक्षार्थियों को तनाव, चिंता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यह कदम न केवल विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति को संतुलित करेगा, बल्कि उन्हें परीक्षा के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने में भी सहायता करेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि समय-समय पर होने वाले परामर्श सत्रों से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनकी चिंताओं का समाधान हो सकेगा। इसके अलावा महिला परीक्षार्थियों के लिए विशेष हेल्प डेस्क की भी व्यवस्था की गयी है।

इस बार नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए मीडिया प्रतिनिधियों का सहयोग लेने की भी रणनीति तैयार की है। इसका मुख्य उद्देश्य परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा लाइव कवरेज और रिपोर्टिंग से परीक्षा केंद्रों की स्थिति पर नियमित निगरानी बनी रहेगी। इससे परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए उठाए कड़े कदम

- परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी निगरानी होगी।
- कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की लाइव फीड देखी जा सकेगी।
- स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है।
- संदिग्ध परीक्षा केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।
- बिजली विभाग को परीक्षा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।
- ऑनलाइन वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे फर्जी परीक्षार्थियों की पहचान हो सके।
- उत्तर पुस्तिकाओं पर वाटरमार्क और क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

पांचवें दिन इंटर हॉस्टल कम्पटीशन फेस्ट-2025 में कई प्रतियोगिताएं संपन्न

लखनऊ। लविवि में चल रहे दस दिवसीय-इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट - 2025 के पांचवें दिन रविवार को विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चेस, कैरम एवं टेबल टेनिस स्पर्धाओं का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में मुख्य अतिथि कुलपति आलोक कुमार राय तथा विशिष्ट अतिथि प्रो राजकुमार सिंह पूर्व प्रति कुलपति लविवि एवं प्रो केया पांडेय पुस्तकालयाध्यक्ष टैगोर लाइब्रेरी थीं। चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह ने बताया कि छात्रों के टेबल टेनिस प्रतियोगिता के एकल एवं डबल्स दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान होमी जहांगीर भाभा हास्टल को प्राप्त हुआ। महिला श्रेणी में एकल एवं डबल्स में प्रथम स्थान चन्द्रशेखर आजाद गर्ल्स हास्टल को मिला।

पुरुष छात्रावास में कैरम प्रतियोगिता में फाइनल मैच सुभाष और हबीबुल्लाह के बीच खेला गया जिसमे सुभाष हॉस्टल विजयी रहा। साथ ही चेस प्रतियोगिता में कौटिल्य हास्टल प्रथम स्थान पर और आचार्य नरेंद्र देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास द्वितीय स्थान पर रहा।

महिला छात्रावास के कैरम प्रतियोगिता में कैलाश प्रथम स्थान पर तथा निवेदिता हॉल द्वितीय स्थान पर रहा। चेस प्रतियोगिता में बीरबल साहनी की विदेशी अंत:वसियों को प्रथम स्थान तथा कैलाश छात्रावास द्वितीय स्थान पर रहा। प्रति कुलपति प्रो मनुका खन्ना अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो वी के शर्मा, अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो बी डी सिंह आई पी पी आर निदेशक प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव, डॉ शशि कनौजिया तथा सभी 18 छात्रावासों के अभिरक्षक एवं सह-अभिरक्षक उपस्थित थे।

छात्रा संसद को लेकर अभाविप ने की बैठक

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लखनऊ महानगर विभाग छात्रा कार्य बैठक रविवार को प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य शीतल कुमारी, विभाग संगठन मंत्री अनुज श्रीवास्तव, महानगर मंत्री शाश्वत सांकृत एवं महानगर छात्रा कार्य संयोजक आराध्या सिंह की उपस्थिति में हुई। बैठक में शीतल कुमारी ने बताया कि आगामी 8 मार्च को दिल्ली में आयोजित होने वाले छात्रा संसद से पूर्व पूरे देश के कैंपस में छात्राओं के बीच जाकर अभाविप कार्यकर्ता विभिन्न बिंदुओं पर सर्वे करेंगे। आराध्या सिंह ने बताया कि छात्राओं की टोली बनाई गई है, ये टोली 25 फरवरी से 2 मार्च तक लखनऊ के विभिन्न परिसरों में छात्राओं के बीच जाकर विभिन्न बिंदुओं पर सर्वे करेगी। अंशुल विद्यार्थी ने कहा कि निश्चित रूप से इस अभियान के माध्यम से छात्राओं की समस्या एवं सुझाव एकत्रित होंगे।

हरियाली और रंगबिरंगी मछलियां लुभा रहीं हैं जनेश्वर पार्क आने वाले पर्यटकों को

लखनऊ। जनेश्वर मिश्र पार्क में वीकेंड पर भारी भीड़ होती है, जिसके कारण एलडीए को सतर्क रहना पड़ता है। पार्क में आने वाले पर्यटक, शहरी इसका मुख्य कारण हरियाली और रंगबिरंगी मछलियां हैं। साथ ही पानी की बोट से सैर भी करना लोगों को काफी भाता है। लखनऊ में स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क एशिया का सबसे बड़ा पार्क है, जो कई एकड़ में फैला हुआ है और दिनभर लोगों से गुलजार रहता है। विशेषकर वीकेंड पर लखनऊ के निवासियों के साथ.साथ दूर.दराज से आए पर्यटक भी इस पार्क की सुंदरता का लुत्फउठाने आते हैं। इसकी हरियाली और स्वच्छ वातावरण इसे लखनऊ की शान बनाता है हजारों की संख्या में लगे पेड़ए खासतौर पर पीपल, इस जगह को एक प्राकृतिक और शांतिपूर्ण अहसास देते हैं, जिससे यहां आने वालों को गांव जैसी ताजगी का अनुभव होता है। इस पार्क में कई मनोरंजन के साधन मौजूद हैं, लेकिन सबसे खास आकर्षण है यहां का विशाल तालाब और उसमें तैरती रंग.बिरंगी मछलियां, इस तालाब में सैकड़ों क्रिंटल मछलियां मौजूद हैं, जो यहां आने वाले पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं। लोग खासतौर पर मछलियों को चारा डालने के लिए लाई लेकर आते हैं, जैसे ही चारा पानी में गिरता है, मछलियां उसे पकड़ने के लिए उछल पड़ती हैं। उनका यह झुंड बनाकर उछलना देखने वालों के लिए एक रोमांचक अनुभव बन जाता है। खासतौर पर बच्चे मछलियों को देखकर बेहद खुश होते हैं।

शाम को पार्क में नजारें देते हैं मन को सुकून

पार्क में शाम के समय, तालाब में चलने वाले फव्वारे इस नजारे को और भी मनोरम बना देते हैं, जिससे पार्क की खूबसूरती और बढ़ जाती है। यहां घूमने वाले क्या कहते हैं। मनोज जो पार्क से करीब 12 किलोमीटर दूर रहते हैं, मुझे यहां आना बेहद पसंद है छुट्टियों के दिनों में मैं अपने परिवार के साथ यहां जरूर आता हूं। हम मछलियों को लाई खिलाते हैं और पार्क की हरियाली में घंटों सुकून से बैठते हैं। जनेश्वर मिश्र पार्क न सिर्फलखनऊ बल्कि पूरे उत्तर भारत के लोगों के लिए प्रकृति के करीब एक बेहतरीन स्थान है, जहां आकर हर कोई सुकून और ताजगी महसूस करता है। बोट से सैर करना बेहद लुभाता है लोगों को पार्क में अधिकतर लोग हरियाली और किड्स जोन में बच्चों को लेकर आते हैं, लेकिन साथ ही लोगों ने सबसे अधिक वाटर बाड़ी की चर्चा की।

कलाकारों को प्रमाण पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

लखनऊ। वसुधैव कुटुंबकम नृत्य प्रस्तुति की गूंज पूरे विश्व मे जाएगी। 10वां भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय नृत्य एवं संगीत महोत्सव का आयोजन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में गंगा पण्डाल सेक्टर एक में किया गया। महोत्सव के दूसरे दिन भारत के साथ बांग्लादेश, फिजी, किर्गिस्तान, मलेशिया , मालदीव, मंगोलिया, रसिया, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका और वियतनाम देश के कलाकारों ने गायन और नृत्य का अनुपम परिचय दिया। कार्यक्रम पहली प्रस्तुती के रूप में सभी देशों के कलाकार ने भारतीय संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम नाम से एक समूह नृत्य प्रस्तुत किया जिसे प्रसिद्ध नृत्य निर्देशिका रानी ख़ानम ने निर्देशित किया था। दक्षिण अफ्रीका के कलाकारों ने अपना पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर सभी को लुभाया। उसके बाद वियतनाम के कलाकारों ने उनका विशेष नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसे सभी ने खूब पसंद

किया। उसके बाद मालदीव देश से आये कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत किया जिसे देखकर सभी आनंदित हुए। मालदीव के बाद मंगोलिया से आये कलाकारों ने अपने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। बांग्लादेश से आये कलाकारों ने शिव स्तुति कर भगवान भोलेनाथ को समर्पित नृत्य माला प्रस्तुत किया जिसे देखकर सभी दर्शक मोहित हो गए। अंतिम प्रस्तुति में सभी 11 देशों के कलाकारों ने एक साथ नृत्य प्रस्तुत कर सभी दर्शकों को अभिभूत कर दिया।

अगली प्रस्तुती के रूप में पद्मश्री संगीथा कलानिधि की पुत्री सिक्की माला चंद्रशेखर ने अपने बांसुरी वादन से मंच की शोभा बढ़ाई। वायलिन, मृदंगम और घटम के साथ बांसुरी की उनकी प्रस्तुति को बहुत पसंद किया गया। भगवान गणेश को समर्पित आदिशंकराचार्य द्वारा रचित गणेश पंचाक्षर स्त्रोत को बांसुरी के माध्यम से प्रस्तुत किया। राग नागास्वर्णी में श्री शंकर गुरुवर की प्रस्तुति की गई। राग रेवती में भो शम्भू शिव शम्भू की प्रस्तुति की गई। तुंग तरंगे गंगे गीत को बांसुरी के माध्यम से सुनकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अंतिम प्रस्तुति के रूप में गुरु केलुचरण मोहापात्रा की शिष्या एवं संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित शर्मिला विश्वास अपने ओडिसी नृत्य संयोजन से सभी को मोहित कर दिया। प्रथम प्रस्तुति ध्वनि प्रतिध्वनि प्रस्तुत किया जिसमें महेश्वर भगवान शिव की स्तुति की गई है और ये प्रदर्शित किया है कि भगवान नटराज का नृत्य अग्नि के समान है तथा उनका उनका डमरू की ध्वनि ब्रह्मांड की ध्वनि है। ब्रह्मांड में उठने वाले सभी ध्वनि इसकी ध्वनि की प्रतिध्वनि है। पशुपतिनाथ भगवान भोलेनाथ को अभिकेंद्रित कर ओडिसी नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति दी जिसमे यह इंगित किया गया है भगवान शिव ही सभी जीवों के जनक और संरक्षक हैं। अंत मे संस्कृति विभाग के संस्कृति विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष चन्द्र यादव एवं संस्कृति विभाग के कार्यक्रम अधिशासी ने सभी कलाकारों को अंगवस्त्रम तथा प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

क्रिकेट मैच में कुलपति इलेवन ने एलयू कप पर किया कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के तत्वाधान में आयोजित लखनऊ विश्वविद्यालय क्रिकेट कप के लिए कुलपति इलेवन एवं प्रतिकुलपति इलेवन के बीच रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के परांजपे पवेलियन ग्राउंड में क्रिकेट मैच हुआ। मैच के दौरान कुलपति की क्रिकेट टीम ने प्रति कुलपति के क्रिकेट टीम को रोमांचक मुकाबले में पराजित कर लखनऊ विश्वविद्यालय कप पर कब्जा किया।

विश्वविद्यालय के परांजपे पवेलियन ग्राउंड पर टी20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। कुलपति इलेवन के कप्तान प्रो. आलोक कुमार राय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वी सी इलेवन की टीम कुछ इस प्रकार थी, प्रो. आलोक कुमार राय (कप्तान), प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. अजय कुमार आर्य, प्रो. अनूप भारतीय, डॉ अनित्य गौरव, डॉ यस. ए. अल्वी, डॉ विनीत कुमार, डॉ अजय सिंह, डॉ प्रवीण गुप्ता, डॉ अनार सिंह, पंकज माथुर एवं राकेश द्विवेदी तथा प्रति कुलपति इलेवन में प्रो. वी के शर्मा कप्तान, प्रो. राजीव मनोहर, डॉ आशुतोष, डॉ राहुल पांडेय, डॉ संदीप पुंडीर, डॉ विकास कुमार, डॉ भरत कुमार चौधरी, डॉ संजय गौतम, डॉ आनंद पांडेय, डॉ नागेंद्र मौर्य एवं डॉ आनंद बल्लभ जोशी थे। वीसी इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 6 विकेट खोकर 127 रन बनाए। वी सी इलेवन को पहला झटका अजय सिंह रन आउट के रूप में गिरा इसके बाद टीम के विकेट कीपर अजय कुमार आर्य और एस ए अल्वी ने दूसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ 86 रन जोड़े। वी सी इलेवन की ओर से सर्वाधिक 57 रन 49 गेंदों में नौ चौकों की मदद से सलामी बल्लेबाज अजय आर्य ने बनाया। वहीं दूसरे छोर पर प्रोफेसर आर्य का साथ दे रहे अल्वी ने 24 गेंद पर चार चौकों की मदद से 31 रन का योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रो वी सी इलेवन की शुरुआत अच्छी नही रही संदीप पुंडीर के रूप में पहला विकेट गिरा इसके बाद राजीव मनोहर और आशुतोष ने पारी को संभाला। प्रो. वी सी की ओर से सबसे ज्यादा 45 रन आशुतोष ने बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रति कुलपति की टीम 15 ओवर में 106 रन ही बना पाई। इस तरह वी सी इलेवन की टीम ने 21रन से मैच जीत लिया और लखनऊ विश्वविद्यालय कप पर कब्जा किया। भूगोल विभाग के विभाग अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने विजेता टीम एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। प्रो. अजय आर्य को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा यस ए अल्वी को बेस्ट बैट्समैन , राहुल पांडेय को बेस्ट फील्डर, विनीत कुमार को बेस्ट बॉलर, राजीव मनोहर को बेस्ट ऑलराउंडर और आशुतोष को बेस्ट विकेट कीपर का अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

'भगवान के त्रिशूल रूप दर्शन' का वार्षिक समारोह आयोजित

लखनऊ। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर, इंदिरा नगर एवं सिद्ध शक्तिपीठ सत्यतीर्थ आश्रम भवानीपुर, अनोरा कला, अयोध्या रोड पर 'भगवान के त्रिशूल रूप दर्शन' का वार्षिक समारोह आध्यात्मिक गुरु मां पूनम एवं योगीराज अभिनव महाराज की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। 46 वर्ष पूर्व 'श्री कृष्णचेतनावतार देवी मां' ने भगवान के लिए 'लिपि रूप' पर जब प्रसाद अर्पित किया, तब उनके पावन कर कमलों के स्पर्श मात्र से, प्रसाद में भगवान ने त्रिशूल रूप में दर्शन दिया। प्रत्येक वर्ष 23 फरवरी को 'भगवान का त्रिशूल रूप दर्शन' का वार्षिक समारोह 'सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर' में मनाया जाता है। मां पूनम ने अपने प्रवचन में बताया कि मनुष्य जब जब असत्य अधर्म और अन्याय के पथ पर बढ़ता है तब तब भगवान के न्याय रूप के अंतर्गत उसे अपने जीवन में संघर्षों, कष्टों, रोगों, प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है।

जनसमस्याओं का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता में है: राजेश्वर सिंह

● आपका विधायक आपके द्वार' 109वां जनसुनवाई शिविर आयोजित

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा प्रारंभ की गई संवाद से समाधान तक की अनुपम पहल 'आपका विधायक आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर एक महाभियान बन गया है। ईडी की नौकरी छोड़ जनसेवा का संकल्प लेकर राजनीति में आए डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनता के लिए उपलब्धता, संवाद और समस्याओं का निराकरण के लिए माता तारा सिंह की स्मृति में जनसुनवाई शिविर का अयोजन किया। जो नियमित तौर पर क्षेत्र के गांवों में किया जाता है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता में है, इसीलिए जनता की समस्याओं को सुनकार उसका तत्काल निराकरण किय जाता है।

रविवार को ग्राम पंचायत जैतीखेड़ा के मजरा भागूखेड़ा में 109वां 'आपका विधायक आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान जनसमस्याओं के निदान के लिए गांव में पहुंची विधायक की टीम ने ग्रामीणों से सहजतापूर्वक संवाद किया, और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान सड़क, बिजली और पेंशन समेत 33 समस्याएं आई। शिविर में प्राप्त समस्याओं के शीघ्र व प्रभावी निस्तारण का सकारात्मक आश्वासन दिया गया। क्षेत्रीय जनता ने समस्याओं से निदान हेतु विधायक द्वारा प्रारंभ अभिनव पहल 'आपका विधायक, आपके द्वार जनसुनवाई शिविर के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

साथ ही डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित अभिनव पहल 'गांव की शान' के अंतर्गत हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले भागूखेड़ा के 4 मेधावियों नंदिनी (82 प्रतिशत), प्रिया (75प्रतिशत), शिवम (72प्रतिशत), यश राज वर्मा (70.4) को साईकिल, घड़ी तथा प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के संकल्प क्रम में भागूखेड़ा में 65वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन कर लड़कियों को खेल के संसाधन उपलब्ध करवाये गए। इसके साथ ही गांव के नन्हे- मुन्हे नवनिहालों को डॉ. सिंह की ओर से कॉपी और पेन उपलब्ध कराए गए।

नगर निगम के 12 हजार कर्मी होंगे नियमित

आप का ऐलान

- पूर्व सीएम आतिशी ने कहा अपने वादा को पूरा करते हुए 25 फरवरी को होगा काम
- मेयर महेश खिंची ने कहा, केजरीवाल का मकसद है सभी कच्चे कर्मियों को पक्का करना

अस्थायी कर्मचारियों को पक्का करने को लेकर प्रेस वार्ता में पूर्व सीएम आतिश, मेयर महेश व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के ऐलान से दिल्ली नगर निगम में संविदा पर काम कर रहे हजारों कर्मचारियों की लंबित मांग पूरा हो सकती है। आम आदमी पार्टी शासित निगम ने एमसीडी के 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को एक साथ पक्का करने का फैसला लिया है। आगामी 25 फरवरी को आयोजित होने वाले एमसीडी के सदन में इन 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने पर मुहर लग जाएगी।

यह जानकारी देते हुए 'आप' की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने एमसीडी चुनाव में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में अब तक 'आप' की सरकार 4500 कच्चे सफाई कर्मियों को पक्का कर चुकी है। मुझे लगता है कि इस देश के इतिहास में आज तक किसी भी सरकार ने अपने एक निर्णय में एक साथ 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया होगा।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम आतिशी ने नेता दुर्गेश पाठक, एमसीडी मेयर महेश खिंची और सदन के नेता मुकेश गोयल के साथ रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर इस ऐतिहासिक फैसले की जानकारी दी। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस दिन से आम आदमी पार्टी बनी है, यह आम आदमी पार्टी का वादा रहा है कि अलग-अलग सरकारी विभागों में काम कर रहे कच्चे कर्मचारियों को हमारी सरकार पक्का करेगी। इसी के तहत पंजाब में हमारी सरकार लगातार संविदा पर काम कर रहे शिक्षकों को पक्का कर रही है। दिल्ली में एमसीडी के अंदर आम आदमी पार्टी की सरकार ने अभी तक 4500 सफाई कर्मचारियों को पक्का कर चुकी है। आतिशी ने कहा कि अब इस कड़ी में आम आदमी पार्टी की एमसीडी सरकार एक बहुत बड़ा निर्णय लिया है। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी है कि आगामी 25 फरवरी को आयोजित होने वाले एमसीडी के सदन में 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। एमसीडी के इतिहास का यह सबसे बड़ा निर्णय होगा, जहां एक बार में 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। इसमें सभी विभाग के कच्चे कर्मचारी शामिल हैं। जिसमे सफाई कर्मचारी, माली, बेलदार, टीचर्स, इंजीनियरिंग विभाग में संविदा पर काम कर रहे एई और जेई, मलेरिया की जांच करने वाले डॉमेस्टिक ब्रीडर्स इत्यादि शामिल हैं।

आतिशी ने कहा कि एमसीडी के इतिहास में 25 फरवरी एक बड़ा दिन होगा, जहां 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। इस दौरान एमसीडी मेयर महेश खिंची ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अब तक जो-जो वादे किए, सत्ता में आने के बाद उन सभी वादों को पूरा करके दिखाया। पिछले दो साल से दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार है। एमसीडी में हमने जो वादे किए थे, उसे पूरा करके दिखाया। पिछले दो साल में हमने करीब 4500 कर्मचारियों को पक्का किया है। अब आगामी 25 फरवरी को हम एमसीडी सदन में लगभग 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने जा रहे हैं। जिसमें अलग-अलग विभाग के माली, बेलदार, सफाई कर्मचारी शामिल है।

आप का नियमितकरण का दावा छलावा: भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह एवं प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा अस्थाई निगम कर्मी को या नियमित कर्मी सभी भलीभांति जानते हैं की आप नेता उनसे केवल छलावा करते हैं, कुछ माह पूर्व भी प्रतिपूरक कर्मियों के नियमितीकरण की घोषणा की गई थी पर आज तक उनको कोई लाभ नही मिला है। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम की 25 फरवरी की आम सदन बैठक में प्रिएमबल प्रस्ताव पारित कर 12 हजार कर्मियों का नियमितीकरण करेंगे जो निगम कर्मियों विशेषकर सफाईकर्मियों के साथ एक छलावा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गृहमंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। शाह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और जनकल्याण की नीतियों पर जो भरोसा दिखाया है, उसे अटूट रखते हुए मुख्यमंत्री के रूप में आपका यह कार्यकाल निश्चित ही दिल्ली को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा और जनता की सभी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

फ्लाईओवर से बाइक गिरी, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके में युवक की मोटरसाइकिल फ्लाईओवर से गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में उनके रिश्तेदार को गंभीर चोटें आईं। दोपहर 3:02 बजे गीता कॉलोनी फ्लाईओवर से एक मोटरसाइकिल के गिरने की पीसीआर कॉल मिली। स्थानीय लोगों ने दोनों घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल मिली। सरिता विहार निवासी सोनू (27) और उसके रिश्तेदार, जिसका नाम भी भागीरथी विहार से सोनू (30) है, को डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि 27 वर्षीय व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी के मुताबिक मेडिकल जांच में पुष्टि हुई कि दोनों शराब के नशे में थे। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दोनों मामा-भांजे थे।

विधानसभा सत्र से पहले भाजपा विधायकों की बैठक

- वीरेंद्र सचदेवा और विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार का एजेंडा विकसित दिल्ली सुनिश्चित करना है

विधानसभा में जीत दर्ज करने वाले भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा विधायक दल ने रविवार को एक बैठक में नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा के सोमवार से शुरू होने जा रहे पहले सत्र के लिए अपने एजेंडे पर चर्चा की।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में सदन की नेता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और पार्टी के विधायक शामिल हुए। भाजपा विधायकों को सत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं क्योंकि उनमें से कई पहली बार विधायक बने हैं। पार्टी विधायकों ने बताया कि बैठक में आने वाले दिनों में सरकार और पार्टी संगठन के साथ समन्वय पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि पार्टी भविष्य में इस उद्देश्य के लिए एक समन्वय समिति बना सकती है। भाजपा विधायक राज कुमार भाटिया ने कहा कि प्रदेश महासचिव (संगठन) पवन राणा ने विधायकों को सदन के लिए उनके संसदीय आचरण के बारे में जानकारी दी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गुप्ता के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा सरकार का एकमात्र एजेंडा विकसित दिल्ली सुनिश्चित करना और लोगों की पीड़ा और समस्याओं को दूर करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवगठित विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को नए सदस्यों के शपथ लेने के साथ शुरू होगा और उपराज्यपाल वीके सक्सेना प्रोटेम स्पीकर (अस्थाई अध्यक्ष) को शपथ दिलाएंगे। सदन द्वारा नया स्पीकर चुने जाने तक सत्र का संचालन करने के लिए भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है।

भाजपा ने विजेंद्र गुप्ता और मोहन सिंह बिष्ट को क्रमश: विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय सत्र की सबसे महत्वपूर्ण बात नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 14 रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखना है। गुप्ता ने कहा, पिछली सरकारों द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई के जो एक-एक रुपये का दुरुपयोग किया गया, उसका हिसाब लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार की प्रतिबद्धताएं बिल्कुल सच्ची हैं और उन्हें शत-प्रतिशत पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लोगों की सेवा करने के अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही है। मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के काम और दृष्टि को लोग पिछले एक दशक में देख चुके हैं। इससे पहले दिन में, आप विधायकों ने सर्वसम्मति से दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष चुना। आतिशी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर पहले ही कैग की रिपोर्ट सदन को भेज दी है। सचदेवा ने आरोप लगाया कि आप नेताओं को झूठ बोलने की आदत है और उन्होंने कहा कि आप सरकार के दौरान विधानसभा सत्र कभी स्थगित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आप के पास रिपोर्ट पेश करने के लिए पर्याप्त समय था, बजाय इसके कि वह अब यह दिखावा करे कि दिल्ली विधानसभा चुनावों के कारण रिपोर्ट पेश नहीं की जा सकी।

ऋतुराज झा के खिलाफ आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मार्च 2024 में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के आदेश की कथित अवहेलना करने के मामले में आम आदमी पार्टी आप के पूर्व विधायक ऋतुराज गोविंद झा और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने कहा कि यदि यह मान भी लिया जाए कि उन्होंने आदेश की अवहेलना की है तो भी ऐसी अवज्ञा से किसी को कोई बाधा, परेशानी या चोट नहीं पहुंची है। न्यायाधीश ने 21 फरवरी को पारित आदेश में कहा, अगर यह मान भी लिया जाए कि आरोपी व्यक्तियों ने एसीपी, अमन विहार के आदेश की अवहेलना की है तो ऐसा नहीं दिखाया गया है कि ऐसी अवज्ञा से कानूनी रूप से कार्यरत किसी भी व्यक्ति को बाधा, परेशानी या चोट का खतरा पैदा हुआ हो। झा ने पार्षद रवींद्र भारद्वाज और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ 24 मार्च, 2024 को आदर्श आचार संहिता लागू होने के दौरान विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री तथा प्रवर्तन निदेशालय का पुतला फूंकने की कोशिश की।

नारायणा में नड्डा के साथ सीएम रेखा गुप्ता ने सुनी मन की बात

- बूथ स्तर पर 5 हजार से अधिक छोटे बड़े कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री का संदेश

मन की बात सुनते भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व अन्य। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा द्वारा आज प्रदेश भर में बूथ स्तर पर आयोजित 5018 छोटे बड़े कार्यक्रमों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

इसी श्रृंखला में रविवार को नारायणा विहार में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बूथ स्तरीय कार्यक्रम में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। इस अवसर पर उनके साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद बांसुरी स्वाराज और विधायक उमंग बजाज के आलावा सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आरडब्ल्यूए नारायणा के पदाधिकारियो ने भी कार्यक्रम को सुना। इस मौके पर भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी, राष्ट्रीय मीडिया सह संयोजक संजय मयूख, प्रदेश मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल, करोलबाग जिला अध्यक्ष सुनील कक्कड़ भी उपस्थित थे। वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने विधायक हरीश खुराना के साथ कीर्ति नगर में मन की बात कार्यक्रम सुना।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की जिस प्रकार से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की सराहना की वह स्मरणीय है।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा की अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संस्कृति में बेटियों के सम्मान को सर्वोपरी बताया जो संस्कार निर्माण में एक बड़ी भूमिका निभाने का काम करती है।

संक्षिप्त समाचार

आभूषण मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित तीन दिवसीय आभूषण व गहनों के मेले के दूसरे दिन रविवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दिल्ली ज्वैलरी और जेम फेयर के आयोजक इंफोर्मा मार्केट्स इन इंडिया ने बताया, प्रगति मैदान, भारत मंडपम में तीन दिनों तक चलेगा। इस मेले में 1 लाख वर्ग फुट के क्षेत्र में 120 से अधिक प्रीमियम ज्वेलरी ब्रांड, 150 होस्टेड बायर्स और 8,000 से ज्यादा व्यापारिक विजिटर्स शामिल हुए हैं। इस अवसर पर इंफोर्मा मार्केट्स इन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, योगेश मुद्रास, जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, टीबीजेए के महासचिव अभिषेक अग्रवाल , जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, टीबीजे) के चेयरमैन नवीन कुमार जिंदल और रामअवतार वर्मा, टीबीजेए के महासचिव अभिषेक अग्रवाल मौजूद थे।

खंडेलवाल ने राष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन नीति की मांग की

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने राष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन नीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन की अपार आर्थिक संभावनाओं को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। अनुमान है कि इस महाकुंभ में 60 करोड़ श्रद्धालु पवित्र स्नान करेंगे, जिससे 3 लाख करोड़ से अधिक का व्यापार उत्पन्न होने की संभावना है। उन्होंने आगे बताया कि भारत अपनी विविध धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत के कारण हर साल करोड़ों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है। हालांकि, व्यापक नीति के अभाव में बुनियादी ढांचे, सुरक्षा, स्वच्छता और धार्मिक स्थलों के प्रबंधन से जुड़ी कई चुनौतियाँ सामने आती हैं। एक सुव्यवस्थित राष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन नीति इन समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक संरक्षण की क्षमता को भी साकार करेगी।

पुरस्कार वितरण के साथ उद्यान उत्सव का समापन

नई दिल्ली। दिल्ली पर्यटन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 37 वें उद्यान पर्यटन उत्सव का रविवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। उत्सव में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किए। पर्यटन उद्यान उत्सव का मुख्य आकर्षण 'खुशहाली और स्वास्थ बागवानी के साथ' पर आधारित था। उत्सव का उद्देश्य दिल्लीवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। बागवानी विभाग नर्सरी के अलावा व्यक्तिगत रूप से प्रतिभागी मिलकर अपने पौधों और पुष्पों का प्रदर्शन करके इस पर्यटन उद्यान उत्सव को सफल बनाया।

आईजीआई पर छह करोड़ का हार बरामद

- बैंकॉक से दिल्ली लाया जा रहा था, मामले में एक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बैंकॉक से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर पहुंचे एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर 6.08 करोड़ रुपए मूल्य का हीरा जड़ित सोने का हार बरामद किया गया। सीमा शुल्क अधिकारियों ने 12 फरवरी को बैंकॉक से यहां पहुंचे एक भारतीय यात्री के खिलाफ तस्करी का मामला दर्ज किया। दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सामान की विस्तृत जांच और यात्री की तलाशी लेने के बाद 40 ग्राम वजन का हार बरामद हुआ, जिसकी कीमत 6,08,97,329 रुपए (6.08 करोड़ रुपए) है। एक अन्य घटना में, सीमा शुल्क विभाग ने रविवार को बैंकॉक से दिल्ली हवाई अड्डा पहुंचे तीन यात्रियों के पास से बड़ी संख्या में दुर्लभ वन्यजीव बरामद किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खुफिया सूचना के आधार पर हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने रविवार देर रात 1:35 बजे बैंकॉक से दिल्ली पहुंचे तीन भारतीय यात्रियों को रोका और उनके सामान की जांच के दौरान दुर्लभ वन्यजीव बरामद किया।

दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बरामद वन्यजीवों के साथ यात्रियों को अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

सांसद बिधूड़ी ने तुगलकाबाद की मुख्य सड़क का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रविवार को तुगलकाबाद की नवनिर्मित माता मंदिर मेन रोड का उद्घाटन किया। इस सड़क के बनने से गांव के हजारों लोगों को लाभ होगा।

बिधूड़ी ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस रोड के निर्माण के लिए तीन करोड़ रुपए उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने बताया कि इस मेन रोड के साथ बाकी सभी सड़कों का भी निर्माण कराया जा रहा है। तुगलकाबाद गांव की इन सभी सड़कों के निर्माण पर 13 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बिधूड़ी ने गांववासियों की ओर से उपराज्यपाल का धन्यवाद भी किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के सेंट्रल जोन की चेयरमैन एवं निगम पार्षद सुगंधा सचिन बिधूड़ी और मनोनीत निगम पार्षद रोहतास कुमार बिधूड़ी भी सैकड़ों गांववासियों के साथ उपस्थित रहे।

मेट्रो ने सबसे ऊंचे प्वाइंट का निर्माण कर बनाया रिकॉर्ड

- हैदरपुर बादली मोड़ के पास हुआ निर्माण, इससे पहले धौला कुआं पर हुआ था कार्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर अब तक के सबसे ऊंचे प्वाइंट का निर्माण कार्य पूरा करके, मेट्रो फेज-4 मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन (जनकपुरी पश्चिम - आरके आश्रम मार्ग) कॉरिडोर में इंजीनियरिंग क्षेत्र की एक नई उपलब्धि हासिल की है।

आउटर रिंग रोड के पास 490 मी. लंबा सेक्शन येलो लाइन (समयपुर बादली - मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम) के हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के खंबा नंबर 340 पर 28.362 मी. की प्रभावशाली रेल लेवल ऊंचाई को पार करते हुए अब डीएमआरसी नेटवर्क का सबसे ऊंचा प्वाइंट बन गया है। इसने योजना की पिंक लाइन के धौला कुआंपर बने 23.6 मी. ऊंचाई के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रमुख निर्माण कार्यों, जैसे ढांच को मजबूती से स्थापित करना, खंबों की ढलाई और पूर्व-निर्मित कॉम्पोनेंट को स्थापित करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता थी।

परियोजना के एक महत्वपूर्ण कार्य के रूप में मौजूदा परिचालित येलो लाइन के ऊपर स्टील स्पैन का निर्माण किया जाना था। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और निर्माण कार्यों में व्यवधान न पड़े, इसके लिए इंजीनियरों ने चरणबद्ध तरीके से कार्य को पूरा किया। खंबों का निर्माण तीन चरणों में किया गया, जिसमें श्रमिकों की सुरक्षा और कार्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए।

दूसरा सबसे ऊंचा एलिवेटेड स्ट्रेच भी पूरा हुआ

डीएमआरसी ने हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास रेलवे क्रॉसिंग पर 52.288 मी. लंबे स्टील स्पैन का चुनौतीपूर्ण निर्माण कार्य भी पूरा किया, जो 27.610 मी. की प्रभावशाली ऊंचाई पर है। दिल्ली मेट्रो में इस दूसरे सबसे ऊंचे स्थान पर मेट्रो वायडक्ट और चालू रेलवे ट्रैक के बीच स्थान की कमी के कारण भी सटीक रूप से कार्य करने की आवश्यकता थी। ओवरहेड इलेक्ट्रिकल वायर से बहुत कम दूरी बनाए रखकर, दो भारी-भरकम क्रेनों के उपयोग से वायाडक्ट का इंस्टालेशन किया गया, सटीकता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक क्रेन द्वारा 142-मीट्रिक-टन सेगमेंट के स्टील गर्डर उठाए गए।

कम बाधा के लिए रात्रि में हुआ निर्माण

मेट्रो और रेल सेवाओं में न्यूनतम व्यवधान हो, इसलिए रात्रि के समय संचालन अवधि के बाद के समय में निर्माण की योजना बनाई गई थी। इससे यात्री सेवाएं नियमित रूप से जारी रख पाना संभव हो सका। एक बार लाइन चालू होने के बाद मेट्रो फेज़-4 की मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन से कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा और यात्रियों के लिए यात्रा का समय भी कम होगा।

नीरज बवाना गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नीरज बवाना गिरोह के एक संदिग्ध सहयोगी को हरि नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान 28 वर्षीय दीपक शर्मा के रूप में हुई है, जिसे शस्त्र अधिनियम के एक मामले में भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि शर्मा हरि नगर में छिपा हुआ है और अपने एक साथी से मिलने वाला है।

उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे 20 फरवरी को गिरफ्तार कर लिया। शर्मा का आपराधिक इतिहास रहा है और वह नीरज बवाना गिरोह के मुख्य सदस्य राकेश उर्फ सनी का करीबी सहयोगी है। उन्होंने बताया कि शर्मा के खिलाफ द्वारका के कई पुलिस थानों में शस्त्र अधिनियम के तहत सात मामले दर्ज हैं।

भाजपा नेताओं के नेतृत्व में सुनी गई पीएम मोदी के मन की बात

- नारी शक्ति को समर्पित होगी महिला दिवस पर की जाने वाली पहल
- देशवासियों के साथ अपने कार्य व अनुभव साझा करेंगी विविध क्षेत्रों में उपलब्धि पाने वाली महिलाएं

संवाददाता। सोनभद्र

देश के प्रधानमंत्री के मन की बात सोनभद्र नगर के बूथ संख्या 21 पर भाजपा के अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में व वार्ड नंबर 8 पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी के नेतृत्व में सुनी गई, जिसमें पीएम मोदी ने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स और इंस्टाग्राम के अकाउंट देश की कुछ प्रेरणास्त्रोत महिलाओं को एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं।

ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, नवाचार किया है, अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को वो अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अधिक वजन या मोटापा कई प्रकार की बीमारियों का कारण बनता है।

हम सभी मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों की मदद से इस चुनौती से निपट सकते हैं। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा और बॉक्सिंग चैंपियन निखत ज़रीन का उदाहरण देते हुए कहा कि इन लोगों ने भी दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाते हुए मोटापे की समस्या पर काबू पाकर मिसाल पेश की है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहाकि हमारी स्पेस यात्रा की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम-कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन हमारे वैज्ञानिक, विजय प्राप्त करते हुए, आगे बढ़ते ही गए। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलताओं की सूची काफी लंबी होती चली गई। बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 सैटेलाइट्स लॉन्च की गई हैं और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी सैटेलाइट्स शामिल हैं।

एनसीएल के मुख्यालय में किया गया अभ्युदय मेले का आयोजन

सोनभद्र। एनसीएल मुख्यालय के सिंगरौली स्टेडियम में अभ्युदय मेला का आयोजन किया गया। मेले में अलग-अलग विषय पर 70 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे। एनसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बी.साईराम एवं सिंगरौली जिले के कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एनसीएल के निदेशक ने विविधताओं से परिपूर्ण एक-एक स्टॉल्स का भ्रमण कर स्टॉल संचालकों से रूबरू हुए और उनके प्रयासों को सराहा। मेले का खास आकर्षण एनसीएल की विभिन्न महिला समितियों के द्वारा प्रदर्शित विभिन्न वस्तुएं जैसे जूट से निर्मित विभिन्न उपयोगी वस्तुएं कपड़े आचार मुरब्बा प्राथमिक उपचार प्रदर्शनी लिप्पन क्राफ्ट्स बैग्स वेस्ट से बेस्ट के तहत निर्मित समान एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं रहीं।

भारत सरकार के वोकल फार लोकल की भावना का भी मेला साक्षी बना। मेले में सिंगरौली एवं आस-पास के क्षेत्र के विभिन्न उद्योगों ने अपने स्टॉल्स लगाए जिसमें गौ उत्पाद हस्तशिल्प बांस कला और शिल्प एनसीएल सीएसआर के तहत संचालित सैनिटरी नैपकिंस उत्पादन केंद्र द्वारा निर्मित नैपकिंस अहिल्या बाई स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित हस्तशिल्प वस्तुएं बनारसी साड़ियां एवं अन्य घरेलू प्रयोग की वस्तुए विशेष रूप से आकर्षण की केंद्र रहीं।

अपना दल एस पार्टी ने धूमधाम से मनाई संत गाडगे महाराज की 149वीं जयंती

संवाददाता। मीरज़ापुर

अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष ई0 राम लौटन बिंद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सांसद जनसंपर्क कार्यालय स्थित पटेल चौक (भरुहना) में महापुरुष संत गाडगे महाराज की 149वीं जयंती दिवस मनाया गया। जयंती दिवस के इस पुनीत अवसर पर अपना दल (एस) के राष्ट्रीय सचिव किसान मंच रमाकांत सिंह व राष्ट्रीय सचिव चिकित्सा मंच डॉक्टर शिवपूजन पटेल ने संत गाडगे महाराज जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर शत-शत नमन किया।

इस दौरान जिला अध्यक्ष श्री बिंद ने धोबी समाज के वरिष्ठ नेता व प्रदेश सचिव अनुसूचित मंच ज्ञानचंद कनौजिया को शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और कहा कि आज माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में अपना दल एस के कार्यकर्ता द्वारा महापुरुष संत गाडगे बाबा जी की जयंती मनाई जा रही है। जिला अध्यक्ष श्री बिंद ने बताया कि संत गाडगे बाबा का जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के शेणगांव अंजनगांव में हुआ था। उन्होंने महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया। यह सब उन्होंने भीख मांग-मांगकर बनावाया किंतु अपने सारे जीवन में इस महापुरुष ने अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने धर्मशालाओं के बरामदे या आसपास के किसी वृक्ष के नीचे ही अपनी सारी जिंदगी बिता दी। उसे समय के आचार्याओं ने ठीक ही बताया है कि एक लकड़ी, फटी-पुरानी चादर और मिट्टी का एक बर्तन जो खाने-पीने और कीर्तन के समय ढपली का काम करता था, यही उनकी संपत्ति थी। इसी से उन्हें महाराष्ट्र के भिन्न-भिन्न भागों में कहीं मिट्टी के बर्तन वाले गाडगे बाबा व कहीं चीथड़े-गोदड़े वाले बाबा के नाम से पुकारा जाता था।

जन जन तक पहुंचाएं कुंभ अध्ययन कार्यक्रमः प्रो संजय सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महाकुंभ नगर के सेक्टर सात में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो संजय सिंह ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सराहना की। साथ ही इस कार्यक्रम को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के दूरदर्शी कुलपति प्रो सत्यकाम के प्रयासों की सराहना की। इससे पूर्व शिविर में पहुंचने पर नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने प्रो संजय सिंह एवं विश्वविद्यालय से आए हुए अन्य अतिथियों का स्वागत किया। डॉ भदौरिया ने प्रो सिंह को कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रो संजय सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के शिविर में आकर काफी प्रसन्न हुए। उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि 2002 से 2005 तक जब उनके पिता प्रो डी पी सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति थे तब गंगा किनारे इस शिविर में आने का अवसर मिला था।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मुक्त विश्वविद्यालय आज भी संगम क्षेत्र में शिविर लगाकर सामाजिक जन जागरूकता के कार्य को बखूबी निभा रहा है।

एडीएम व एसडीएम के आश्वासन पर नवोदय विद्यालय के छात्रों ने तोड़ी भूख हड़ताल

संवाददाता। मड़िहान, पटेहरा, मीरजापुर

जवाहर नवोदय विद्यालय में रविवार को दो बजे तक सैकड़ों बच्चों ने साथी के पिटाई के साथ विद्यालय से भगाए जाने का प्राचार्य पर आरोप लगाते हुए घंटो हास्टल बंद कर बबाल काटा। नवोदय में शनिवार शाम को कक्षा 11 के ओम मिश्रा दिव्यांग को फटकार लगा कर विद्यालय से भगाए जाने पर उसके साथी अन्य कक्षा 9,10 व 11 के लगभग दो सौ बच्चे ब्लाक छात्रावास द्वितीय अरावली और नीलगिरी के छात्रों ने रविवार को हास्टल के मुख्य गेट में ताला बंद कर डीएम को बुलाने पर अड़ गए और नाश्ता,खाना सब बंद कर दिए।

बच्चों का रवैया देख विद्यालय के प्राचार्य डाक्टर एसपी त्रिपाठी ने एसडीएम मड़िहान सौम्या मिश्रा के साथ पुलिस प्रशासन को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची एसडीएम मड़िहान के साथ पुलिस के समझाने पर भी बच्चे ताला नहीं खोले फिर एसडीएम की सूचना पर जिलाधिकारी का प्रतिनिधित्व करने एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला एसडीएम के साथ अरावली ,नीलगिरी हास्टल का ताला खोलवा कर वार्ता करने पहुंचे तो बच्चो ने केवल दो अधिकारियों को हास्टल के अंदर आने पर वार्ता करने को तैयार हुए। छात्रों ने छह विन्दुओं की शिकायत एडीएम को जिलाधिकारी के नाम पत्रक सौपते हुए जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग की। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य डाक्टर एसपी त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार शाम 4 बजे कक्षा 11 की कुछ छात्राओं ने भावुक होकर बताया कि कक्षा 11 का दिव्यांग ओम मिश्रा हम छात्राओं को बराबर कटाक्ष कर बेइज्जत करता है विद्यालय में आने जाने पर गंदी हरकत करता है इस शिकायत पर आरोपित ओम मिश्रा पुरजागिर को बुला कर डाट फटकार लगाते हुए उसके अभिभावक को सूचित करते हुए एक सप्ताह के लिए विद्यालय से घर जाने हेतु छोड़ दिया गया जिसके वजह से उसके साथ के अन्य छात्र अपनी गलती छिपाने के लिए अनाप सनाप प्रवंचन कर हास्टल के मुख्य गेट का ताला बंद कर भूख हड़ताल जैसी क्रिया पर उतर गए। जिसकी सूचना एसडीएम मड़िहान व पुलिस प्रशासन को दिया था। विद्यालय में एडीएम और एसडीएम वार्ता के बाद स्थिति सामान्य है। इस संबंध में जिलाधिकारी के प्रतिनिधित्व करने पहुंचे एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने बताया कि दो हास्टल के हड़ताली बच्चो ने छह बिंदुओ की शिकायत कर समस्या के निदान हेतु पत्रक दिया है विद्यालय के स्टाफ से मीटिंग की गई है सभी बिंदुओं की जांच कर विद्यालय में अमन चैन कायम रखा जायेगा।

शानदार रहा महाकुम्भ का आयोजनः महंत राजेंद्र दास

महाकुंभ नगर। महाकुंभ मेला में निर्मोही अनी अखाड़ा के महंत राजेंद्र दास संत महंतों से मिलकर उनके साथ सत्संग करते हुए शिष्यों को आशीर्वाद दे रहे हैं। महंत राजेंद्र दास महाराज ने महाकुंभ के भव्य दिव्य और सफल आयोजन के लिए पीएम नरेंद्र मोदी सीएम योगी आदित्यनाथ और महाकुंभ मेला प्रशासन पुलिस के अफसरों को बधाई देते हुए कहा कि महाकुंभ का शानदार आयोजन था देश विदेश के करोड़ों लोगों ने गंगा संगम में दिन रात स्नान कर अक्षय पुण्य लाभ अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान से पूर्व करोड़ों लोगों का प्रयागराज आने का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह आज भी जारी है।

अंबेडकर नगर विकास एवं विरासत महोत्सव- 2025 के क्रम में डॉग शो का हुआ आयोजन

अंबेडकर नगर। अंबेडकर नगर विकास एवं विरासत महोत्सव 2025 के क्रम में डॉग शो का आयोजन जिलाधिकारी अविनाश सिंह के मार्ग निर्देशन में जनपद में प्रथम बार पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सपत्नीक मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा किया गया। डॉग शो कार्यक्रम का पंजीकरण निशुल्क किया गया तथा श्वानों का निशुल्क रेबीज टीकाकरण भी किया गया। डॉग शो कार्यक्रम प्रातः 9:00 बजे से 12:00 तक चला। कार्यक्रम में कुल 52 डॉग्स, जो विभिन्न नस्लों जैसे जर्मन शेफर्ड, लेब्राडोर , सीत्जू, डच हाउंड, रॉट व्हीलर, बॉक्सर, बेल्जियम शेफर्ड, पामेरियन, पग, सेंट बनार्ड, लासा आप्सो,अमेरिकन अफीता, रामपु हाउंड, स्पिटज(ह्यश्चद्बह्ल5) कुल 14 नस्ल के स्वानों ने भाग लिया। प्रत्येक नस्ल में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार (ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र के साथ गिफ्ट हैंपर) दिया गया। प्रत्येक नस्ल में तीन पुरस्कार वेस्ट इन ब्रीड, फस्ट इन सरअप, सेकंड सरअप दिया गया। तथा अंत में सभी नस्लों में से सर्वोत्तम डॉग का पुरस्कार मुख्य अतिथि जिलाधिकारी के कर कमल द्वारा प्रदान किया गया। इसी के साथ ही प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक स्वान को प्रतिभाग प्रमाण पत्र दिया गया।

स्वान प्रदर्शनी में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता एवं उप जिलाधिकारी सदर, जलालपुर, परियोजना निदेशक, अपर जिला सूचना अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। *स्वान कार्यक्रम बेस्ट ऑफ शो का पुरस्कार बेल्जियम शेफर्ड नस्ल के स्वान को* मलिक मोहम्मद बैदुरहमान निवासी टांडा को मिला। कार्यक्रम में विभिन्न 8 दवा कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए एवं विभिन्न श्वानों को आवश्यकता की दवाएं निशुल्क प्रदान किया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अरविंद कुमार सिंह मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अंबेडकर नगर की देख रेख में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर डी.के. सिंह थे। कार्यक्रम के जज असलम एवं डॉक्टर संजय श्रीवास्तव गोरखपुर जनपद से आए थे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रविंद्र चक्रवर्ती द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष योगदान डॉक्टर राकेश वर्मा, डॉक्टर अरविंद यादव, डॉक्टर बद्री पाठक, डॉक्टर संजय कुमार पांडे, डॉक्टर पंकज यादव, डॉक्टर विपिन एवं जनपद के समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी, वेटनरी फार्मासिस्ट एवं सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीप जलाकर विरासत महोत्सव का शुभारम्भ

अंबेडकर नगर। मंडल आयुक्त गौरव दयाल, एमएलसी डॉक्टर हरिओम पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर आयुक्त, अपर जिला अधिकारी डॉक्टर सदानंद गुप्ता की उपस्थिति में अंबेडकर नगर विकास में विरासत महोत्सव का उद्घाटन दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया गया। इसके उपरांत उपरोक्त अतिथियों द्वारा गुब्बारे के गुच्छे को तथा कबूतर उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही जनपद के खेल प्रतिभा को ई स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महाकुंभ स्थित हिन्दुस्तानी एकेडमी के पांडाल में काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

संवाददाता। महाकुंभ नगर

हिन्दुस्तानी एकेडेमी उत्तर प्रदेश प्रयागराज के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार को त्रिवेणी मार्ग महाकुंभ क्षेत्र गंगा पंडाल के बगल में हिन्दुस्तानी एकेडेमी द्वारा लगाई गयी पुस्तक प्रदर्शनी पंडाल में किया गया। कवि सम्मेलन के प्रारंभ में रचनाकारों स्वागत एवं सम्मान हिन्दुस्तानी एकेडेमी प्रकाशन प्रभारी संतोष तिवारी ने मल्यार्पण एवं पुस्तक भेंट कर किया। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए डॉ श्लेष गौतम ने महाकुंभ पर अपनी रचना अजर हो गया है अमर हो गया है शहर तंबुओं का शहर हो गया है महाकुंभ की आस्थाओं में डूबा ये लाखों करोड़ों का घर हो गया है का काव्य पाठ किया।

कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए अभिजीत मिश्रा ने दुनिया के प्रश्नों के हल तो नहीं थे पर दुनिया के अधरों पे ताले पड़ आए थे। लखन जी देख देख रो रहे थे फूट फूट इतना कि नयनों में जाले पड़ आए थे।

पृथ्वी भी रो रही थी अग्नि भी रो रही थी चरणों में मानो जैसे भाले पड़ आए थे। सीता जी तो अग्नि में जली नहीं थी परंतु राम जी के हृदय में छाले पड़ आए थे के साथ साथ कई रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं में देश भक्ति के रस से सराबोर कर दिया।

देवेन्द्र राजभर ने चरणों में माँ गंगा बहती कंठों में वेदों का गान अखंड जोत सा जलता दिखे भारत का यह हिंदुस्तान। संस्कारों का मेला कुंभ इतिहास की अविरल धारा है युगों युगों से जलती आई यह आस्था की ज्वाला है के साथ साथ कई रचनाओं कवयित्री राधा शुक्ला ने हर तरफ भीड़ है हर तरफशोर है इस महाकुम्भ की बात ही और है। श्रद्धा के नाम पर दृश्य अद्भुत है यह प्रयाग का नाम आज चहुँ ओर है का काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में डॉ देवी प्रसाद तिवारी वैभव अवस्थी आयुष केशरवानी अमित कुमार सिंह रामखेलावन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ श्लेष गौतम प्रख्यात रचनाकार एवं संचालन डॉ अभिजीत मिश्रा रायबरेली ने किया।

महिला को आया अटैक आरपीएफ ने बचाई जान

चन्दौली। आरपीएफ कर्मियों ने उस समय एक महिला यात्री की जान बचाई जब महिला वेटिंग रूम के सामने अचानक गिर गयी। जब आरपीएफ कर्मियों की नजर पड़ी तो तत्काल उसे सहायता पहुचने के लिए दौड़ पड़े। मिली जानकारी के अनुसात डीडीयू जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर तीन के पास वेटिंग हॉल के सामने एक महिला की अचानक तबीयत खराब हो गई जिसे प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने अपने आरपीएफ कर्मियों के साथ स्टाफ द्वारा अटेंड किया गया। जिस पर उसके परिजनों द्वारा बताया गया कि इसकी सांस नहीं चल रही है इसे अटैक आया है। अतः स्थिति को भांपते हुए पाया गया कि उसका धड़कन पता नहीं चल रही थी। अतः उसे तुरंत सीपीआर दिया गया जिसके उपरांत वह होश में आई। मेडिकल टीम के आने बाद उक्त महिला यात्री सोनी कुमारी पुत्री किशोरी सिंह निवासी टांकुप्पा थाना गया, जिला गया बिहार को उनकी सलाह पर बेहतर इलाज हेतु एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

इस बार तीस दिन का होगा माघ मेला, तैयारियां प्रारम्भ

महाकुंभ नगर। महाकुंभ को बीतने में अभी तीन दिन शेष हैं लेकिन इस बार आस्था का श्रद्धालुओं पर ऐसा खुमार चढ़ा है कि अगले माघ मेला 2026 की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गईं। अगला माघ मेला 30 दिनों का होगा जो पौष पूर्णिमा तीन जनवरी 2026 से शुरू होकर एक फरवरी माघी पूर्णिमा तक चलेगा। इस दौरान पांच मुख्य स्नान पर्व पड़ेगा। जिसमें कल्पवास पूर्ण होगा। जगद्गुरु स्वामी रामसुभग दास महाराज बिनैका बाबा ने बताया कि माघ मेला 2026 का आयोजन 30 दिनों का होगा। पौष पूर्णिमा तीन जनवरी मकर संक्रांति 14 15 जनवरी मौनी अमावस्या 18 जनवरी 23 जनवरी को बसंत पंचमी और एक फरवरी को माघी पूर्णिमा का स्नान है। उन्होंने बताया कि महाकुंभ के भव्य आयोजन से श्रद्धालुओं का झुकाव आस्था की तरफ बढ़ा है क्योंकि महाकुम्भ के स्नान में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओ ने गंगा संगम में अक्षय पुण्य किया और 10 लाख कल्पवासियों ने एक माह तक संगम की रेती पर कल्पवास किया था। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में देश के कोने कोने से शिष्य माघ मेला में आने के लिए बोल रहे हैं उनके रहने की व्यवस्था शिविर में करवा रहा हूं। जगद्गुरु स्वामी रामसुभग दास बिनैका बाबा ने बताया कि माघ मेला 2026 में बड़ी संख्या में शिष्य सपरिवार शामिल होकर कल्पवास करेंगे और शिविर में रहेंगे।

नानाजी देशमुख की 15 वीं पुण्यतिथि पर होंगे आयोजन

- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे शिरकत
- अधिकारियों ने लिया गृहमंत्री के आगमन की तैयारियों का जायज़ा

संवाददाता। चित्रकूट

भारत रत्न नानाजी देशमुख के निर्वाण के 15 वर्ष पूर्ण होने पर उनकी 15 वीं पुण्यतिथि पर 25, 26, 27 फरवरी को दीनदयाल परिसर के लोहिया एवं विवेकानंद सभागार के चार अलग-अलग सभागार में राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित होगी। केंद्रीय गृहमंत्री के प्रस्तावित आगमन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए रविवार को यूपी-एमपी का प्रशासनिक अमले ने दीनदयाल परिसर पहुंचकर व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया।

रविवार को दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि नानाजी का जीवन और उनके कार्य हमेशा सबके लिए रहे हैं इसलिए उनकी 15 वीं पुण्यतिथि पर देश भर के कई विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी रहेगी। इसके अलावा देशभर से प्रमुख विषय विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया है।उन्होने बताया कि भारत रत्न नानजी देशमुख की पुण्यतिथि के अवसर पर 27 फरवरी को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के चित्रकूट आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

बताया कि नानाजी की पुण्यतिथि कार्यक्रमों के अन्तर्गत आधुनिक विज्ञान एवं स्थानीय स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण- जनजातीय समुदायों के सतत विकास का मार्ग, बुन्देलखण्ड एवं बघेलखण्ड क्षेत्र में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की संभावनाएं, ग्रामों के स्वावलंबन में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका, महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन हेतु ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के अवसर, औषधीय पौधों एवं सुरक्षित पेयजल की उत्तम स्वास्थ्य में भूमिका विषय पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के विद्युत जनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इसके अलावा बिरसामुण्डा सार्धशती जयंती, वीरांगना दुर्गावती पंचशती जयंती एवं पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती वर्ष अवसर पर अनुसूचित जनजाति वर्ग सम्मान समारोह का आयोजन होगा, जिसमें समाजोपयोगी नवाचर एवं उत्कृष्ट कार्य के क्षेत्र में जनजातीय क्षेत्र के लोगों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पूज्य संत मोरारी बापू के मुख्य आतिथ्य में 27 फरवरी को रामदर्शन पुनरुद्धार एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

वहीं केंद्रीय गृहमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर चित्रकूट और सतना, रीवा का प्रशासनिक अमला एलर्ट हो गया है। दोनों प्रांतों के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने दीनदयाल शोध संस्थान के दीनदयाल परिसर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल विवेकानन्द सभागार और लोहिया भवन का अवलोकन कर व्यवस्था की दृष्टि से बैठक करके संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर कमिश्नर रीवा बीएस जामोद, आईजी रीवा साकेत पांडेय, कलेक्टर सतना डॉ सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता, चित्रकूट डीएम-एसपी व अन्य कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉबिन हुड आर्मी ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

मीरज़ापुर। मंडलीय अस्पताल के सरकारी रक्तकेंद्र में रक्त की कमी को देखते हुए रॉबिन हुड आर्मी द्वारा आकस्मिक रूप से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 7 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीयन कराया तथा नियमित जांच के उपरांत 5 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालो में उत्सव वाटिका के मालिक विभुम गुप्ता, एडवोकेट प्रशान्त त्रिपाठी, प्रदुम्न उमर, आशुतोष अग्रवाल एवं स्वतंत्र सिंह सम्मिलित रहे। शिविर में उपस्थित रोबिन हुड आर्मी के कोर्डिनेटर अभिषेक साहु ने बताया कि रक्त की कमी से किसी की जान न जाय, ये हमारा हमेशा प्रयास रहेगा और रक्तकेंद्र में रक्त की कमी को देखते हुए ही ये शिविर लगाई गई है। जेएमजे-एक अपील के संयोजक शिव कुमार शुक्ल ने कहा रक्तदान महादान है, रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं होता और इसीलिए हम एक मुहिम जिंदगी बचाने के अंतर्गत रक्तदान जैसे पवित्र कार्य से जुड़े हुए हैं। वरिष्ठ पत्रकार नितिन अवस्थी ने रक्तदान से जुड़े लाभों को इंगित करते हुए रक्तदान को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

चित्रकूट की जीवनदायिनी मंदाकिनी को कल्कि से साफ करेंगे महाराष्ट्र के अजीत परब

संवाददाता। चित्रकूट

धर्मनगरी चित्रकूट की जीवनदायिनी कही जाने वाली मन्दाकिनी नदी की सफाई के लिए महाराष्ट्र के पुणे के रहने वाले अजीत कुमार परब ने प्रकृति के पेड़ पौधों से एक अनोखा द्रव बनाया है। जिससे नदियों के पूर्णता सफाई का दावा कर रहे हैं जिन्होंने महाराष्ट्र में पुणे के राम नदी में इस अनोखे द्रव कल्कि को डालकर उसकी सफाई करने का दावा किया है जो अब इसी द्रव से चित्रकूट के मन्दाकिनी नदी को साफकरने के लिए समाज सेवियों और साधु-संतों की मदद लें रहे है। जिसके चलते उन्होंने मन्दाकिनी नदी के उद्गम स्थल सती अनुसूईया में इस द्रव को डालकर नदी के सफाई के लिए पहल की शुरुवात की है।

इस मौके पर समाजसेवी के साथ कामदगिरि प्रमुख द्वार के महंत मदन गोपालदास महाराज मौजूद रहे है। जिन्होंने द्रव तैयार करने वाले अजीत कुमार परब को सम्मानित करते हुए उनकी इस पहल की शुरुआत की है। महंत मदन गोपालदास महाराज का कहना है कि अजीत परब जो दावा कर रहे हैं अगर यह सही हुआ तो मन्दाकिनी नदी पूरी तरह साफ हो जाएगी। अभी सती अनुसुइया घाट पर इसका एक्सपेरिमेंट किया गया है अगर यह सफल रहा तो आगे सरकार स्तर पर इसका प्रस्ताव रखकर नदी को साफ कराने के लिए पहल की जाएगी।

द्रव बनाने वाले अजीत परब का कहना है कि यह द्रव प्रकृति से तैयार किया गया है जो गूलर का पेड़, पीपल, बरगद, नीम, महुआ और पलास के फलों से कई विधियों से तैयार कर यह द्रव बनाया गया है। मानव द्वारा निर्मित जो भी चीजें है जो प्रकृति में डीकंपोज नहीं होती है उन्हें इस द्रव या विधि द्वारा नदी में डालकर डीकंपोज कर मिट्टी में परिवर्तन किया जा सकता है जिसके बाद नदी का पानी शुद्ध हो जाता है जो गंध रहती है वह समाप्त हो जाति है जो मच्छर रहते है वह खत्म हो जाते है। पानी बिलकुल शुद्ध हो जाता है। सबसे पहले उन्होंने पुणे के राम नदी में इसका एक्सपेरिमेंट किया था जो राम नदी बिल्कुल शुद्ध और साफहो गई है इसके बाद अब वह चित्रकूट में तीन जगह पर इसका एक्सपेरिमेंट किया है जिसके बाद अब वह समाजसेवी व साहित्यकार डॉ0 मनोज द्विवेदी के नेतृत्व पर मंदाकिनी नदी की सती अनसुईया घाट पर इस द्रव का उपयोग कर नदी को साफ करने का प्रयास कर रहे हैं। इस द्रव को बनाने में खाफी खर्चा आता है जो उन्होंने अपने निजी खर्च से इस द्रव को पुणे में तैयार किया है और वहाँ से चित्रकूट लाकर इस द्रव को एक्सपेरिमेंट के तौर पर यहाँ उपयोग किया है। अगर लोगों को विश्वास होता है कि यह एक्सपेरिमेंट सफल है तो इस पर वह सरकार से अपना प्रस्ताव रखकर लाइसेंस लेने के बाद नदियों की सफाई में इस द्रव का प्रयोग किया जाएगा।

ट्रंप के शांति प्रयास

प्रभाव अनिश्चित

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन में लंबे समय से जारी युद्ध समाप्त कराने के प्रयास कर रहे हैं, पर उनके तरीकों की प्रभावशीलता अनिश्चित बनी हुई है। यूक्रेन में युद्ध तीसरे साल में प्रवेश कर गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शांति स्थापना के प्रयास कर रहे हैं। लेकिन उनका दृष्टिकोण विवादास्पद है क्योंकि वे प्रमुख वार्ताओं में यूक्रेन को हाशिए पर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि रूस ने अभी यूक्रेन के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर रखा है, इसलिए इस पहल से यूरोप और उससे आगे भू-राजनीति नया स्वरूप ले सकती है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण सवाल बना हुआ है कि ट्रंप नीत शांति प्रयास का क्या नतीजा निकल सकता है? क्या इससे यूक्रेन की संप्रभुता प्रभावित होगी? और इसकी प्रतिक्रिया में यूक्रेन तथा यूरोप के समक्ष क्या विकल्प होंगे? यदि यूक्रेन को इन वार्ताओं में हाशिए पर धकेला जाता है तो उसे ऐसा समझौता स्वीकार करने पर मजबूर किया जा सकता है जिसमें रूस को क्षेत्र संबंधी लाभ हो, जबकि इसका अर्थ आक्रमण को पुरस्कृत करना होगा। रूस के लिए यह नतीजा रणनीतिक विजय होगा। इससे उसे यूक्रेन के लगभग पांचवें हिस्से पर नियंत्रण का अधिकार होगा जिसमें वह क्षेत्र भी शामिल है जिस पर अभी उसका पूर्ण नियंत्रण नहीं है। यूक्रेन की पूर्ण सहभागिता और दिलचस्पी के बिना शांति समझौते के गंभीर प्रभाव होंगे। यूक्रेन सरकार ने लगातार कहा है कि किसी समझौते में 1991 की सीमा बहाल करने तथा आक्रमण के दौरान

युद्ध अपराधों की जवाबदेही निर्धारित होनी चाहिए। लेकिन ट्रंप द्वारा कराई संधि में कीव पर दबाव डाल कर उसे युद्ध समाप्त होने के बदले अपनी संप्रभुता से समझौते को मजबूर किया जा सकता है।

यूरोप के लिए भी यह परिदृश्य समान रूप से परेशानी भरा है। यदि रूस को युद्ध से क्षेत्र संबंधी लाभ होता है तो उसे नाटो के पूर्वी क्षेत्र पर और हमले की हिम्मत मिलेगी। क्रेमलिन का व्यापक लक्ष्य हमेशा सोवियत संघ के विघटन का रणनीतिक प्रभाव उलटना तथा पूर्वी यूरोपीय देशों की संप्रभुता सीमित करना रहा है। कमजोर यूक्रेन अपने प्रतिरोध का बोझ पूरी तरह नाटो के कंधों पर डाल देगा जिससे रूसी विस्तार को रोकने के लिए उसके सैनिक निवेश तथा प्रतिबद्धता में व्यापक वृद्धि होगी। ऐसे में ट्रंप के पहल की प्रभावशीलता अत्यधिक अनिश्चित है। हालांकि, युद्धविराम से तत्काल रक्तपात थम जाएगा, पर निश्चित रूप से इससे स्थायित्व आना जरूरी नहीं है। यदि यूक्रेन को शांति पर मजबूर किया गया तो प्रतिरोधी आंदोलन खड़े हो सकते हैं जिनसे निश्चित रूप से स्थायित्व को नुकसान होगा तथा लंबे समय तक कम तीव्रता वाला टकराव जारी रहेगा। इसके साथ ही कमजोर यूक्रेन के प्रभाव यूरोप से आगे जाएंगे। विजेता रूस चीन को ताइवान के प्रति ज्यादा आक्रामक दृष्टिकोण अपनाने को प्रेरित कर सकता है क्योंकि उसे विश्वास हो जाएगा कि पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय कानून को लागू कराने की प्रतिबद्धता में कमी आ गई है। यूक्रेन युद्ध रोकने की ट्रंप की पहल टकराव में एक परिवर्तनकारी मोड़ होगी, पर इसके तरीके से ही इसका प्रभाव तय होगा। यदि यूक्रेन को हाशिए पर धकेल दिया जाता है तथा क्षेत्र संबंधी रियायतें देने पर मजबूर किया जाता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। इसका प्रभाव न केवल कीव पर, बल्कि पूरे यूरोप के सुरक्षा ढांचे पर पड़ेगा। हालांकि, शांति समझौते से अस्थाई राहत मिलेगी, पर यूक्रेन की संप्रभुता को संबोधित करने में विफल समझौता रूस की हिम्मत बढ़ा सकता है। इससे वैश्विक शक्ति संतुलन इस प्रकार बदलेगा जिसका असर आने वाले दशकों में अनुभव होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के प्रयास से पैदा विकल्प आने वाले महीनों में यूक्रेन, यूरोप और सारी दुनिया की सुरक्षा को परिभाषित करेंगे।

दिल्ली की भूकंपीय संवेदनशीलता

हाल ही में दिल्ली-एनसीआर को झकझोर देने वाले 4.0 पैमाने के भूकंप ने दिल्ली में खतरनाक भूकंपीय जोखिम उजागर किया है क्योंकि वह सक्रिय फाल्ट लाइन पर स्थित है।

सतेंद्र सिंह
(लेखक, आपदा प्रबंधन से संबंधित हैं)

17 फरवरी, 2025 को तड़के दिल्ली-एनसीआर निवासियों की नींद एक भूकंपीय झटके से खुली। 4.0 तीव्रता वाले एक भूकंप ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था जिसका केन्द्र दिल्ली के धौलाकुंआ के निकट था। इससे शहर तथा पड़ोसी एनसीआर में भूकंपीय तरंगे फैलीं। हालांकि, यह भूकंप तुलनात्मक रूप से हल्का था, पर इसका असर ज्यादा अनुभव हुआ क्योंकि यह कम गहराई पर हुआ था और इससे बड़े भूकंपों से व्यापक भय गहरा हो गया। लोगों ने जल्दी से अपने घरों और इमारतों को छोड़ा और सोशल मीडिया चिन्ताओं से भरा रहा। यह घटना एक और चेतावनी के रूप में सामने आई कि दिल्ली खतरनाक रूप से भूकंपीय जोखिम का सामना कर रहा है जिसका कारण भूकंपीय गतिविधियां हैं।

दिल्ली खतरनाक रूप से कई सक्रिय फाल्ट लाइनों पर स्थित है जिनमें दिल्ली-हरिद्वार रिज तथा महेंद्रगढ़-देहरादून फाल्ट शामिल हैं। यह शहर भूकंपीय जोन-4 में आता है जिसे भूकंपों के लिए अत्यधिक जोखिम वाला माना जाता है। वैश्विक स्तर पर भूकंपीय रूप से एक सर्वाधिक सक्रिय क्षेत्र हिमालय से इसकी निकटता इसका जोखिम और बढ़ा देती है।

भूवैज्ञानिकों के अनुसार भारतीय प्लेट लगातार यूरेशियन प्लेट के नीचे धक्का दे रही है। यह प्रति वर्ष 47 मिमी. है जिससे काफी भूमिगत तनाव पैदा होता है। इस तनाव के मुक्त होने का नतीजा भूकंपों के रूप में सामने आता है जो हल्के से लेकर विनाशकारी तक हो सकते हैं। इतिहास ने भूकंपों का संभावित विनाश दिखाया है। 2001 में गुजरात के भुज में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसके परिणामस्वरूप 20,000 लोग हताहत हुए थे तथा पूरा कस्बा खंडहर हो गया था।

यदि ऐसा ही भूकंप दिल्ली-एनसीआर में आ जाए तो इसके परिणाम ज्यादा विनाशकारी होंगे। वैश्विक भूकंपीय अध्ययनों के आधार पर बनाए 'साइम्यूलेशनों' में यूएसजीएस पेजर सिस्टम तथा जेम ग्लोबल सिस्मिक रिस्क मैप शामिल हैं। इनसे संकेत मिलता है कि दिल्ली में 7.7 तीव्रता वाले भूकंप से 1,50,000 से लेकर 2,50,000 तक लोग मर सकते हैं। घनी जनसंख्या, पुरानी ढांचागत संरचनाओं तथा अनियोजित शहरीकरण के कारण राजधानी खासकर व्यापक विनाश का खतरा झेल रही है। ऐसे में शहर के समक्ष मुख्य चिन्ता निर्माणों की गुणवत्ता होनी चाहिए। खासकर पुराने क्षेत्रों और अनाधिकृत बस्तियों में अनेक इमारतें बड़े भूकंप झेलने के लिए नहीं तैयार की गई हैं।

भूवैज्ञानिकों के अनुसार भारतीय प्लेट लगातार यूरेशियन प्लेट के नीचे धक्का दे रही है। यह प्रति वर्ष 47 मिमी. है जिससे काफी भूमिगत तनाव पैदा होता है। इस तनाव के मुक्त होने का नतीजा भूकंपों के रूप में सामने आता है जो हल्के से लेकर विनाशकारी तक हो सकते हैं। इतिहास ने भूकंपों का संभावित विनाश दिखाया है। 2001 में गुजरात के भुज में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

हालांकि, नेशनल बिल्डिंग कोड तथा ब्यूरो आफइंडियन स्टैंडर्डस-बीआईएस ने कठोर मानक निर्धारित किए हैं, पर अक्सर इनका समुचित क्रियान्वयन नहीं होता है। ऊंची इमारतें तथा यहां तक कि क्षेत्र में कुछ सरकारी सुविधायें भी आवश्यक रिट्रोफिटिंग से वंचित हैं जिससे उनकी भूकंपीय प्रतिरोध क्षमता मजबूत हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में 30 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, अत: भूकंप के कारण इतना व्यापक विनाश हो सकता है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि इससे बचने के क्या कदम उठाए जाने की जरूरत है?

सभी असुरक्षित इमारतों को गिराना तथा उनको भूकंप-प्रतिरोधी तकनीक से लैस कर पुनर्निर्माण व्यावहारिक या आर्थिक रूप से संभव नहीं है। लेकिन भूकंप जोखिमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के गंभीर प्रयास किए जा सकते हैं। इससे लोग दिल्ली में संभावित भूकंप के लिए तैयार हो जाएंगे। सबसे पहले और सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से जागरूकता पैदा करना तथा तैयारी सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रत्येक परिवार के पास एक सुपरिभाषित भूकंप बचाव योजना होनी चाहिए। स्कूलों और कार्यस्थलों में नियमित रूप से भूकंप-ड्रिल होनी चाहिए ताकि लोगों को भूकंपीय झटकों के दौरान समुचित प्रतिक्रिया हेतु तैयार किया जा सके। भारी फर्नीचर को फिक्स करने, घरों में सुरक्षित क्षेत्रों की पहचान करने तथा आपातकालीन किट तैयार रखने जैसे सरल कामों से सुरक्षा में व्यापक सुधार किया जा सकता है। सरकार को भी इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

इमारतों का एक ढांचागत आडिट होना चाहिए। इनमें खासकर आधुनिक भूकंपीय मानक बनने से पहले बनी इमारतों को शामिल किया जाना चाहिए। इसका तात्कालिक महत्व है। सुरक्षा मानकों पर खरी न उतरने वाली इमारतों को मजबूत करने के लिए रिट्रोफिटिंग की जानी चाहिए। नई परियोजनाओं में भूकंप-प्रतिरोधी निर्माण विधियों का प्रयोग करना बहुत जरूरी है। जोखिम वाली अनेक इमारतों में रिट्रोफिटिंग खर्चीली हो सकती है, पर मानव जीवन बचाने के लिए यह निवेश महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही सार्वजनिक ढांचागत संरचनाओं का पुन: मूल्यांकन होना चाहिए। पुलों, फ्लाईओवरों और मेट्रो स्टेशनों का मूल्यांन भूकंपीय गतिविधि झेलने की उनकी क्षमता के आधार पर होना चाहिए। टोकियो तथा सैन्फ्रांसिस्को जैसे अनेक शहरों ने सफलतापूर्वक उत्कृष्ट तकनीक का प्रयोग कर इमारतों को ज्यादा भूकंप-सह बनाया है। दिल्ली को भी हताहतों की बड़ी संख्या के खतरे से बचने और उसे कम करने के लिए इन वैश्विक उदाहरणों से समुचित सबक लेने चाहिए।

विभीषिकाओं के लिए अच्छी तरह तैयार हमेशा शिक्षा तथा अपने निवासियों की जागरूकता में निवेश करते हैं। गुजरात में भुज की तरह दिल्ली में भी एक भूकंप जागरूकता संग्रहालय बनाया जाना चाहिए। इससे न केवल दिल्ली-एनसीआर, बल्कि पूरे देश में लोगों की जागरूकता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस संग्रहालय में दिल्ली के भूकंपीय इतिहास को रेखांकित करते हुए भूकंपों के पीछे छिपे विज्ञान की जानकारी देते हुए लोगों को सुरक्षा व्यवहारों के प्रति जागरूक किया जा सकता है।

इसके साथ ही संग्रहालय में एक प्रतिबद्ध 'भूकंप क्लीनिक' बनाई जानी चाहिए जो इंजीनियरों को कम खर्च में मकानों को भूकंप-प्रतिरोधी बनाने की मुफ्त सलाह दे सके। इसके साथ ही शीघ्र चेतावनी प्रणालियों के प्रयोग से हताहतों का जोखिम कम हो सकता है।

उदाहरण के लिए, जापान की शीघ्र चेतावनी प्रणाली लोगों को भूकंप के कुछ सेकेंड पहले चेतावनी दे देती है जिससे लोग छिप सकते हैं। दिल्ली में भी ऐसी ही प्रणाली स्थापित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। लेकिन वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भूकंपों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। हालांकि, हम तैयारी के स्तर से आपदा आने पर उसका दुष्प्रभाव कम कर सकते हैं। दिल्ली में आए हालिया भूकंपीय झटके कोई मामूली घटना नहीं है। इसे अनदेखा करने के बजाय चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। इसे अनदेखा करना विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। समय आ गया है कि हम सबक लें क्योंकि प्राकृतिक विभीषिका अत्यधिक विनाशकारी हो सकती है।

जीवन में सही विकल्प चुनें

अगला स्तर उन लोगों का है, जो न केवल अच्छे हैं बल्कि वे अधिकतर धर्म का भी पालन करते हैं, जिससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

अजित कुमार बिश्नोई
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

हां, पांच विकल्प हैं, इन्हें चुनकर हम जीवन में उन्नति कर सकते हैं। ये हैं अच्छे इंसान बनना। हम जानते हैं कि हम किसे अच्छा कहते हैं। वे अपने व्यवहार, विकल्पों आदि में अच्छे होते हैं। अगला स्तर उन लोगों का है, जो न केवल अच्छे हैं बल्कि वे अधिकतर धर्म का भी पालन करते हैं, जिससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

अगला स्तर कल्याण कार्यकर्ताओं का है, जो बिना किसी स्वार्थ के मानवता की सेवा में अपना जीवन समर्पित करते हैं। धर्म के अनुयायियों में से, भगवान धर्म को बनाए रखने के लिए भगवान के लिए गतिविधियों को करने के लिए कुछ लोगों को अपना (निमित्त) साधन नियुक्त करते हैं। सबसे ऊपरी स्तर निस्संदेह भगवान के भक्तों का है। अब मैं इस बारे में विवरण दूंगा कि कोई व्यक्ति ये पांच कैसे बन सकता है और ऐसा करने से उसे क्या लाभ होंगे। आध्यात्मिक भाषा में अच्छा होने का अर्थ है अच्छाई के गुण का उच्चतम प्रतिशत होना। (भगवद गीता 14.10) सात्विकता पवित्रता के कारण प्रकाश देने वाली और रोगों से मुक्त होती है।

(14.6) रजोगुण आसक्ति के दोष से ग्रस्त होता है। (14.7) व्यक्ति कुछ कार्यों और उनके परिणामों के प्रति बहुत अधिक आसक्त हो जाता है। दुर्भाग्य से, परिणाम हमारे हाथ में नहीं होते। (2.47) इसलिए व्यक्ति चिंता, भय, अवसाद आदि से ग्रस्त होता है। अंधकार मोह पैदा करता है, जिससे लापरवाही जैसे कई दोष उत्पन्न होते हैं। (14.8) भगवान कृष्ण ने भगवद गीता में सात्विक गतिविधियों के लाभ हैं और सबसे अच्छा लाभ यह है कि अच्छाई भक्ति जीवन की सीढ़ी है - निश्चित रूप से सर्वोच्च और अच्छे कर्मफल। अगला स्तर उन व्यक्तियों का

है, जो अच्छे होने के साथ-साथ धर्म का सख्ती से पालन करते हैं। यह उन्हें आम लोगों से अलग करता है। हम ईश्वर की योजना के साथ जुड़े होते हैं, जो धर्म की रक्षा के लिए है। ऐसा करने के लिए भगवान अवतार भी लेते हैं। (6.7) हम जानते हैं कि धर्म क्या है; यह सर्वोच्च नैतिक और धार्मिक सिद्धांत है। पुण्य कर्मों के संचय सहित कई लाभ हैं। तीसरा उच्च स्तर कल्याण कार्यकर्ताओं का है। भगवान ऐसे लोगों के लिए कोई %दुर्गति% (बुरा अंत) नहीं होने का वादा करते हैं। (6.40) यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि बुढ़ापा और बुरा अंत मनुष्य के लिए बहुत डरावनी संभावनाएं हैं।

भगवान कृष्ण ने इस संबंध में भगवद-गीता (3.20) में राजा जनक को आदर्श के रूप में चुना है। अगला उच्च स्तर भगवान के निमित्त (साधन) का है; वह उन्हें उन लोगों में से चुनते हैं जो आदतन धर्म के अनुयायी हैं और भगवान की सेवा करने के लिए इच्छुक हैं जैसे अर्जुन ने किया था। भगवान उनके लिए एक कर्ता के रूप में सब कुछ करते हैं और उन्हें किए गए कार्यों का श्रेय मिलता है। (11.33) सबसे ऊपरी श्रेणी भगवान के भक्तों की है।

उनका उत्थान अच्छे लोगों से धर्म के सख्त अनुयायी बनने तक होता है। फिर, वे प्रार्थना, भगवान के विग्रहों के दर्शन, भगवान को प्रणाम करना, भगवान के नामों और मंत्रों का जाप, भगवान का ध्यान, किए गए उपकारों के लिए भगवान को धन्यवाद देना आदि आध्यात्मिक अभ्यास करते हैं। वे भगवान के बहुत प्रिय हो जाते हैं, जो सब कुछ हैं। (7.19) भगवान के भक्त होने का सबसे बड़ा लाभ कुछ ही जीवन में मुक्ति है। (6.45) मैं अधिक विस्तार से लाभों का वर्णन करने जा रहा हूं क्योंकि ये सबसे बड़े हैं।

भगवान मार्गदर्शन करते हैं, और वे सर्वज्ञ होने के कारण हर बार जानते हैं कि क्या काम करेगा। जब भी मुझे किसी चीज़ के बारे में कुछ संदेह होता है, तो मैं मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करने की आदत बना लेता हूं। मैं भगवान की प्रतिक्रिया से आश्चर्यचकित हूं। वे अब अंतर्ज्ञान नहीं हैं क्योंकि वे काम करते हैं। मदद के मामले में भी यही होता है। भगवान अपने भक्तों की ऐसी मदद करते हैं जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।

आप की बात

ग्लोबल समिट

भारत के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में ग्लोबल समिट भोपाल में हो रही है। यह भारत की विकासशील रफ्तार को और तेजी देने के मध्य-प्रदेश नये आयाम स्थापित करेगी । उद्योग इंडस्ट्रीज व व्यापार के लिए जो बुनियादी सुविधाएं के साथ बहुत सरलता का शुभ लाभ देने की बात मोहन सरकार के की है। जब ईमानदारी से कोई पहल की जाती है तो उसका फायदा जरूर मिलता है। मध्यप्रदेश में इन्दौर सबसे पुराना इंडस्ट्रीज एरिया उधोग व्यापार के लिए रहा । इन्दौर जहां कपड़ा मिलों के बाद अन्य व्यावसायिक उद्योग धंधों की राजधानी कहीं गई।और अब पिथमपुर देवास धार मुरेना बुरहानपुर खण्डवा भोपाल भी अब आगे बढ़ रहा है। भविष्य में सम्भावना तलाशने के लिए भोपाल की यह ग्लोबल समिट एक अलग रंग में निवेशकों को ध्यान आकर्षित करने वाला यह कार्यक्रम उद्योगपतियों के लिए नवाबों की इस रियासत में इन्वेस्टमेंट करने के लिए बहुत कुछ देखेंगे । भोपाल झीलों की खुबसूरती के साथ इस इन्वेस्टर मीट के लिए तैयार है। अब ऐसा लगता है कि सफलता के शिखर पर मध्यप्रदेश मोदी जी की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। भविष्य के लिए अतिथि देवो भव की परम्परा में यहां के पर्यटन स्थल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। भोपाल में अब विकास रथों पर सवार होकर उन्नत भारत की खोज में सारथी की भूमिका में हमारा मध्यप्रदेश शामिल है।

- **हरिहर चौहान**, इंदौर

छूट रही लिखने की आदत

तकनीकी संसाधनों ने हमारे जीवन को आसान और तेज़ बना दिया है, लेकिन इस तकनीकी प्रगति के साथ-साथ, कुछ पारंपरिक आदतें भी धीरे-धीरे हमारी ज़िंदगी से बाहर होती जा रही हैं। उन आदतों में से एक है- लेखन की पारंपरिक शैली। जब हम डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं, तो हम ज्यादातर स्क्रीन पर ही लिखते हैं - चाहे वह स्मार्टफोन पर एक संदेश हो या कंप्यूटर पर एक ईमेल। यह स्क्रीन लेखन हमें जल्दी और आसानी से काम पूरा करने की सुविधा तो देता है लेकिन इस बीच प्रगति पथ पर अग्रसर हम इस प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण तत्व खो रहे हैं । लेखन की आदत अब स्क्रीन तक सीमित हो गई है,मोबाइल , कम्प्यूटर आदि पर टाइप करती अँगुलियों को अब कलम की आदत नहीं रही है । पहले हम जो भी नोट्स या पत्र लिखते थे, वे हाथ से लिखे जाते थे। यह प्रक्रिया न केवल हमें विचारों को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने में मदद करती थी, बल्कि यह एक मानसिक व्यायाम भी था। आजकल, ज्यादातर लोग फोन, टैबलेट, और लैपटॉप पर लिखने का अधिकतर समय बिताते हैं। यह एक तेजी से और बिना किसी रुकावट के काम करने का तरीका है। लेकिन यह हमें सोचने का समय नहीं देता। स्क्रीन पर टाइप करना अक्सर फास्ट फूड जैसा होता है , जल्दी, लेकिन ध्यान और गहरी सोच का अभाव होता है।

- **नितिन रावत**, फ़िरोजाबाद

ट्रंप का खुलासा

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत भारत में चुनाव सुधार के नाम पर करोड़ों रुपए दिए जाने के खुलासे के बाद देश में राजनीतिक तूफान आ गया है. यह एक गंभीर मुद्दा है, जो देश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर सकता है। यह मुद्दा तब और भी गंभीर हो जाता है जब विदेशी ताकतें भारत के खिलाफ आर्थिक मदद प्रदान करती हैं। भारत के खिलाफ आर्थिक मदद प्रदान करने वाले देशों में से एक पाकिस्तान है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कई आतंकवादी संगठनों को आर्थिक मदद प्रदान की है, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद शामिल हैं। इन संगठनों ने भारत में कई आतंकवादी हमले किए हैं, जिनमें मुंबई हमला और पुलवामा हमला शामिल हैं। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कई अन्य तरीकों से भी आर्थिक मदद प्रदान की है। उदाहरण के लिए, पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कई प्रोपेगेंडा अभियान चलाए हैं, जिनमें भारत के खिलाफ झूठी खबरें और अफवाहें फैलाना शामिल है। हिंदुत्व के खिलाफ आर्थिक मदद प्रदान करने वाले देशों में से एक तुर्की है। तुर्की ने हिंदुत्व के खिलाफ कई इस्लामिक संगठनों को आर्थिक मदद प्रदान की है, जिनमें मुस्लिम ब्रदरहुड शामिल है। इन संगठनों ने हिंदुत्व के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं, जिनमें हिंदुत्व के खिलाफ झूठी खबरें और अफवाहें फैलाना शामिल है।

- **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

भारत की विदेश नीति

ट्रंप युग की वापसी के पश्चात भारत द्वारा रुस को लेकर अपनाई गई संतुलित विदेशनीति की सार्थकता सिद्ध हुई है। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन पर हमले के पश्चात भारत पर चौतरफ़ा दबाव था कि रूस के ख़िलाफ़ खुलकर सामने आए। अमेरिका सहित संपूर्ण पश्चिमी देश चाहते थे कि जैसा उनका रवैया रुस के साथ है वही रवैया भारत भी अपनाये लेकिन भारत ने इसे दृढ़तापूर्वक अस्वीकार कर दिया।पश्चिमी प्रेस भी भारत के रुख़ की तीखी आलोचना कर रही थी। लेकिन भारत ने रुस के साथ दशक पुरानी मित्रता पर कोई आंच न अने दी तथा रूस से सस्ता तेल ख़रीदना शुरू कर दिया । दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 60 अरब डॉलर को पार कर गया। अब ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिका ने खुद ही पुतिन के प्रति नरमी दिखानी शुरू कर दी है।यदि भारत बाइडन और पश्चिमी देशो के दबाव में आकर रूस के ख़िलाफ़ पश्चिम के प्रतिबंध में शामिल हो जाता तो भारत और रूस के संबंध खराब होते तथा भारत को एक विश्वसनीय मित्र को खोना पड़ता।

- **विमलेश पगारिया**, बदनावर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षक की सिर काटकर निर्मम हत्या, ग्रामीणों में आक्रोश

●विद्यालय प्रबंधन को लेकर चल रहा था विवाद

●पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लिया

संवाददाता। माधौगढ़, जालौन

सेवानिवृत्त शिक्षक की सुबह योगा करते समय बेरहमी से सिर काटकर हत्या कर दी गयी। खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी, वहीं परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर परिजनों के पहुंचने के बाद स्थिति संभालना मुश्किल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही रामपुरा पुलिस, फोरेंसिक टीम और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच कर जांच में जुटे हैं।

घटना सुबह की जब सेवानिवृत्त शिक्षक विद्याराम (65) पुत्र लखू निवासी सिलऊवा थाना रामपुरा प्रतिदिन की तरह घूमने के लिए निकले और भीमनगर की ओर पुलिया पर योगा करने के लिए बैठे,तभी किसी ने धारधार हथियार से शिक्षक का सिर धड़ से अलग कर हत्या कर दी। घटना को देखकर ऐसा लग रहा है कि हत्या करने वाले को शिक्षक की रूटीन दिनचर्या पता थी,जिसके कारण उसने सुनियोजित तरीके से घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी जैसे क्षेत्र में फैली,लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गयी। घर के लोग भी मौके पर आ गए,जिसके बाद कोहराम मच गया। हालांकि घटना स्थल पर पुलिस पहुंच कर जांच कर रही है। सुबह खबर लिखे जाने तक किसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

रिटायर्ड शिक्षक विद्याराम आजाद की हत्या का कारण तो स्पष्ट नहीं है लेकिन गांव के लोग दबी जवान से आपस में कानाफूसी कर रहे थे जिसका लब्बोलुआब यह था कि एक विद्यालय में प्रबंधन को लेकर लगभग 4 वर्ष से उनका विवाद चल रहा है शायद यह घटना उसी का परिणाम हो।

मृतक आजाद की पोती भावना पुत्री रामजी उर्फ दिनेश की आज से लगभग 4 वर्ष पूर्व 2020 में उस समय हत्या हो गई थी जब वह उरई में रहकर एएनएम का कोर्स कर रही थी। उक्त घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा मृतक के शव को पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए उठा कर ले जाने का जमकर विरोध किया व पुलिस अधीक्षक को बुलाने की मांग करने लगे तब क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ डॉ. राम सिंह एवं थानाध्यक्ष रामपुरा संजीव कुमार कटियार ने ग्राम वासियों से सहयोग मांगते हुए घटना के दोषियों के प्रति सख्त कार्रवाई का आश्वासन दे उन्हें संतुष्ट कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

अखिल भारतीय कान्हपुरिया महासभा की बैठक संपन्न

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में जामों विकासखंड अंतर्गत क़स्बा जामों में अखिल भारतीय कान्हपुरिया महासभा की बैठक पवन सिंह के संयोजन में उनके आवास परिसर में आयोजित की गई। बैठक में सुल्तानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़ सहित कई जनपदों के कान्ह वंशीय क्षत्रिय मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौरीगंज के पूर्व विधायक दादा तेजभान सिंह ने किया। उन्होंने उपस्थिति लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा क्षत्रिय समाज में कान्ह वंशीय की वंशावली पुस्तक का निर्माण सबसे पहले हुआ। उन्होंने एक स्मरण की चर्चा करते हुए बताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति भैरव सिंह शेखावत को इस वंशावली के बारे में जानकारी हुई तो उन्होंने मुझसे कहा कि यह अपने में एक अनूठा कार्य है प्रशंसा की। उन्होंने सभी का आवाहन करते हुए ये कार्य सभी के सहयोग से ही संम्पन होगा। अखिल भारतीय कान्हपुरिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल कृष्ण प्रताप सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य कान्ह वंशीय क्षत्रियों के वंशावली में संशोधन करते हुए नये नामों को जोड़ने के सम्बन्ध में इसका आयोजन किया गया है। वंशावली का अंतिम प्रकाशन 2002 किया गया था, तब से लेकर अभी तक छूटे हुए नामों को वंशावली में जोड़ने का कार्य किया जायेगा।

जिला पंचायत सभागार में पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता। रायबरेली

जिला पंचायत सभागार में पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हरचंदपुर सहित सताव ब्लॉक की सभी पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए जिसमें जिला पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य शामिल हुए इस मौके पर उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने सभी सम्मानित पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया सम्मेलन में सभी जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में आवश्यक कार्यों का विवरण मांगा।

पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से दिए गए कामों को जिला पंचायत से अथवा राज्य सरकार से कराए जाने की बात की। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों से जिले के विकास को लेकर चर्चा की उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन बुलाने का मेरा उद्देश्य सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतरना जिससे गांव के हर गरीब व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके।

इस मौके पर क्षेत्र से आए पंचायत प्रतिनिधियों ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह से अपने गांव की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी और गांव में नाले सडक जल निकासी जैसी व्यवस्थाओं को सही करने की अपील की मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों को उनके दिए गए कामों को शीघ्र करने का आश्वासन दिया इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष सताव राजेश बाजपेई , कृष्ण जीवन तिवारी, गया लोधी इटोरा बुजुर्ग, रामचंद पासवान प्रधान संघर्ष हरचंदपुर, मुकेश सिंह ,रामकुमार कोरी जिला पंचायत सदस्य हरचंदपुर, मोहम्मद शरीफ जिला पंचायत सदस्य सताव ,कमलेश यादव नंदा खेडा, क्षेत्र पंचायत सदस्य रोहित त्रिवेदी, अमृतलाल, अशोक ,सतीश साहू, शोभापुर प्रधान दीपू सिंह ,रंजीत मझगवां हरदोई ,शिव बालक पासवान जोहवा सर्की, प्रेम तिवारी जोहवा हिसार ,दिनेश सिंह प्रधान सेवकी अनुराग यादव सहित सैकडो पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में चिल्ड्रेन वीक फेस्टिवल का आयोजन

गोंडा। मॉडर्न पब्लिक स्कूल एवं मार्डन किड्डीज के बच्चों के लिए ग्रैंड चिल्ड्रन वीक फेस्टिवल का आयोजन हुआ। जिसमें तीन प्रतियोगिताएं कराई गई। इसमें पहली प्रतियोगिता साइंस एग्जीबिशन/विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा को प्रदर्शित किया। जिसमें वॉटरफॉल, डे नाइट, वाल्केनो, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रोबोट, कंप्यूटर आदि के प्रोजेक्ट बनाए गए। विज्ञान प्रदर्शनी का उदघाटन प्रोफेसर ओंकार पाठक, अवध एफ.एम. चैनल के डायरेक्टर जानकी शरण द्विवेदी तथा व केबी सिंह, अमित पांडे ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर अतिथियों ने उनकी प्रतिभा को भी सराहा। इसके अतिरिक्त छात्रों ने रंगोली प्रतियोगिता, आर्ट और क्राफ्ट प्रतियोगिता भी हुईं। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने हुनर का बखूबी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार स्कूल के प्रबंधक डॉ. शेर बहादुर सिंह और धन्यवाद ज्ञापन स्कूल की प्रिंसिपल मिस शालिमा ने किया।

कोटरा-एट संपर्क मार्ग का 34.80 करोड़ की लागत से होगा चौड़ीकरण

संवाददाता। कोटरा, जालौन

कई दशकों से टूटी-फूटी सड़क को गंभीरपूर्वक लेते हुए सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने इस समस्या को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रखा था। प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल प्रभाव से एट कोटरा चौड़ीकरण मार्ग के लिए 34.80 लाख की धनराशि की स्वीकृति दी थी। इसके बाद पीडब्ल्यूडी के द्वारा एक कोटरा मार्ग का टेंडर निकाला गया था जो सफलतापूर्वक टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हुई। कस्बा वासियों को बरसों बाद मुख्य सड़क का बना और चौड़ीकरण होना एक बड़ी सौगात प्राप्त हुई है।

शनिवार को कस्बा कोटरा में सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने रोड का भूमि पूजन किया और रोड बनने का श्री गणेश किया। आपको ज्ञात करें यह रोड लगभग 14.400 मीटर है जिसकी चौड़ाई 7 मीटर होगी। यह रोड डावर रोड की प्रक्रिया तहत डाला जाएगा। भूमि पूजन के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सियाशरण व्यास, मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र राजपूत, शिवम गुप्ता, सचिन गुप्ता, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मूलचंद्र बुधौलिया, रामकुमार रठा, विनोद स्वामी, रामेश्वर प्रधान, राजू खरे, संजय सैनी, रोहित रठा, अंकित गुप्ता, अंकित सोनी, तुलाराम निषाद एवं सभासदों में छत्रसाल नायक, काशी निषाद,राजू पंचाल, अखिलेश निरंजन, राहुल श्रीवास आदि सभासद गण मौजूद थे। सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि रोड बनने के दौरान आप सभी को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है और प्रतिदिन स्वयं निरीक्षण करना है आपके अलावा मैं स्वयं रोड का निरीक्षण करूंगा और पूरा रोड गुणवत्ता पूर्वक ही डाला जाएगा। कोटरा नगर के वाशिंदे वर्तमान में अस्पताल से भी वंचित है और 6 महीने के अंदर मोहल्ला क्लीनिक के आधार स्वरूप कोटरा में अस्पताल खोला जाएगा जिसमें एक डॉक्टर दो नर्स और पांच बेड का अस्पताल होगा। इस दौरान समस्त कोटरा के गणमान्य नागरिक एवं समस्त पत्रकार मौजूद रहे।

एनएसपीएस त्रिपुला में सत्र 2025-26 की प्रवेश परीक्षा

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में सत्र 2025-26 के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। विद्यालय में प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों के साथ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की साथ ही विद्यार्थियों ने भी विद्या की देवी माता सरस्वती को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। परीक्षा के दौरान उप-प्रधानाचार्य फैजान खान ने अभिभावकों को विद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए छात्रों को दी जानें वाली सुविधाओं का अवलोकन कराया। इस अवसर पर संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, शाहीन खान, रामदेव, गिरीश श्रीवास्तव सहित शिक्षक शिक्षिकाएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

चोरों को नहीं है पुलिस का भय

रायबरेली। शहर कोतवाली क्षेत्र के राना नगर में सब्जी बेचने की बाइक चोरो ने उड़ाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत शनिवार को राना नगर कानपुर रोड पर सब्जी बेचने आये राजकुमार मौर्या पुत्र महराजदीन निवासी ग्राम किलौली पोस्ट-आशानंदपुर थाना गुरूबक्शगंज मोटर साइकिल संख्या यूपी 33 ए डब्लू 6351 स्पेलडर से सब्जी लेकर बेचने आये थे। दुकान के पीछे मोटर साइकिल खड़ी कर सब्जी बेचने लगे शातिर चोरो ने मोटर कब गायब कर दी वाहन स्वामी को पता ही नहीं चला जब उन्होने मोटर साइकिल की तरफध्यान दिया तो गाड़ी जा चुकी है। काफी ढुंडने के बाद भी जब गाड़ी नहीं मिली तो शहर कोतवाली में बाइक चोरी की सूचना दी। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। खबर लिखे जाने तक चोरो का पता नहीं चला है।

दो जोड़े साथ रहने को हुए राजी

गोंडा। रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित परिवार परामर्श केन्द्र में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में परामर्शदाताओं द्वारा बिछुडे जोड़ो की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया। इस मौके पर परामर्शदाताओं ने 02 जोड़ों को समझा बुझाकर एक साथ सुखी जीवन जीने हेतु राजी कर लिया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा, महिला थाना प्रभारी श्रीमती प्रतिभा सिंह, गंगाधर शुक्ल, शशि भारती, राजमंगल मौर्या, श्रीमती संतोष ओझा, यशोदा नन्दन त्रिपाठी, श्रीमती अनीता साहू, महिला आरक्षी ज्योति राजभर, शाहिना बानो आदि उपस्थित रही।

खानकाह शरीफ में तीन दिवसीय उर्स का आयोजन

कालपी, जालौन। उत्तर भारतीय मोमिनों की विख्यात दरगाह खानकाह मुहम्मदिया में सालाना तीन दिवसीय उर्स ए मुहम्मदी का आयोजन पूरी शानओ शौकत से 24, 25 तथा 26 फरवरी को होगा। सोमवार की दोपहर को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा एवं इस्लामी झंडा फहरा कर उर्स ए मुहम्मदी का शुभारम्भ किया जायेगा। इंतजामिया कमेटी के तत्वाधान में आयोजित होने वाले उर्स के बारे में जानकारियां देते हुए दरगाह के सज्जादा नशीन तथा समिति के अध्यक्ष सैय्यद ग्यासुद्दीन मियां ने बताया कि दरगाह परिसर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सालाना उर्स आलिया मोहम्मदिया के मुबारक मौके पर 24 फरवरी को दोपहर 2 बजे ति राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा एवं इस्लामी झंडा फहरा करके उर्स का शुभारंभ किया जायेगा। रात 8 बजे से दरगाह के परिसर में ऑल इंडिया नातिया मुशायरा का कार्यक्रम शुरू होगा, जो सुबह तक चलेगा। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी की दोपहर को मोहल्ला रावगंज स्थित हजरत मखदूम साहब के आस्ताने से जुलूस ए मोहम्मदी प्रारंम्भ होगा जो अपने निर्धारित रूटों से होते हुए शाम 6 बजे दरगाह पहुंचकर समापन किया जाएगा। दरगाह परिसर में रात 9 बजे से सुबह तक तकरीर प्रोग्राम का आयोजन भी किया जाएगा। तकरीरी प्रोग्राम में विख्यात उल्माएं दीन तथा इस्लामी विद्वान अपनी अपनी तकरीर प्रस्तुत करेंगे। 26 फरवरी को दोपहर 12.30 बजे कुल एवं फातिहा की रस्म के साथ ही उर्स ए मोहम्मदिया का समापन किया जाएगा। दरगाह परिसर में लंगर का भी आयोजन होगा तथा दरगाह परिसर तथा आसपास के क्षेत्र को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। उर्स मोहम्मदी को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है।

उसरगांव विद्यालय से मिड-डे योजना का खाद्यान्न चोरी

कालपी, जालौन। उसरगांव में हाईवे किनारे स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय में चोरी हो गई। चोर वहां से मिडडे योजना का सामान ले गये हैं। रविवार सुबह ग्रामीणों ने हाईवे किनारे स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय के ताले टूटे पड़े देख मामले की सूचना प्रधानाचार्या अंजूवाला को दी थी। सूचना पर मौके पर आई प्रधानाचार्या ने कक्ष खोल कर देखा था मिडडेमील के बर्तनों के साथ वहां रखा गेहूँ चावल के साथ रसोई का अन्य सामान भी गायब था। उन्होंने विद्यालय में घटित चोरी की इस घटना की शिकायत पुलिस से की है। इस संबंध में कोतवाली पुलिस से जानकारी की तो उन्होंने भी सूचना की पुष्टि की है हालांकि अभी मामला दर्ज नही हुआ है।

निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत' का तृतीय चरण संपन्न

अमेठी। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु विगत दो वर्षों की भांति इस वर्ष भी 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का मां कालिकन धाम में स्थित सगरा के आस पास सैकड़ों निरंकारी श्रद्धालुओं ने साफ सफ़ाई कर स्वच्छ जल स्वच्छ मन का संदेश दिया। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओ को आत्मसात करते हुए संत निरंकारी मिशन ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से वर्ष 2023 से देश के 27 राज्यों एवं 1600 स्थानों पर एक दिन एक साथ 10लाख स्वयं सेवकों के सहयोग से उत्साहपूर्वक उक्त कार्यक्रम को पूरे देश में विगत दो वर्षों से चलाया जा रहा है।

किसी को अराजकता फैलाने की नहीं मिलेगी छूटः लोकेंद्र

हरदोई गूजर, जालौन। पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार द्वारा आगामी चैत्र नवरात्रि व होली त्यौहार के मद्देनजर पुलिस महकमे में किये गये फेरबदल के क्रम में मीडिया सैल प्रभारी लोकेंद्र सिंह को एट थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी गयी। कार्यभार संभालने के बाद थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान स्पष्ट किया कि जो भी पीड़ित व्यक्ति अपनी समस्या या शिकायत लेकर उनके पास आयेगा उसके साथ न्याय किया जायेगा। किसी भी व्यक्ति को क्षेत्र में अराजकता का माहौल बनाने की छूट कतई नहीं दी जायेगी। जो भी व्यक्ति ऐसा कृत्य करेंगे उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने में देर नहीं लगायी जायेगी। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से अनुरोध किया कि वह थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करें साथ ही जिम्मेदार नागरिक की भूमिका का निर्वहन कर क्षेत्र में सक्रिय अपराधी तत्वों की जानकारी समय-समय पर पुलिस से साझा करें।

गेटमैन से मारपीट कर रंगदारी मांगने का एक आरोपी गिरफ्तार

कालपी, जालौन। रेलवे गेटमैन से मारपीट और रंगदारी मांगने पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में एक युवक तमंचे के साथ गिरफ्तार किया गया है। विदित हो कि शुक्रवार देरशाम रेलवे गेटमैन आशीष यादव पुत्र चन्द्रभान यादव निवासी भैस्ता थाना मौदहा जिला हमीरपुर की ड्यूटी बनखण्डी देवी रोड स्थित रेलवे गेट पर लगी है जहां से वह लौट रहा था इसी दौरान जंगल में तीन युवकों ने घेरकर उसके साथ मारपीट कर दी थी और रुपये भी छीन लिए थे। इस मामले की सूचना उसने पुलिस को दी थी जिस पर सक्रिय हुई पुलिस ने शक के आधार पर आलमपुर निवासी एक युवक को हिरासत में लिया था और उससे पूंछतांछ हुई तो अन्य दो युवकों के नाम उजागर हुए थे और मामला जांच में सही पाए जाने पर रविवार को पुलिस ने रेलवे गेटमैन की तहरीर पर चन्द्रभान यादव उर्फ जेटू पुत्र स्वर्गीय रामप्रकाश यादव निवासी आलमपुर व रोहित व अमित सोनकर के खिलाफ मारपीट व रंगदारी का मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुहम्मद अशरफ के अनुसार चन्द्रभान उर्फ जेटू यादव को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

कवित्व व लेखनी के जरिए दी जा सकती है समाज को नयी दिशाः विज्ञानानंद

●समाज सेविका सुधा द्विवेदी ने साहित्य मनीषी डॉ. ओपी सिंह का किया सम्मान

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

हिन्दी की अनवरत सेवा में लगे डा. ओम प्रकाश सिंह का कर तल ध्वनि के बीच नागरिक अभिनंदन हुआ। प्रबुद्धजनों एवं हिन्दी मर्मज्ञों के अलावा दर्जन भर से अधिक संगठनो ने अलग-अलग श्री सिंह को अभिनंदित किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के साथ देश से लेकर विदेशों तक हिन्दी की पताका फहराने वाले कार्यों की केवल सराहना ही नहीं की बल्कि उनके सतत् प्रयासों का अभिनंदन भी किया। उल्लेखनीय है कि डा. सिंह बैसवारा क्षेत्र के रहने वाले हैं और इन्होने हिन्दी साहित्य एवं नवगीत जगत में उसके विकास एवं संवर्धन में अपना अतुनीय योगदान दिया है। फ्तेहपुर जिले के भिटौरा के प्रख्यात विद्वान संत विज्ञानानंद महराज ने कहा कि राजतंत्र और मठों (संतपथ) से समाज को नयी दिशा मिलने की उम्मीदें टूट चुकी हैं। इन दोनो के पथों के न तो सिद्धांत बचे है और न ही विचारधारा। वर्तमान परिवेष में समाज को नयी दिशा देने का कार्य केवल कलमकार ही कर सकते हैं। कवित्व व लेखनी के जरिए देश को नयी दिशा इस लिए दी जा सकती है कि उनके कार्यों में सृजनशीलता अभी विद्यमान है। ऐसे लोगों की वेदों में स्तुति की गयी है। बैसवारा साहित्य एवं सामाजिक संस्था के बैनर तले आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने डा. ओमप्रकाश सिंह को वर्तमान का अजातशत्रु बताते हुए कहा कि बिना किसी रागद्वेष की उनकी 40 वर्षों की सेवाएं अभिनंदनीय रही हैं। अध्यापन कार्यों के साथ शोध कार्यों में निर्देशन, विद्यालयों की व्यवस्था, सम्पादन, प्रदर्शन के साथ बैसवारे के इतिहास के संवर्धन के कार्यों की सराहना केवल अभिनंदन से ही नहीं पूरी होती है।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने ऊंचाहार निवासी पीड़िता शोभा देवी से की मुलाकात

संवाददाता। रायबरेली

सपा के डेलिगेशन में लाल बिहारी यादव नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद उत्तर प्रदेश ने पहुंचकर पीडित परिवार से मुलाकात की और हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी प्रतिनिधिमंडल रायबरेली जनपद के पूरे टांगन मिचौली थाना जगतपुर तहसील ऊंचाहार निवासी शोभा देवी पत्नी राजाराम से सपा प्रतिमंडल ने मुलाकात की।

पत्नी मंडल में लाल बिहारी यादव नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद उत्तर प्रदेश पंकज पटेल विधायक वीरेंद्र यादव जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी रायबरेली सी एल वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी रामकरण निर्मल प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी उत्तर प्रदेश सुरेश निर्मल पूर्व प्रत्याशी विधानसभा सालों जगदेव यादव विधानसभा अध्यक्ष ऊंचाहार दरअसल जिले के ऊंचाहार विधानसभा के समाजवादी पार्टी के बागी विधायक भाजपा समर्थित मनोज पांडे के खिलाफ कुछ दिन पहले जिले की प्रथम नागरिक जिला पंचायत अध्यक्ष रंजन चौधरी समेत दर्जनों पीडित परिवार ने विकास भवन में जमीन कब्जे के मामले में धरना प्रदर्शन किया था।

क्षेत्रीय विधायक की फोटो लगाकर जमीन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। जिसको लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से खबरें जब विधायक तक पहुंची तो उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया। और जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। वही दो दिन पहले जिला प्रशासन ने विधायक को क्लीन चिट दे दी कि इन पर किसी तरह की कोई जमीन कब्जा किए जाने की बात सामने नहीं आई है।

वही पीडितों की आवाज बनकर समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवाहन पर सपा का डेलिगेशन पहुंचा ऊंचाहार विधानसभा के जगतपुर टांघन गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ सफल समापन

सलोन। रायबरेली जनहित एवं स्वास्थ्य सेवा के उद्देश्य से आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर पंचायत घर रतासों सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस शिविर का आयोजन आर्यवर्त नेत्र चिकत्सालय के तत्वावधान में किया गया। जिसमें डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह, व डॉक्टर अजय सिंह नेत्र चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। शिविर में लगभग 415 ग्रामीणों ने अपनी आँखों की जाँच करवाई और उन्हें आवश्यक परामर्श एवं 210 चश्मे निःशुल्क वितरित किया गया।कार्यक्रम के आयोजक प्रतुल सिंह ने बताया कि जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे एवं दवाइयाँ वितरित की गईं, और गंभीर मामलों में आगे के इलाज हेतु डॉक्टरों द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया गया। विशेष रूप से, मोतियाबिंद जैसी नेत्र संबंधी समस्याओं की पहचान कर मरीजों को उचित चिकित्सा और ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ0 शैल, डॉ0 अर्पिता डॉक्टर गोल्डी, डॉक्टर शिवम, डॉक्टर हिमांशू, दिलीप यादव ,सुरेश सिंह योगेश सिंह पिंटू सिंह दीपक सिंह ,पवन शर्मा लालजी वर्मा एवं ग्रामवासियों और सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संस्थान की पहल सराहनीय, बच्चों का हौसला बढ़ायाः प्रो. पूनम टंडन

संवाददाता। संतकबीरनगर

रविवार 23 फरवरी 2025 को सन्त कबीर नगर के ए.एच.एग्री. इन्टर कालेज उजियार दुधारा पर आयोजित बुनियाद प्रतिभा सम्मान समारोह में कुल 162 मेधावी छात्रों और 25 शिक्षकों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने सम्मानित किया गया।

इस दौरान आदर्श जनता इन्टर कालेज पचपेड़वा के पूर्व प्रधानाचार्य एखलाक हुसेन साहब को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मास्टर मोहम्मद सिद्दीक लाइफ टाइम एचीवमेन्ट अवार्ड दिया गया। इस मौके पर कुल 30 बच्चों को 1-1 रेन्जर साइकिल और ट्राफी दी गई। दूसरी प्राइज के तौर पर 56 छात्रों को बड़ी साइज का टेबल, कुर्सी और ट्राफी प्रदान की गई।

तीसरे प्राइज के तौर पर 76 छात्रों को नार्मल साइज का टेबल, कुर्सी और ट्राफी प्रदान की गई। इस मौके पर ए.एच. एग्री. इन्टर कालेज उजियार दुधारा के प्रधानाचार्य मुनीर आलम साहब को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक योगदान के लिए शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। 9 फरवरी 2025 को आयोजित बुनियाद टैलेन्ट सर्च परीक्षा में इस वर्ष कुल 1034 छात्रों ने परीक्षा दी थी। जिसमें बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 162 मेधावी छात्रों को पुरस्कार के लिए चुना गया था।

जिन्हें आज 23 फरवरी को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के तहत सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गौहर अली खान, मो0 अहमद, अखलाक अहमद, मुनीर अहमद प्रिंसिपल, जमाल अहमद प्रिंसिपल, संजय द्विवेदी, कमरे आलम सिद्दीकी, मो0 अहमद खान, इम्तियाज अहमद, जफीर अली करखी, जहीर अहमद एडवोकेट, रिजवान मुनीर आदि मौजूद रहे।

खीरी में 772 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ

● डीएम एसपी ने जनप्रतिनिधियों संग गिफ्ट के साथ दिया आशीर्वाद बरसाए फूल ●खीरी में गूंजी सद्भाव की शहनाई, एक ही मंडप पर शादी और कुबूल हुआ निकाह

लखीमपुर खीरी। समाज कल्याण विभाग द्वारा रविवार को जीआईसी ग्राउंड में आयोजित हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 772 जोड़ों ने एक दूसरे जीवन भर के लिए हाथ थाम लिया। जीआईसी ग्राउंड में 557 और निघासन में 215 बेटियों का ब्याह हुआ। जीआईसी ग्राउंड में आयोजित विवाह समारोह के कार्यक्रम में विधायक विनोद शंकर अवस्थीए योगेश वर्माए डीएम दुर्गा शक्ति नागपालए एसपी संकल्प शर्माए सीडीओ अभिषेक कुमार ने नगर पालिका अध्यक्ष डॉ ईरा श्रीवास्तवए ब्लॉक प्रमुख पवन गुप्ताए दिव्या सिंहए जिला समाज कल्याण अधिकारी तेजस्वी मिश्रा अन्य जनप्रतिनिधियों संग दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया। सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार जिले में खुशियों की शहनाई गूंजी। शहर में जीआईसी ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में 557 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जिसमें 540

हिंदू तथा 17 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक रीति रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ व मुस्लिम जोड़ों का मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह संपन्न कराया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपालए एसपी संकल्प शर्माए सीडीओ अभिषेक कुमार ने जनप्रतिनिधियोंए अफसरो संग सभी वर.वधू से को उपहार.शगुन किट व आशीर्वाद दिया। जोड़ों के पास पहुंचकर आत्मीय संवाद करते हुए उनका परिचय पूछाए बातचीत कर नए दांपत्य जीवन की शुरूआत के लिए शुभकामना दी। नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण पत्र के अलावा सरकार की और से दिये जाने वाला जरूरी सामान भी दिया। डीएम ने अफसरों की टीम संग प्रत्येक जोडे को दिए जाने वाले उपहार की एक.एक सामग्री का स्वयं परीक्षण किया। उपहार की गुणवत्ता ठीक पाई गई। उन्होंने वितरित किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी परखी।

डीएम ने सभी नव दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवार की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही है। सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को आनंद का अद्भुत क्षण बताया। योजना लोगों के जीवन में खुशहाली ला रही है। दांपत्य जीवन में खुशहाली व गृहस्थी की स्थापना के लिए 35 हजार की धनराशि कन्या के बैंक खाते में भेजी जा रही है। किसी एक शादी में समय निकाल पाना मुश्किल होता हैए लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व बड़ा कार्यक्रम है, मा. जनप्रतिनिधिगण और जिले के आला अधिकारी वर.वधु पक्ष के लोगों का स्वागत करने, नवयुगलों को शुभाशीष देने आए हैं। उनके सुखमय जीवन की कामना की। विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना से अब किसी भी मां के आंख में आंसू नहीं होगा कि वह अपनी बेटी की शादी कैसे करे। योगी सरकार ने हर गरीब की बेटी की शादी व्यवस्था के साथ हर घर में शौचालय बनवाकर बहू.बेटियों की इज्जत को बढ़ाया है। विधायक योगेश ने कहा कि सीएम सामूहिक विवाह का कार्यक्रम डबल इंजन सरकार के प्रयासों और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार का आयोजन है।

दबंगों पर धमकी देकर भूमिधरी जमीन पर कब्जे का आरोप

फतेहपुर। खागा तहसील क्षेत्र के दरियामऊ गांव निवासी छेदीलाल सिंह पुत्र मातादीन ने बताया कि उसकी भूमिधरी जमीन आरजी गाटा संख्या 123/0.1460 हे. दरियामऊ परगना एकडला में अभिलेखों में दर्ज भूमि का संक्रमणीय काश्तकार भूमिधर है। पीड़ित की भूमिधरी बैनामा जमीन पर संक्रमणीय पड़ोसी भूमिधर जबरन कब्जा कर रहे हैं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित किसान जिला प्रशासन से वर्षों से न्याय के लिए चक्कर लगा रहा है।

खखरेडू थाना क्षेत्र के दरियामऊ निवासी मातादीन ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि संक्रमणीय भूमिधारी में सीमा देवी पत्नी नरेशचंद्र व सीमा देवी के पिता शिवलाल सोनकर पुत्र जियालाल जबरन सट्टा संरक्षित नेताओं व कुछ कथित पत्रकारों के सहयोग से पीड़ित के मकान बनाने में व्यवधान डाल रहे हैं। गाली गलौज कर जान से मरवा डालने व फर्जी एससी एसटी केस दर्ज कर देने की बात कर रहे हैं। पीड़ित किसान ने मीडिया से रूबरू हो बताया कि भूमि में किसी भी प्रकार का वाद या स्थगन आदेश नहीं है पीड़ित के पास संपूर्ण अभिलेख संकलित हैं। बेवजह परेशान करने की नीयत से राजस्व उच्च अधिकारियों प्रशासन को गुमराह करते हुए आरोपियों ने कई बार जांच कराई जिसमें उच्च अधिकारियों ने निराधार शिकायत बता रिपोर्ट प्रेषित की जो साक्षयो के तौर पर मौजूद है।

उप जिलाधिकारी खागा न्यायिक का उसके पक्ष में आदेश भी स्वीकृत है। पीड़ित किसान ने पुलिस अधीक्षक से प्रशासनिक सहयोग मांगते हुए मकान बनवा न्याय दिलाने की मांग की है। मामले के बाबत क्षेत्राधिकारी खागा बृजमोहन राय ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है। गहनता से प्रकरण की जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी।

उत्तम उद्योग व्यापार मंडल की जिला कार्यकारिणी ने ली शपथ

फतेहपुर। उत्तम उद्योग व्यापार मंडल की जिला कार्यकारिणी का मनोनयन व शपथ ग्रहण समारोह रविवार को शहर के लखनऊ बाईपास रोड स्थित एक मैरिज लान में प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी की उपस्थिति में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल व विशिष्ट अतिथि भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित शिवहरे ने शिरकत की। प्रदेश अध्यक्ष ने संरक्षक मंडल में विनीत कुमार श्रीवास्तव, प्रशांत कुमार श्रीवास्तव, विकास कुमार श्रीवास्तव, सैय्यद नाजिश रजा, राकेश कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, भंवर सिंह, अनिल कुमार साहू को मनोनीत किया। जिलाध्यक्ष पद की कमान मनोज साहू, महामंत्री आशीष सिंह, संयुक्त महामंत्री जय किशन, कोषाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष अजीत कुमार विद्यार्थी, युवा जिलाध्यक्ष आकाश सिंह भदौरिया, के अलावा अन्य ट्रेडों के अध्यक्षों व सदस्यों को मनोनीत किया।

नपा अध्यक्ष विजय ने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ सुनी मन की बात

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर के मोहल्ला कुम्हारन टोला में स्थित कैम्प कार्यालय गौशाला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात के 119वें कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात का प्रसारण सुना। आज के मन की बात कार्यक्रम में मन की बात के दौरान, पीएम ने 100वें लॉन्च, भारत की। प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डाला। महिला दिवस पर एक विशेष सोशल मीडिया पहल की घोषणा की। मोटापे के बारे में जागरूकता बढ़ाई, भारत की खेल उपलब्धियों की सराहना की और वन्यजीव संरक्षण प्रयासों पर चर्चा की। पीएम ने छात्रों को उनकी परीक्षाओं में सफलता की शुभकामनाएं दीं और उन्हें तनाव मुक्त रहने के लिए प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ नेता अशोक सक्सेना, नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, कुम्भी मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार, शक्ति केन्द्र संयोजक सुनील मिश्रा, नगर मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा, बूथ अध्यक्ष प्रदीप खतौलिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष गीता विश्वकर्मा, गीता दुबे एसरिता गौढ, युवा मोर्चा नगर महामंत्री हिमांशु सिंह, एड राकेश त्रिपाठी, जीतू वर्मा, धीरज बाजपेयी आदि मौजूद रहे।

ब्लाक प्रमुख पति ने विशालू भंडारे का किया आयोजन

रसूलाबाद कानपुर देहात। सलेमपुर महेरा में स्थित मां दुर्गा मंदिर पर आयोजित वार्षिक विशाल भंडारे में हजारों भक्तों ने भाग लिया और प्रसादी ग्रहण की । यह आयोजन मां दुर्गा की आराधना और उनके प्रति श्रद्धा भाव का प्रतीक है। रसूलाबाद क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर महेरा में ब्लाक प्रमुख राधा दुबे के पति समाजसेवी किशन दुबे छुन्नी द्वारा प्रति वर्ष जगत जननी माता दुर्गा मंदिर पर वार्षिक भंडारे का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया जाता है। इसी क्रम में रविवार को हुए विशाल भंडारे में भक्तों का विशाल जनसमूह उमड़ा। कन्नौज के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक अपने परिवार के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे। जहां उन्होंने मंदिर में दर्शन करने के साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। उससे पहले ब्लाक प्रमुख राधा दुबेएसमाज सेवी किशन दुबे छुन्नीएअक्षय दुबेए पप्पू दुबेएश्याम बाबू दुबे सहित परिवारी जनो द्वारा जगत जननी मां दुर्गा की विधिवत मंत्रोउच्चारण के बीच पूजा अर्चना के हवन यज्ञ भी किया गया। किशन दुबे उर्फछुन्नी दुबे ने बताया कि उनके पिता जिलेदार द्विवेदी व दादा सूबेदार द्विवेदी के द्वारा इस प्राचीन मंदिर की नींव रखी गई थी। जिसके बाद उन्होंने मंदिर का कायाकल्प कराया। इसके बाद प्रति वर्ष दुर्गा माता के मंदिर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाने लगा। उन्होंने कहा कि लगातार 11 वें वर्ष भंडारा कराने का सौभाग्य मिला।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, बीडीओ डीपी यादव, बब्बन शर्मा, सदस्य जिला पंचायत जगदेव कुरील, सुशील अवस्थी, मीनू शुक्ला,

प्रमोद त्रिवेदी, अतुल यादव, श्याम बाबू दुबे, अरुण दुबे, पिंटू दुबे, शोभित दीक्षित, सज्जन पाठक, पंकज दुबेए हर्षित दुबे, संजीव त्रिपाठी, ग्राम प्रधान रोशन लालए प्रमोद कुमारए सत्य प्रकाश कठेरिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों का एमवी एक्ट की विभिन्न धाराओं में 105 वाहनों का चालान किया गया

कानपुर देहात। क्षेत्राधिकारी यातायात प्रिया सिंह द्वारा यातायात पुलिस/स्थानीय थाना पुलिस के साथ कस्बा झींझक में चेकिंग अभियान चलाया गया। शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को चेक किया तथा बिना हेलमेट के दो पहिया के वाहन चलानेए दो पहिया वाहन पर 03 सवारी बैठानेए बिना सीट बेल्ट लगाये चार पहिया वाहन चलाने वालों का चालान किया गया। सड़क पर टेम्पो व ई.रिक्शा खड़े करए किये गये अतिक्रमण को हटवाया गया तथा चालकों को निर्धारित स्थानध्स्टैण्ड पर ही वाहनों को खड़े करने हेतु निर्देशित किया गया तथा रेट्रो रेफ्लेक्टिव टेप लगाये गये व चेकिंग अभियान के दौरान आम नागरिकों व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया। अभियान के दौरान की गई कार्यवाही में एमवी एक्ट की विभिन्न धाराओं में 105 वाहनों का चालान किया गया।

क्विक न्यूज

रोडवेज बस की टक्कर से अधेड़ की मौत

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के बाईपास सब्जी मण्डी के समीप सड़क पार करते समय शनिवार की देर शाम रोडवेज बस की चपेट में आ जाने से 50 वर्षीय अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। किशनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी स्व0 मैकू का पुत्र रामनारायण शनिवार को खागा कस्बा अंतर्गत सब्जी मण्डी गया था। शाम लौटते समय जब वह सड़क पार कर रहा था इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। चालक मौके पर ही बस छोड़कर भाग जाने में सफल रहा। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

युवक ने जहर खाकर दी जान

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम पुरबुजुर्ग में शनिवार की शाम पारिवारिक कलह के चलते 23 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पुरबुजुर्ग गांव निवासी रामबली के पुत्र राहुल ने शनिवार की शाम घरेलू कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के अमौरा के समीप एनएच-2 में मजदूरी कर घर वापस जा रहे 35 वर्षीय युवक को सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई।थाना क्षेत्र के अमौरा गांव निवासी रामराज का पुत्र प्रदीप कुमार उर्फ पप्पू मजदूरी करता था। बताते हैं कि शहर से मजदूरी करने के बाद वाहन से अमौरा पहुंचा और वाहन से उतरकर सड़क पार कर रहा था। विपरीत दिशा से आ रहा अज्ञात वाहन उसे रौंदता हुआ निकल गया, उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

नए रेलवे ट्रैक से युवक का शव बरामद

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के जयरामनगर नई रेलवे लाइन से ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने लगभग 28 वर्षीय एक युवक का शव बरामद किया है। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के सेमरामऊ गांव निवासी विष्णु कुमार का पुत्र अनिल कुमार देर शाम घर से खाना खाकर निकल गया। काफी देर बीत जाने के बाद जब वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी खोज-बीन की। उसका कोई सुराग न लगा। पुलिस ने परिजनों को जानकारी दिया। मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त किया। पुलिस के अनुसार युवक की किसी ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौत हुई है।

बीमार युवती की मौत, दहेज हत्या का आरोप

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के गुरुवल गांव निवासी धीरज सिंह की पत्नी लम्बे समय से बिमारी में जूझ रही थी। इलाज जारी था। हालात गंभीर होते ही परिजन निजी अस्पताल ले गए, उपचार दौरान युवती की मौत हो गई। मायके पक्ष के परिजन भाई ने तहरीर दे दहेज हत्या का आरोप लगा कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्राधिकारी बृजमोहन राय व किशनपुर थाना प्रभारी दिवाकर सिंह मौके पर पहुंच जांच की। थाना प्रभारी ने बताया कि भाई की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। आरोपों की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है।

आनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

फतेहपुर। मत्स्य विभाग के प्रभारी अरुण कुमार पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन 15 फरवरी तक आमंत्रित किये गए थे। पोर्टल पर 22 फरवरी से 28 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन आमन्त्रित किये जा रहे हैं। मत्स्य विभाग की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ किसान लें। ऑनलाइन आवेदन के लिए मत्स्य विभाग की वेबसाइट एवं किसी भी कार्य दिवस पर मत्स्य विभाग के कार्यालय आबूनगर में संपर्क कर सकते हैं।

नई किरण में 30 मामले आये

पायनियर समाचार सेवा। कानपुर देहात

सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरुआत पुलिस अधीक्षक महोदय श्री बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में की गई। नई किरण में 30 मामले आयेए जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 02 परिवारों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया। पति.पत्नी खुशी.खुशी साथ रहने को तैयार हो गयेए शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी। प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है।

इस कार्यक्रम में महिला थानाध्यक्ष सुषमा, म0कां0 190 प्रियंका गुप्ता, म0कां0 785 स्फूर्तिए म0कां0 1282 आरती व म0कां0 111 ज्योती शिखा (महिला सहायता प्रकोष्ठ) तथा नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्यगण श्री रामप्रकाश, जिआउल हकए श्रीमती कंजन मिश्रा व डॉ0 पूनम गुप्ता आदि मौजूद रहे तथा सबका विशेष सहयोग रहा।

पांचवें दिन कृष्ण जन्मलीला का मनाया उत्सव

● नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की

असोथर (फतेहपुर)। नगर पंचायत के श्री मोटेमहादेव वार्ड स्थित कृष्णपाल सिंह के घर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक पंडित मयंक बाजपेयी ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का वर्णन सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं। वह अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं। जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देख भगवान श्री कृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत को नीचे बुला लेते हैं। जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं। जिसके बाद ब्रज में भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाने लगते हैं। मौके पर भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। वही कृष्णपाल सिंह के बड़े पुत्र नरेश सिंह पत्नी रेखा सिंह संग व्यास पण्डित मयंक बाजपेयी सहित उनके सभी सहयोगियों को अंगवस्त्र भेट कर आशीर्वाद लिया। भजन गायक अविनाश बाजपेयी, अनुपम मिश्रा, मनीष बाजपेयी ने भजन गाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर नगर पंचायत के लोग भारी संख्या में पहुंचे और श्रीमद्भागवत कथा में भजनो का आनंद लिया।

भाजपा सरकार में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मंहगी हो गयी हैंः डॉ. कमलेश यादव

● पीडीए परिचर्चा कार्यक्रम में भाजपा की जनविरोधी नीतियों पर साधा निशाना

गुरसहायगंज, कन्नौज। समाजवादी शिक्षकसभा कन्नौज द्वारा आयोजित पीडीए परिचर्चा कार्यक्रम में पीडीए गठबंधन पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कमलेश यादव प्रदेश प्रमुख महासचिव शिक्षकसभा ने बाबा साहब को याद करते हुए कहा कि उन्होंने संविधान के माध्यम से शोषण और नकारात्मक प्रभुत्व को रोकने का काम किया है।

रविवार को ग्राम तेराजाकेट में आयोजित पीडीए परिचर्चा कार्यक्रम का प्रमुख महासचिव ने शिक्षकसभा जिलाध्यक्ष अमित कुमार यादव के साथ संयुक्त रूप से माँ सरस्वती एवं बाबा साहब के चित्रों पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रमुख

प्रदेश प्रमुख महासचिव डा. कमलेश यादव का स्वागत करते जिलाध्यक्ष।

महासचिव डॉ कमलेश यादव का जिलाध्यक्ष सहित पदाधिकारियों ने फूल मालाएँ पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता में काबिज भाजपा सरकार में मंहगाई और बेरोजगारी चरम पर है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मंहगी हो गयी हैं। कहा कि भाजपा सरकार लगातार पीडीए समाज के लोगों का अधिकार छीनकर उन्हें कमजोर करने पर आमादा है। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाजवादी शिक्षकसभा प्रदेश सचिव शौर्य यादव ने कहा कि पीडीए का मुख्य उद्देश्य सभी जातियों को एक साथ लेकर चलना और उनके हक की बात उठाना। प्रदेश में काबिज भाजपा सरकार ने महाकुम्भ के नाम पर हजारों की जान ले ली और उनका सही आंकलन तक नहीं दिया। ऐसी संवेदनहीन सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में मुँह तोड़ जवाब देना है। समाजवादी शिक्षकसभा जिलाध्यक्ष अमित कुमार यादव ने कहा कि मौजूदा सरकार दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक विरोधी है। युवा शिक्षित होने के बावजूद बेरोजगार हैं। सरकार धार्मिक मुद्दों को उठाकर जनता को भटका रही है।

मानकों के अनुरूप कार्य की गति को तेज किया जाएः शुभ्रांत कुमार शुक्ला

● डीएम व एडीएम ने किया श्री राम मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण

गुरसहायगंज, कन्नौज। श्री राम मंदिर पनगवां ट्रस्ट अध्यक्ष/डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला एवं अपर जिलाधिकारी आशीष कुमार ने नगर के चौराहा स्थित श्री राम मंदिर के जिर्णोद्धार के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए आर्किटेक्ट चेतन शर्मा को सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर और मानकों के अनुरूप पूरे किए जाने के निर्देश दिए।

श्री राम मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य के औचक निरीक्षण दौरान जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने कहा कि श्री राम मंदिर का जिर्णोद्धार धार्मिक व सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आर्किटेक्ट चेतन शर्मा को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए और कार्य की गति को तेज किया जाए। एडीएम आशीष कुमार ने कहा कि मंदिर परिसर को अधिक भव्य और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। डीएम ने स्पष्ट किया कि मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समय-समय पर इसकी प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

रावण, बाणासुर व जनक की बाइकें चोरी

● वाहन गायब देख कलाकारों के उड़े होश

संवाददाता। फतेहपुर

चांदपुर थानाक्षेत्र के बुढन्दा गांव में शनिवार की रात राम विवाह लीला का मंचन होना था। जिसके लिए अलग-अलग जनपदों से बड़े-बड़े कलाकारों को बुलाया गया था। जिसमें राजा जनक जी का अभिनय करने के लिए कानपुर जनपद के पनकी के रतनपुर गांव निवासी अभिनेता आदित्य कुमार तो वही लंकापति रावण का अभिनय करने के लिए गौरव मिश्रा को बुलाया गया था। जबकि बाणासुर का अभिनय करने के लिए गंगा घाट थानाक्षेत्र के पिपरी गांव निवासी अभिनेता राम प्रकाश तिवारी को बुलाया गया था।

देर रात राम विवाह लीला का मंचन शुरू हुआ सभी कलाकार मंच पर अपनी कला से लोगों का मन मोह रहे थे। लोग टकटकी लगाए राम विवाह लीला का मंचन कर रहे थे। उसी दौरान अंधेरे का फायदा उठा अज्ञात चोरों ने उक्त तीनों कलाकारों की बाइक चोरी कर ले गए। सुबह जब लीला का मंचन खत्मकर कलाकार अपनी बाइकों के पास पहुंचे तो बाइके गायब थी। बाइकों को गायब देख कलाकारों के होश उड़ गए।

थोड़ी देर बाद ग्रामीणों संग कलाकारों ने बाइकों की काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला। जिसके बाद कलाकारों ने बाइक चोरी होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। चोरी गई बाइकों में एक अपाचे व दो पल्सर बाइकें शामिल है।

बांके बिहारी मंदिर में मनाया शिव अवतरण समारोह

● परमात्मा शिव का रूप ज्योर्तिबिंदु स्वरूपः नीरा

●डीएम, सीडीओ समेत सांसद ने विश्व बंधुत्व की भावना का लिया संकल्प

फतेहपुर। महाशिवरात्रि के पर्व पर ब्रह्माकुमारीज ज्वालागंज सेवा केंद्र की बहनों ने शिव सप्ताह मनाने का संकल्प किया। जिसका उदघाटन शिव अवतरण समारोह के रूप में रविवार को बांके बिहारी मंदिर में किया गया। केन्द प्रभारी ब्रह्माकुमारी नीरा दीदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि परमात्मा शिव का रूप ज्योर्तिबिंदु स्वरूप है। इसी की यादगार में द्वादश ज्योर्तिलिंगम का महत्व है। शिव के ज्योतिबिन्दु स्वरूप को सभी धर्म के लोग मानते है। मुस्लिम भाई उन्हें नूरे खुदा कहते हैं, इसाई धर्म में उन्हें गॉड इज लाइट कहते हैं। सिक्ख इसे ओंकार सतनाम कहते हैं। यही सनातन धर्म में उन्हे ज्योर्तिलिंगम के रूप में जाना जाता है। तभी यह सिद्ध होता हैं वो सबका मालिक हैं।

ब्रह्माकुमारी ममता बहन ने महाशिवरात्रि का अर्थ स्पष्ट किया। बीके पारूल ने बताया कि शिव पर हमलोग अक धतूरा तीन पत्रो की बेलपत्री ज्यो चढ़ाते है। इसका अर्थ है कि परमात्मा शिव ज्योतिस्वरूप ब्रह्मा विष्णु और शंकर तीनो देवताओ के भी रचयिता है। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना के अलावा सासंद नरेश उत्तम पटेल, डा0 अनुराग श्रीवास्तव, अशोक तपस्वी, सपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप सिंह यादव, भाजपा नेता प्रदीप गर्ग, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने शिरकत की। सभी ने मिलकर एक पिता परमात्मा की याद में दीप प्रज्जवलन करके विश्व बंधुत्व की भवना का संकल्प किया। छोटे बच्चों ने आध्यात्मिक सांस्कतिक कार्यक्रम करके सभी को भाव विभोर कर दिया। रवि साहू एण्ड पार्टी ने सुन्दर भजन प्रस्तुत करके सबको मंगमुग्ध कर दिया। ब्रह्माकुमारी विमला बहन ने संचालन किया। संगीता, शांति, सीमा, रंजीता ने सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया। दिनेश चन्द्रपाल एवं विश्वनाथ शुक्ला ने मिलकर प्रसाद वितरण किया।

एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताएं युवा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 119वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने युवाओं की भागीदारी से अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आ रही नई क्रांति पर प्रकाश डाला, युवाओं से एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताने का आह्वान किया और साथ ही मोटापे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए लोगों को इस समस्या से निपटने के लिए खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी लाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि इस बार आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वे एक ऐसी पहल करने जा रहे है जो नारी शक्ति को समर्पित होगा। उन्होंने कहा, मैं एक्स और इंस्टाग्राम जैसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक दिन के लिए कुछ ऐसी प्रेरक महिलाओं को सौंपूंगा, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, नवाचार किया है या अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 100वें प्रक्षेपण मिशन की सफलता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताने का आह्वान किया ताकि विज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा और बढ़े। उन्होंने इसरो के 100वें प्रक्षेपण मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक संख्या भर नहीं है बल्कि इससे अंतरिक्ष विज्ञान में नित नई ऊंचाइयों को छूने के भारत के संकल्प का भी पता चलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में भारत की सफलताओं की सूची काफी लंबी होती चली गई। उन्होंने कहा कि प्रक्षेपण यान का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो या आदित्य एल-वन या फिर एक ही रॉकेट से एक ही बार में 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो, इसरो की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है। मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 उपग्रह प्रक्षेपित किए गए हैं और इनमें दूसरे देशों के भी बहुत सारे उपग्रह भेजे गए हैं। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी की भी सराहना की। मोदी ने कहा कि उन्हें यह देखकर भी बहुत खुशी होती है कि आज अंतरिक्ष क्षेत्र युवाओं के लिए बहुत प्रिय बन गया है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले किसने सोचा होगा कि इस क्षेत्र में स्टार्टअप और निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों की संख्या सैकड़ों में हो

जाएगी। मोदी ने कहा, हमारे जो युवा जीवन में कुछ नया करना चाहते हैं, उनके लिए अंतरिक्ष क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बना है। कुछ दिन के भीतर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि बच्चों और युवाओं का विज्ञान में लगाव बहुत मायने रखता है। उन्होंने उनसे आह्वान किया कि वे अपना एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताकर देखें। मोदी ने कहा, आप अपनी सुविधा के अनुसार अपनी मर्जी के अनुसार कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन किसी रिसर्च लैब, तारामंडल या अंतरिक्ष केंद्र जरूर जाएं। इसे लेकर विज्ञान को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई के क्षेत्र में भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है और भारत के लोग नई प्रौद्योगिकी अपनाने में किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में जब वे एआई के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गए तो वहां दुनिया ने इस क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की। भारत के लोग आज एआई का इस्तेमाल किस-किस तरह से कर रहे हैं इसके उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के आदिलाबाद के सरकारी स्कूल के एक शिक्षक थोडासम कैलाश की चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैलाश एआई का उपयोग कोलामी बोली सहित कई अन्य जनजातीय बोलियों में गाने तैयार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, युवाओं की भागीदारी से अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नई क्रांति आ रही है। उन्होंने स्वस्थ देश के लिए मोटापे की समस्या से निपटने पर बल देते हुए देशवासियों से खाने के तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती करने का आह्वान किया। उन्होंने एक शोध का हवाला देते हुए कहा कि आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है और बीते कुछ वर्षों में ऐसे मामले दोगुने हो गए हैं। उन्होंने कहा, इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में दुनिया-भर में करीब 250 करोड़ लोगों का वजन आवश्यकता से भी कहीं ज्यादा था। उन्होंने कहा, ए आंकड़े बेहद गंभीर हैं और हम सभी को सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिक वजन या मोटापा कई तरह की परेशानियों को, बीमारियों को भी जन्म देता है लेकिन सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं। उन्होंने इसका तरीका सुझाते हुए कहा, खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी करना। आप तय कर लीजिए कि हर महीने 10 प्रतिशत कम तेल उपयोग करेंगे। आप तय कर सकते हैं कि जो तेल खाने के लिए खरीदा जाता है, खरीदते समय ही अब 10 प्रतिशत कम ही खरीदेंगे। मोदी ने तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती करने के साथ ही कहा कि वह 10 लोगों से ऐसा करने का अनुरोध करें और फिर वे 10 लोग अन्य 10 व्यक्तियों को ऐसा करने की चुनौती दें।

यूएसएड ने पिछले वित्त वर्ष में भारत में सात परियोजनाओं को वित्त पोषित किया

नई दिल्ली(भाषा)। भारतीय चुनावों को प्रभावित करने में यूएसएड की कथित भूमिका को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच वित्त मंत्रालय की हालिया वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि एजेंसी ने 2023-24 में 75 करोड़ डॉलर मूल्य की सात परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में यूएसएआईडी द्वारा भारत सरकार के साथ साझेदारी में कुल लगभग 75 करोड़ डॉलर के बजट की सात परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) द्वारा सात परियोजनाओं के तहत कुल 9.7 करोड़ डॉलर (लगभग 825 करोड़ रुपए) का दायित्व दिया गया है। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों का विभाग ने रिपोर्ट में 2023-24 में वित्त पोषित परियोजनाओं का विवरण भी साझा किया है। आर्थिक मामलों का विभाग द्विपक्षीय वित्तपोषण व्यवस्था के लिए नोडल विभाग है। वर्ष के दौरान, मतदाता मतदान को बढ़ाने के लिए कोई धनराशि उपलब्ध नहीं कराई गई, लेकिन कृषि एवं खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमअ जल, स्वच्छता एवं आरोग्य (वाश)अ नवीकरणीय ऊर्जाअ आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से संबंधित परियोजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा, इसमें कहा गया कि सतत वन एवं जलवायु अनुकूलन कार्यक्रम तथा ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी व्यावसाईकरण एवं नवाचार परियोजना के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई। भारत को अमेरिका की द्विपक्षीय विकास सहायता 1951 में शुरू हुई थी और इसे मुख्य रूप से यूएसएड के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। अपनी शुरुआत के बाद से, यूएसएड ने 555 से अधिक परियोजनाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में भारत को 17 अरब डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

संभल में शाही जामा मस्जिद की सफाई और सजावट के लिए प्रबंधन ने एएसआई से मांगी अनुमति

संभल (भाषा)। संभल की शाही जामा मस्जिद के प्रबंधन ने रमजान के पवित्र महीने से पहले मस्जिद की सफाई, पेंटिंग और सजावट के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से अनुमति मांगी है। जामा मस्जिद समिति के सदर (अध्यक्ष) जफर अली ने पत्रकारों को बताया कि सफाई और सजावट के लिए मंजूरी का अनुरोध करते हुए एएसआई को एक औपचारिक पत्र भेजा गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एएसआई की ओर से बिना किसी आपत्ति के सदियों से मस्जिद की सफाई और सजावट की जाती रही है। हालांकि, शहर में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर समिति ने इस बार आधिकारिक अनुमति लेने का फैसला किया है। अली ने स्पष्ट किया कि अतीत में कानूनी तौर पर कोई आपत्ति नहीं उठाई गई है, लेकिन 2018 में सार्वजनिक सुविधा के लिए ग्रिल लगाने के संबंध में एक मुद्दा सामने आया था, जिसे पिछली समिति ने संभाला था। एएसआई से उनकी अपेक्षा के बारे में पूछे जाने पर अली ने कहा कि वे रमजान से पहले मस्जिद की सफाई, पेंटिंग और सजावट की लंबे समय से चली आ रही परंपरा को जारी रखने के लिए औपचारिक मंजूरी मांग रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एएसआई इस संबंध में अनुमति देगा।

संभल में सुरक्षा के लिए 127 स्थानों पर लगाए जाएंगे 300 सीसीटीवी कैमरे

संभल(भाषा)। संभल में पिछले साल हुई हिंसक घटनाओं को लेकर प्रशासन शहर की सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों सहित 127 स्थानों पर 300 क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाने जा रहा है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) मणि भूषण तिवारी ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के अनुदान के तहत दो करोड़ रुपए के सीसीटीवी कैमरे निगरानी के लिए शहर भर में लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 24 नवंबर को संभल के कोट गर्वी इलाके में मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई जिसमें गोली लगने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

स्वास्थ्य केंद्रों में धोखाधड़ी कर नौकरी प्राप्त करने के आरोप में 15 के खिलाफ मामला

बलिया (भाषा)। बलिया जिले के प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी करने के आरोप में दो महिलाओं समेत 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ विजय पति द्विवेदी की शिकायत पर बलिया शहर कोतवाली में शनिवार रात चंद्रा, गीता यादव, उपेन्द्र , जितेंद्र यादव, संतोष कुमार, अनिल कुमार, अजय कुमार, विकास यादव, आशीष कुमार सिंह, अनिल , संदीप कुमार, शिवम यादव, विवेक कुमार, अंकित कुमार और राहुल के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 409, 419, 420 (धोखाधड़ी), 468, 471 (दस्तावेज़ों में हेरफेर) और 120 बी (साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपी बलिया जिले के ही रहने वाले हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विजय पति द्विवेदी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि सभी आरोपी जिले के विभिन्न प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्टाफ नर्स के पद पर तैनात थे। डॉ. द्विवेदी के मुताबिक उन्हें पता चला कि जिले के विभिन्न प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कुछ तथाकथित कर्मचारी फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए सात सदस्ईय जांच टीम गठित कर मामले की जांच कराई गई और जांच में मामला संदिग्ध मिलने पर तीन अक्टूबर 2024 को कर्मियों से काम नहीं लेने और उनके वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही कर्मचारियों को नियुक्ति संबंधी दस्तावेजों का भी सत्यापन कराने का निर्देश दिया गया। सीएमओ ने बताया कि इस निर्देश के बाद सभी कर्मी फरार हो गए साथ ही स्वास्थ्य निदेशालय ने जांच के बाद स्पष्ट किया कि नियुक्तियां अवैध हैं। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मथुरा में दबंगों ने दो दलित दुल्हन और बारातियों को पीटा, नहीं हुआ विवाह, पांच आरोपी गिरफ्तार

मथुरा (भाषा)। मथुरा जिले के रिफाइनरी थाना क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने मामूली विवाद पर अनुसूचित जाति (दलित) की दो दुल्हन व बारातियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की जिससे बारात लेकर पहुंचे दूल्हे बिना विवाह किए ही लौट गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि अन्य आरोपियों की धर-पकड़ के लिए दबिश दी जा रही है।

रिफाइनरी थाना क्षेत्र के गांव करनावल निवासी एक व्यक्ति की दो बेटियों की शादी शुक्रवार रात को होनी थी। उनकी बारात जिले के ही गोवर्धन थाना क्षेत्र के गांव सामई खेड़ा (पूंछरी) से आई थी। रात करीब साढ़े नौ बजे दोनों दुल्हन अपनी बुआ व फूफा के साथ ब्यूटी पार्लर से कार में बैठकर लौट रही थीं, तभी रास्ते में गौशाला गांव के समीप करनावल के ही निवासी लोकेश, रोहताश और सतीश की बाइक से कार टच हो गई। पुलिस के मुताबिक, इस पर बाइक सवार युवकों ने कार चालक (दुल्हन के फूफा) से हाथापाई शुरू कर दी। यह देख दोनों दुल्हनों ने विरोध किया तो उन्हें व उनकी बुआ को भी कार से खींच लिया और उनकी पिटाई कर दी। आरोप है कि उनके मुंह पर कीचड़ भी फेंका। पुलिस ने बताया कि जब इसकी सूचना दुल्हन के परिजनों को मिली तो वे मौके पर पहुंच गए। कुछ बाराती भी उनके साथ हो लिए।

पुलिस ने कहा कि हमलावर युवकों ने भी अपने पक्ष के लोगों और परिजनों को बुला लिया और दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई, जिसमें दुल्हन के पिता के सिर में चोट आईं और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि हमलावरों में से एक सतीश ट्रैक्टर-ट्रॉली में अपने अन्य साथियों को लेकर विवाह स्थल पर पहुंच गया और उसने वधू पक्ष के घर के बाहर खड़े दो वाहनों में टक्कर मारकर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। रिश्तेदारों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया तो सभी को पीटना शुरू कर दिया। कुछ बारातियों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उन्हें भी पीटा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह गांव में कई घंटे तक पंचायत हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा कि पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर लोकेश, सतीश, श्रीपाल, शिशुपाल, रोहताश, अजय, निशांत, उद्धल, ब्रजेश, दीपू, शुभम, पवन, बटुआ, अनिल और अमित समेत कई अज्ञात लोगों (सभी गांव गौशाला निवासी) के खिलाफ दंगा, घातक हथियारों से हमला, बंधक बनाने, छिनैती, हत्या का प्रयास, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, अपमान करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

दूसरी ओर, इस घटना से डरी-सहमी बारात दुल्हनों को ब्याहे बिना लौट गई। पुलिस व अन्य लोगों के लाख समझाने पर भी दूल्हे फेरे लेने तक के लिए तैयार नहीं हुए। रिफाइनरी थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सोनू कुमार ने बताया कि नामजद आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। मथुरा के नगर क्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि मामले के नामजद आरोपी रोहताश यादव सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पेज 1 का शेष

भारत की...

डीप में अक्षर के हाथों लपकवाया। कुलदीप ने सलमान आगा और शाहीन शाह अफरीदी को लगातार दो गेंदों पर आउट किया हालांकि हैट्रिक नहीं ले सके। नसीम शाह उनका तीसरा शिकार बने। आखिर में खुशदिल ने 39 गेंद में 38 रन बनाए जिसमें पाकिस्तानी पारी का पहला छक्का शामिल था।

तेलंगाना...

बचाव अभियान में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरंग में ऑक्सीजन और बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करा दी गई है तथा जल निकासी और गाद निकालने का कार्य भी चल रहा है। अभी तक हमारा फंसे हुए लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है। बचावकर्मी अंदर जाकर देखेंगे और फिर हम कुछ बता पाएंगे। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि कल रात एक टीम सुरंग के अंदर गई थी। वहां बहुत सारा मलबा है और टीबीएम भी क्षतिग्रस्त है और उसके हिस्से अंदर बिखरे पड़े हैं। उन्होंने कहा, 13.5 किलोमीटर के बिंदु से ठीक पहले दो किलोमीटर पर जलभराव है। यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है और इस कारण हमारे भारी उपकरण अंतिम बिंदु तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। जल निकासी का काम पूरा करना होगा, जिससे उपकरण आगे तक पहुंच सकें। इसके बाद ही मलबा हटाने का काम शुरू हो सकता है। पानी निकालने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए अतिरिक्त मोटरों का इस्तेमाल किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि 13.5 किलोमीटर दूर पहुंचने के बाद टीम ने फंसे हुए लोगों को बुलाया, लेकिन उनसे कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि इस बिंदु के बाद अब भी 200 मीटर का हिस्सा है और उनके पास पहुंचने के बाद ही स्थिति का पता चल पाएगा।

कैग के...

सक्सेना के सदन को संबोधित करने के बाद सदन के पटल पर रखी जाएंगी। लंबित सीएजी रिपोर्ट हैं, दिल्ली में शराब आपूर्ति पर निष्पादन ऑडिट, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट, 31 मार्च 2020 और 2021 को समाप्त वर्षों के लिए राजस्व, आर्थिक, सामाजिक और सामान्य क्षेत्र और पीएसयू, 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए दिल्ली में वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम और शमन का निष्पादन ऑडिट, 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों का निष्पादन ऑडिट, मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट, मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट, सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर निष्पादन ऑडिट, दिल्ली परिवहन निगम के कामकाज पर सीएजी की निष्पादन ऑडिट रिपोर्ट, 31 मार्च 2022 के लिए सीएजी की निष्पादन ऑडिट रिपोर्ट, 31 मार्च 2023 के लिए राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट सीएजी और राजस्व, आर्थिक, सामाजिक और सामान्य क्षेत्र और पीएसयू और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का निष्पादन ऑडिट अनुपालन लेखापरीक्षा रिपोर्ट 2022। भाजपा लंबे समय से सीएजी रिपोर्ट को पेश करने की मांग कर रही है, विपक्ष में रहने के दौरान भी उन्होंने यही रुख अपनाया था। पिछले साल भाजपा ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें तत्कालीन आतिशी सरकार को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देने का आदेश देने का अनुरोध किया था। संवाददामा सम्मेलन में गुप्ता ने दिल्ली सरकार की खराब वित्तीय सेहत पर प्रकाश डाला और कहा कि महिला समृद्धि योजना के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों के साथ कई चरणों की बैठकें हो चुकी हैं, जिसके तहत दिली में पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह दिए जाने हैं। योजना को लागू करने की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, पिछली सरकार ने जो स्थिति हमारे लिए छोड़ी है। जब हम मौजूदा सरकार की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठे, तो हमने पाया कि सरकारी खजाना खाली है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली वालों ने देखा है कि आप क्या कर रहे हैं, उनकी कार्यशैली क्या है। पिछले 12 सालों में उनका विजन क्या रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का फोकस दिल्ली के विकास पर है। दिल्ली विधानसभा सत्र के बारे में उन्होंने कहा, पहले सत्र में सभी 70 विधायक शपथ लेंगे और अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष दोनों का चुनाव किया जाएगा। उपराज्यपाल सुबह प्रोटेम स्पीकर को शपथ दिलाएंगे और यह तीन दिवसीय सत्र है। गुप्ता ने कहा कि तीन दिवसीय विधानसभा सत्र में विकास परियोजनाओं पर चर्चा होगी, जिसमें नकारात्मकता के लिए कोई जगह नहीं होगी। पार्टी ने रोहिणी से तीन बार विधायक रह चुके विजेंद्र गुप्ता और करावल नगर तथा मुस्तफाबाद से छह बार विधायक रह चुके मोहन सिंह बिष्ट के नाम की घोषणा भी अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के रूप में की। संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर तथा मीडिया सह-प्रभारी विक्रम मित्तल भी मौजूद थे।

दिल्ली विधानसभा..

आम आदमी पार्टी के विधायक दल के नेता की चयन प्रक्रिया ऑब्जर्वर सांसद डॉ. संदीप पाठक की देखरेख में हुई। विधायक संजीव झा ने पूर्व सीएम आतिशी को नेता प्रतिपक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा। विधायक कुलदीप कुमार और जरनैल सिंह ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके बाद सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के नाम पर मुहर लगा दी। आतिशी का एलओपी चुनाव जाना इसलिए महत्वपूर्ण है कि क्योंकि हाल ही संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में आप के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और सौरभ भारद्वाज अपनी-अपनी सीटों से चुनाव हार गए थे। राय ने कहा कि दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। आतिशी विधानसभा के अंदर नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन करेंगी। इससे पहले भी उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण समय में दिल्ली की मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। साथ ही आप सरकार में मंत्री के रूप में भी काम कर चुकी हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने अब तक जनहित में जो काम किया है, वे उनकी रक्षा करेंगे। इसके अलावा, भाजपा ने दिल्ली की जनता से जो वादे किए हैं, जिनके आधार पर जनता ने उन्हें चुना है, अगर वह अपने वादे से मुकरते हैं, तो एक सशक्त और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए विधायक दल मिलकर सदन में इस काम को आगे बढ़ाएगा। बैठक के दौरान आप के नवनिर्वाचित विधायकों ने विधानसभा के पहले सत्र में उठाए जाने वाले एजेंडे पर भी चर्चा की। वहीं आतिशी ने पार्टी द्वारा भरोसा दिखाने और नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आम आदमी पार्टी के प्रमुख और विधायक दल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत विपक्ष के रूप में आम आदमी पार्टी सदन के अंदर पूरी ताकत से जनता की आवाज उठाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहला बड़ा वादा किया था कि कैबिनेट की पहली बैठक में दिल्ली की हर महिला को प्रति माह 2500 रुपए देने की योजना पास की जाएगी और 8 मार्च तक पहली किश्त आ जाएगी। पीएम ने चुनाव प्रचार के दौरान यह गारंटी दी थी। लेकिन कैबिनेट की पहली बैठक हो गई और उसमें इस स्कीम पर चर्चा तक नहीं हुई। विपक्ष के तौर पर भाजपा की जवाबदेही तय करना आम आदमी पार्टी की जिम्मेदारी रहेगी। वह उसे दिलवा कर रहेंगी। विस में 14 लंबित सीएजी रिपोर्ट को पेश करने के भाजपा के फैसले के बारे में पूछे जाने पर आतिशी ने भाजपा पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में विधानसभा अध्यक्ष को भेजी थी। उन्हें किसी भी स्थिति में नए सदन के पहले सत्र में पेश किया जाना था। भाजपा यह भ्रांति फैला रही है कि उन्होंने रिपोर्ट पेश करने का फैसला किया है, जो पूरी तरह गलत है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि सीएजी की रिपोर्ट में जो कुछ भी है, उसे दिल्ली की जनता के सामने पेश किया जाना चाहिए।

यूएसएड...

ट्रंप ने हाल के दिनों में चौथी बार दावा किया है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने भारत को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि आवंटित की। कांग्रेस ने ट्रंप के इस दावे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी से इस मामले पर अपने मित्र (ट्रंप) से बात करने और आरोप का दृढ़ता से खंडन करने का आग्रह किया है। कांग्रेस ने विकास एजेंसियों, सहायता तंत्रों और बहुपक्षीय मंचों की ओर से भारत को दी जा रही धनराशि पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। पार्टी ने विश्वसनीय नागरिक समाज के सदस्यों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और राजनीतिक दलों के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए आरएसएस-भाजपा और उनके पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की। वाशिंगटन में गवर्नर्स वर्किंग सेशन को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा था, भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी को 2.1 करोड़ डॉलर दिए जा रहे हैं। हम भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर दे रहे हैं। हमारा क्या। मैं भी मतदान प्रतिशत बढ़ाना चाहता हूं। शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम की एक वीडियो क्लिप साझा की। ट्रंप ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने के लिए एक ऐसी फर्म को पैसा दिया गया, जिसके बारे में किसी ने कभी सुना ही नहीं था।

जलवायु...

सब कुछ रखती है। उनके पास सिंचाई के लिए ड्रोन भी हैं। सोनी ने बताया कि ड्रोन तकनीक उनके लिए गेम-चेंजर साबित हुई है। यह खेतों में समान रूप से पानी का छिड़काव करता है, जिससे पानी का कुशल उपयोग सुनिश्चित होता है और श्रम लागत कम होती है। हम 300-500 रुपये में मात्र 5-7 मिनट में एक एकड़ भूमि की सिंचाई कर सकते हैं। ड्रोन के बिना, इस कार्य में 3-4 घंटे लगते और श्रम लागत बहुत अधिक होती। लेकिन ड्रोन रखना काफी खर्चिला है क्योंकि बैटरी एक बार चार्ज करने पर केवल 10-15 मिनट चलती है और बैटरी बदलने में लगभग 90,000 रुपये का खर्च आएगा। सोनी की यात्रा जीविका उपार्जन में एक बड़े आंदोलन का हिस्सा है, जो राज्य स्तरीय महिला सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण कार्यक्रम है, जिसने उन्हें प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान किया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक 5,178 एई 8 लाख से अधिक किसानों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और 2,21,000 एकड़ भूमि को कवर कर रहे हैं। वे बीज, कीटनाशक, उर्वरक, कृषि उपकरण प्रदान करते हैं और नर्सरी प्रबंधन, सामूहिक विपणन और डिजिटल बैंकिंग पर सेवाएं प्रदान करते हैं। प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल इंडिया में महिला आर्थिक सशक्तिकरण के कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि एई द्वारा अब तक अर्जित कुल लाभ 1.54 करोड़ रुपये है। उनके साथ मिलकर काम करने वाले कुमार ने कहा कि वे जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक 5,178 एई आठ लाख से अधिक किसानों को सेवाएं प्रदान कर रही हैं और 2,21,000 एकड़ भूमि के लिए सेवाएं प्रदान कर रही हैं। वे बीज, कीटनाशक, उर्वरक, कृषि उपकरण प्रदान करती हैं और नर्सरी प्रबंधन, सामूहिक विपणन और डिजिटल बैंकिंग पर सेवाएं प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, मुशहरी की चंचल देवी किसानों को पालक, लाल साग और खीरा जैसी जल-कुशल फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। चंचल ने कहा पानी की कमी को देखते हुए, हमें ऐसी फसलें चाहिए जो कम पानी में तैयार हों। वह किसानों को यह भी सिखाती हैं कि कैसे एक साथ कई फसलें उगाई जा सकती हैं, जैसे कि पानी और संसाधनों को बचाने के लिए मिट्टी-गहन पौधों के साथ-साथ लताएँ लगाना। चंचल की दुकान से बीज और उर्वरक खरीदने वाली किसान सरिता कुमारी ने बताया कि अनिश्चित मौसम की स्थिति ने खेती को बहुत अप्रत्याशित व्यवसाय बना दिया है। एक किसान ने कहा, पहले हमें बीज खरीदने के लिए नजदीकी शहर जाना पड़ता था और वहां भी हमें पारंपरिक बीज मिलते थे, जलवायु अनुकूल बीज नहीं। इसलिए यह निश्चित रूप से मददगार है। हमने ड्रोन सिंचाई का बहुत अधिक उपयोग नहीं किया है, लेकिन यह यहाँ लोकप्रिय हो रहा है। अधिकांश कृषि-उद्यमी बिहार के समस्तीपुर में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय से अपने बीज प्राप्त करते हैं।

अंग्रेजी...

धारणा को मानते हैं। यह भी आशंका रहती है कि नौकरी से जुड़ी भूमिका और शैक्षिक पृष्ठभूमि का लोगों के साथ किए जाने वाले व्यवहार पर असर पड़ता है। 10 में से सात उत्तरदाताओं, विशेष रूप से महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश का मानना है कि अगर उनके पास प्रतिष्ठित नौकरी या मजबूत शैक्षिक पृष्ठभूमि है, तो उनके साथ अधिक सम्मानजनक तरीके से व्यवहार किया जाएगा। सर्वेक्षण के अनुसार, पांच में से तीन (63 प्रतिशत) परीक्षार्थी, खास तौर पर आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में, मानते हैं कि अंग्रेजी बोलते समय भारतीय लहजा ना अपनाने से परीक्षा के अंकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। माना जाता है कि कोई व्यक्ति बाहर से कैसा दिखता है, यह भी उसके परिणामों को प्रभावित करता है। पंजाब में यह बात सबसे ज्यादा प्रबलता से महसूस की जाती है, जहां राज्य के 77 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि उनकी वेशभूषा उनके बोलने की परीक्षा के परिणामों को प्रभावित कर सकती है। लगभग दो में से तीन (64 प्रतिशत) उत्तरदाताओं का मानना है कि एक निश्चित उच्चारण होने से उन्हें बालने से जुड़े परीक्षण में बेहतर अंक प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। तमिलनाडु के लोगों सहित 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि अमेरिकी उच्चारण बेहतर अंक दिलाने में योगदान देता है, जबकि 21 प्रतिशत खासकर उत्तर प्रदेश के लोगों का कहना है कि ब्रिटिश उच्चारण उनके लिए फायदेमंद होगा। पियर्सन की पिछले महीने पेश की गई ग्लोबल इंग्लिश प्रोफिशिएंसी रिपोर्ट के अनुसार, अंग्रेजी बोलने में भारत वैश्विक औसत से ऊपर है जिसमें दिल्ली सबसे आगे है और उसके बाद राजस्थान का स्थान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का औसत अंग्रेजी कौशल अंक (52) वैश्विक औसत (57) से कम है, जबकि अंग्रेजी बोलने के मामले में देश का अंक (57) है जो वैश्विक औसत से (54) अधिक है।

असम मंत्रिमंडल ने व्यापार सम्मेलन से पहले 1.22 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

गुवाहाटी(भाषा)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा है कि असम मंत्रिमंडल ने राज्य व्यापार शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण से पहले रविवार को 1.22 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी। मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि यहां एडवांटेज असम-2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित होने वाले सभी सहमति पत्रों की मंत्रिमंडल द्वारा उचित जांच की जाएगी और फिर उन्हें मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने 45,000 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (एमओयू) को खारिज कर दिया क्योंकि ए कमजोर आधार पर पाए गए। उन्होंने कहा, हम लोगों के बीच अनावश्यक उत्साह पैदा नहीं करना चाहते, हम उचित और तर्कसंगत होना चाहते हैं। उन्होंने मंत्रिमंडल पर कहा कि मंजूरी से पहले सभी प्रस्तावों पर विचार किया गया था। दो दिवसीय एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ-साथ लगभग 60 देशों के राजदूतों और कई देशों के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के शामिल होने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा, कैबिनेट ने आज 1.22 लाख करोड़ रुपए के एमओयू को मंजूरी दी और इनके बारे में विस्तृत जानकारी शिखर सम्मेलन के दौरान साझा की जाएगी। हमने तय किया था कि सुअर पालन क्षेत्र में कोई एमओयू नहीं होगा। इसके अलावा, हथकरघा और कपड़ा से लेकर बिजली, उद्योग और खानों और खनिजों तक विभिन्न क्षेत्रों में एमओयू को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत समझौता ज्ञापनों के अलावा शिखर सम्मेलन के दौरान कुछ कंपनियों द्वारा निवेश की घोषणा भी होने की संभावना है। शिखर सम्मेलन के माध्यम से घोषित किए जाने वाले समझौता ज्ञापनों और निवेशों को मोटे तौर पर चार खंडों- निवेश के लिए घोषणाएं, बुनियादी ढांचे के लिए घोषणाएं, वित्तीय समझौता ज्ञापन और गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन में वर्गीकृत किया जा सकता है। इनमें से कुछ निवेश घोषणाएं सरकारी क्षेत्र द्वारा, कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा तथा कुछ निजी पक्षों द्वारा भी की जाएंगी। शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही दो दिनों तक चलने वाले इस विशाल कार्यक्रम के दौरान जिला आयुक्तों (डीसी) के कार्यालयों में 50 करोड़ रुपए तक के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मोदी ने महाकुंभ को एकता से जोड़ा

●भारत की धार्मिक परंपराओं का मजाक उड़ाने वालों की निंदा की

भाषा। छतरपुर (मप्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ पर आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर नेताओं के एक वर्ग को रविवार को आड़े हाथों लिया और कहा कि 'गुलाम मानसिकता वाले लोग विदेशी ताकतों के समर्थन से देश की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान केंद्र और कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए प्रयागराज में जारी महाकुंभ को एकता का महाकुंभ करार दिया। मोदी ने प्रयागराज में 144 वर्षों के बाद हो रहे महाकुंभ के धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हो रहा है। बागेश्वर धाम भगवान हनुमान से जुड़ा मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां हजारों लोग आते हैं।

मोदी ने कहा, नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है। लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। उन्होंने कहा, हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ए लोग सदियों से किसी न किसी वेश में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ए लोग हमारे मठ, मंदिरों पर हमारे संत, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ए लोग हमारे पर्व, परम्पराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो धर्म, जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, उस पर कीचड़ उछालने की ए हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा है। मोदी की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कुप्रबंधन और भगदड़ की घटनाओं का हवाला देते हुए महाकुंभ को मृत्यु कुंभ करार दिए जाने के बाद उठे विवाद के बीच आई है। ममता ने अधिकारियों पर मृतकों की संख्या दबाने का भी आरोप लगाया था। महाकुंभ को सफल आयोजन बनाने में स्वच्छता कर्मियों और पुलिस कर्मियों की भूमिका की प्रशंसा करते हुए, मोदी ने कहा कि इस 'एकता के महाकुंभ' में हजारों डॉक्टर और स्वयंसेवक स्वेच्छा से समर्पण और सेवा की भावना से लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'यह एकता का महाकुंभ है जहां हजारों डॉक्टर और स्वयंसेवक समर्पण और सेवा की भावना के साथ काम कर रहे हैं। एकता के महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु इन प्रयासों की सराहना कर रहे हैं। मोदी ने महाकुंभ में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा जरूरतमंद लोगों को प्रदान की गई सेवाओं की भी प्रशंसा की। कैंसर जैसी घातक बीमारी से लड़ने में अपनी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि अगले तीन वर्षों में देश के सभी जिलों में कैंसर डे- केयर सेंटर खोले जाएंगे। उन्होंने कैंसर से लड़ने के लिए बजट में किए गए प्रावधानों और कैंसर की दवाओं को सस्ता करने के निर्णय का भी जिक्र किया। श्री बागेश्वर आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान के तहत स्थापित होने वाला कैंसर अस्पताल बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर संत धीरेंद्र शास्त्री की योजना है। मोदी ने कहा कि पहले चरण में 218 करोड़ रुपए की लागत से 10 एकड़ क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल अगले दो वर्षों में बनाया जाएगा।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी फ्रांस की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना

भाषा। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सोमवार को पेरिस में अपने फ्रांसीसी समकक्ष जनरल पियरे शिल के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।सेना प्रमुख ने भारत–फ्रांस सैन्य सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से रविवार को फ्रांस की पांच दिवसीय यात्रा शुरू की।भारतीय सेना ने कहा, जनरल द्विवेदी की यात्रा का उद्देश्य भारत और फ्रांस के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करना, सहयोग के नए रास्ते तलाशना और दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाना है। इसमें कहा गया है कि सेना प्रमुखों के बीच बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना होगा।जनरल द्विवेदी के यात्रा कार्यक्रम में पेरिस के प्रतिष्ठित सैन्य स्कूल और संस्थान परिसर, इकोले मिलिटेयर का दौरा भी शामिल है।संस्थान में उन्हें फ्यूचर कॉम्बैट कमांड (सीसीएफ) के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, जनरल द्विवेदी को फ्रांसीसी सेना के तकनीकी अनुभाग (एसटीएटी) में जानकारी दी जाएगी तथा वे वर्सेल्स में बैटल लैब टेरे का दौरा करेंगे।जनरल द्विवेदी 25 फरवरी को मार्सेई जाएंगे, जहां वे फ्रांसीसी सेना की तीसरी डिवीजन का दौरा करेंगे और उन्हें इसके मिशन व भूमिका, भारत–फ्रांस प्रशिक्षण सहयोग तथा फ्रांसीसी सेना के आधुनिकीकरण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जाएगी।भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि अगले दिन वह कार्पियाग्ने का दौरा करेंगे और लाइव फायरिंग अभ्यास के साथ स्कॉर्पियन डिवीजन का गतिशील प्रदर्शन देखेंगे।थल सेनाध्यक्ष 27 फरवरी 2025 को प्रथम विश्व युद्ध में भाग लेने वाले शहीद भारतीय सैनिकों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए न्यूवे चैपल भारतीय युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे। बाद में, वह फ्रांसीसी संयुक्त स्टाफ कॉलेज, इकोले डे गुएरे में एक व्याख्यान देंगे, जिसमें आधुनिक युद्ध की विकासशील प्रकृति और भारत की रणनीतिक दृष्टि पर प्रकाश डाला जाएगा।

बिजली इंजीनियरों के संगठन का देशव्यापी हड़ताल का आह्वान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्युत अभियंता महासंघ (एआईपीईएफ) ने रविवार को बिजली क्षेत्र में निजीकरण के विरोध में 26 जून को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। एआईपीईएफ ने रविवार को एक बयान में कहा कि बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति ने बिजली उपयोगिताओं और विभागों के निजीकरण के विरोध में 26 जून को देशव्यापी हड़ताल का सहारा लेने का फैसला किया है।बयान के अनुसार, एनसीसीओईईई ने निर्णय लिया है कि राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए अप्रैल और मई माह में देश के सभी प्रांतों में बड़े सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में निजीकरण की चल रही प्रक्रिया के विरोध में एनसीसीओईईई चार बड़ी रैलियां करेगा।एनसीसीओईईई महासभा ने एक प्रस्ताव में चंडीगढ़ के लाभ कमाने वाले बिजली विभाग के निजीकरण की आलोचना की और इसे बेहद आपत्तिजनक बताया। प्रस्ताव में कहा गया है कि शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली और परिसंपत्ति मुद्रीकरण के नाम पर पारेषण क्षेत्र का बड़े पैमाने पर निजीकरण किया जा रहा है।इसमें कहा गया है कि बिजली उत्पादन के निजीकरण का अभिशाप आम उपभोक्ताओं को बिजली उत्पादन के क्षेत्र में बहुत महंगी बिजली के रूप में झेलना पड़ रहा है।

बेंगलुरु में हिस्ट्रीशीटर की हत्या

बेंगलुरु शहर में शनिवार देर रात एक हिस्ट्रीशीटर की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हैदर अली एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद लौट रहा था। देर रात करीब डेढ़ बजे गरुड़ मॉल के पास उसके विरोधी गुट ने उसकी कार रोकी और उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि हैदर अली के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज है। हैदर की हत्या के आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम गठित की गई है।

वैज्ञानिकों ने शिक्षण शोध के लिए एक्स के डेटा तक निशुल्क पहुंच की मांग की

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने शिक्षण शोध के लिए सोशल मीडिया मंच एक्स के डेटा तक निशुल्क पहुंच की मांग की है ताकि राजनीतिक भागीदारी में रुझानों को समझने में सहायता मिल सकेाजर्मनी के सारलैंड विश्वविद्यालय के एक शोध समूह के शोध संबंधी प्रयास अचानक तब रुक गए जब जून 2023 में एक्स के मालिक एलन मस्क ने शिक्षण शोध उद्देश्यों के लिए एक्स के डेटा तक निशुल्क पहुंच को अवरुद्ध कर दिया। अमेरिकी उद्यमी मस्क ने अक्टूबर 2022 में उस सोशल मीडिया मंच का अधिग्रहण कर लिया था जिसे तब ट्विटर के नाम से जाना जाता था। सारलैंड विश्वविद्यालय में कृत्रिम मेधा के प्रोफेसर और प्रमुख शोधार्थी इंगमार वेबर ने कहा, 'यह स्वीकार्य नहीं है कि इतना बड़ा डेटा या तो बेहद महंगे दामों पर मिले या इतनी सीमित मात्रा में दिया जाए कि कोई ठोस अध्ययन संभव ही न हो। शोधकर्ताओं ने कानूनी प्रावधान लागू करने की मांग की जिससे शिक्षण शोधकर्ताओं को फिर से सोशल मीडिया डेटा तक पहुंच मिल सकेा शोध के तहत दो साल तक 12 देशों के 8,600 नेताओं से जुड़े 6,550 ट्विटर खातों का अध्ययन किया गया जिनमें भारत, अमेरिका, जर्मनी और अर्जेंटीना जैसे देश शामिल थे। यह अध्ययन जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव डिस्क्रिप्शनः डिजिटल मीडिया में प्रकाशित हुआ।

विधानसभा अध्यक्ष एक तरह का मार्शल लॉ लागू कर रहे हैंः महबूबा मुफ्ती

भाषा। श्रीनगर

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका सदन के सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना है, ना कि सेंसर (नियंत्रक) की तरह काम करना है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष पर एक तरह का मार्शल लॉ लागू करने का आरोप लगाया।उनकी यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर द्वारा बजट सत्र से पहले सदन के कामकाज के नोटिस के प्रचार को गंभीरता से लेने के बाद आई है। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से विशेषाधिकार हनन से दूर रहने को कहा है।जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने राथर पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक तरह का मार्शल लॉ लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राथर साहब भले ही विधाई कार्यवाही की पवित्रता को बनाए रखने के बारे में चिंतित हों, लेकिन अध्यक्ष के तौर पर उनकी प्राथमिक भूमिका सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि सेंसर की तरह काम करना है। उन्होंने कहा कि विधाई गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता और जन जागरूकता को संसदीय प्रथाओं के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

सभी समूहों के बीच मैत्री को बढ़ावा दें : भागवत ने संघ के स्वयंसेवकों से कहा

भाषा। गुवाहाटी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को संगठन के सभी स्वयंसेवकों से जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा से परे विभिन्न समूहों के बीच मैत्री बढ़ाने की अपील की। यहां एक बौद्धिक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक समाज के कल्याण के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं। संघ ने एक बयान में कहा, भागवत ने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच मैत्री को बढ़ावा दें, चाहे उनकी जाति, पंथ, क्षेत्र या भाषा कुछ भी हो। संगठन के सरसंघचालक भागवत ने यह भी कहा कि सभी हिंदुओं को आपसी सम्मान और सहयोग की भावना से विभिन्न उपयोगों के लिए समान मंदिर, श्मशान और जल का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज में विभिन्न जातीय समूहों के बीच सतत सांप्रदायिक सद्भाव और रिश्तेदारों एवं कुलों के बीच सद्भावना ही राष्ट्र को सकारात्मक दिशा तथा परिणाम की ओर ले जाएगी। बयान में यह भी कहा गया कि भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि पूरे समाज को पर्यावरण की रक्षा के लिए जल संरक्षण, पौधे लगाने और प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग न करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

अन्नाद्रमुक में ओपीएस के लिए कोई जगह नहीं: पलानीस्वामी

भाषा। चेन्नई

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने रविवार को संकेत दिया कि पार्टी से निष्कासित नेता ओ. पनीरसेल्वम (ओपीएस) की वापसी संभव नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में ओपीएस ने पार्टी में लौटने की इच्छा जताई थी। जयललिता की 77वीं जयंती के एक दिन पहले, पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में पलानीस्वामी ने कहा, 'क्या भेड़िया और भेड़ एक साथ रह सकते हैं? क्या खरपतवार और फसल एक साथ उपज का हिस्सा बन सकते हैं? क्या वफादार और गद्दार कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं? मैं आपका नहीं सुन सकता हूं। पलानीस्वामी का यह बयान ओपीएस के लिए परोक्ष प्रतिक्रिया माना जा रहा है। कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने कहा था कि वह अन्नाद्रमुक में लौटने को तैयार हैं, लेकिन इसके लिए शर्त रखी थी कि पार्टी के महासचिव पद का चुनाव कैडर के जरिए हो। उन्होंने कहा था, 'मैं, टीटीवी दिनाकरन और शशिकला (अन्नाद्रमुक से निष्कासित) बिना शर्त पार्टी में फिर शामिल होने के लिए तैयार हैं। हम बातचीत के जरिए मुद्दों को हल कर सकते हैं।पलानीस्वामी ने इस दौरान मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर भी हमला बोला और कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा समेत कई मुद्दों को लेकर जनता सरकार से नाखुश है और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक की सत्ता में वापसी चाहती है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कई चुनौतियों, खासकर वित्तीय संकट के बावजूद प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित किया। जयललिता के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक ने वर्ष 2011 में भारी बहुमत से सत्ता हासिल की थी और वर्ष 2016 में भी पार्टी को जीत दिलाई थी। वर्ष 2011 से 2021 तक लगातार दस वर्षों तक सत्ता में कायम रहना तमिलनाडु की राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है।

पिछले दो वित्त वर्षों में कश्मीर से हस्तशिल्प, हथकरघा निर्यात 2,567 करोड़ रुपए रहा

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर ने अपने प्रसिद्ध हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों का पिछले दो वित्त वर्षों में 2,567 करोड़ रुपए मूल्य का निर्यात किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।चालू वित्त वर्ष के अंत (मार्च, 2025) तक निर्यात का यह आंकड़ा 3,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है।एक अधिकारी ने बताया, पिछले दो वित्त वर्षों और चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तीन तिमाहियों में कश्मीर घाटी से 2,567 करोड़ रुपए मूल्य के विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों का निर्यात किया गया है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में निर्यात वैश्विक संघर्षों से प्रभावित हुआ है।कश्मीर के हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में कानी और सोजनी शॉल का निर्यात।,105 करोड़ रुपए रहा, जबकि हाथ से बुने कालीन का निर्यात 728 करोड़ रुपए का रहा। निर्यात किए गए अन्य उत्पादों में क्रूएल, पेपियर माचे (कागज की लुग्दी से बनाए जाने वाले सजावटी सामान), चेन स्टिच और लकड़ी की नक्काशी शामिल हैं।अधिकारियों ने कहा कि विभाग हस्तनिर्मित कश्मीरी उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाएगा, जिसके लिए सब्सिडी योजना उपलब्ध है। इसके तहत किसी भी देश को हथकरघााहस्तशिल्प निर्यात उत्पादों की कुल मात्रा का 10 प्रतिशत प्रोत्साहन दिया जाएगा, तथा विभाग के साथ पंजीकृत पात्र निर्यातकों के पक्ष में अधिकतम पांच करोड़ रुपए तक की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

सोने ने इस साल अबतक दिया 11% का रिटर्न

भाषा। नई दिल्ली

●पर नए निवेश को लेकर सतर्क रहने की जरूरतः विशेषज्ञ

सोने के भाव में इस साल अबतक आई 11 प्रतिशत से अधिक तेजी के बीच विशेषज्ञों ने कहा है कि मूल्यवान धातु में इस स्तर पर नए निवेश को लेकर सतर्क और संतुलित रुख अपनाने की जरूरत है।विशेषज्ञों का कहना है कि सोने का प्रदर्शन इक्विटी और बॉन्ड दोनों से बेहतर रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और रुपए की विनिमय दर में गिरावट के साथ, यह रुख आगे भी जारी रहने की संभावना है। हालांकि, निवेश राशि का आवंटन निवेशकों के जोखिम लेने की क्षमता, उद्देश्यों और समयसीमा पर आधारित होना चाहिए।उल्लेखनीय है कि पिछले साल लगभग 27 प्रतिशत की तेजी के बाद सोने में इस वर्ष भी बढ़त जारी है। इस साल सोने का दाम कुल 11.20 प्रतिशत चढ़ा है।मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज सर्विसेज लि. के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस शोध) मानव मोदी ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस साल की शुरुआत से ही सोने की कीमतों में तेजी देखी गई है। हालांकि, कीमतों में तेज उछाल को देखते हुए, इस स्तर पर सोने में नया निवेश करते समय कुछ सावधानी बरतने की जरूरत है। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, एमसीएक्स वायदा में सोना इस साल के पहले 50 दिन में ही 11.2 प्रतिशत की अच्छी बढ़त के साथ 77,500 रुपए से बढ़कर 86,200 हो गया हैं। पिछले साल, सोने में लगभग 27 प्रतिशत का उछाल आया था। इसका मतलब है कि जनवरी, 2024 से अब तक इसमें 38 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इस तेज उछाल को देखते हुए, मौजूदा स्तर पर नया निवेश करना शायद बहुत अच्छा विचार न हो। कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कोलिन शाह ने कहा, सोना ऐसी संपत्ति श्रेणी में है जो हमेशा ही रिटर्न देता रहा है। चाहे महंगाई हो या आर्थिक अनिश्चितता, सोने ने निवेशकों को नुकसान से बचाने के लिए एक मजबूत ढाल प्रदान किया है। इसलिए, इस वर्ष के केवल दो महीनों में अपने शानदार प्रदर्शन के साथ, सोना निश्चित रूप से वर्तमान समय में निवेश और रिटर्न के मामले में एक बहुत ही पसंदीदा और उपयुक्त विकल्प है। यह पूछे जाने पर कि शेयर और बॉन्ड तथा अन्य निवेश उत्पादों की तुलना में सोना बेहतर निवेश विकल्प है या निवेशकों को संतुलन बनाना चाहिए।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक कानूनी पेशे की स्वायत्तता पर सीधा हमलाः स्टालिन

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2025 को लेकर रविवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विधेयक कानूनी पेशे की स्वायत्तता पर सीधा हमला है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक में तमिल के प्रति भाजपा की अरुचि स्पष्ट है, क्योंकि वह तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल का नाम बदलकर मद्रास बार काउंसिल करना चाहती है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु महज नाम नहीं है, यह हमारी पहचान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि 2014 से भाजपा सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर रही है – पहले एनजेएसी के माध्यम से न्यायिक नियुक्तियों को नियंत्रित करने की कोशिश करके और फिर न्यायिक नियुक्तियों और स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों को नजरअंदाज करके। उन्होंने कहा, अब बार काउंसिल पर नियंत्रण की बात करते हुए उसका लक्ष्य कानूनी पेशे की स्वायत्तता को खत्म कर न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करना है। उन्होंने कहा, हालांकि मसौदा विधेयक के विरूद्ध स्वत:स्फूर्त विरोध और कड़े प्रतिरोध ने केंद्र सरकार को इसे वापस लेने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन यह जो शर्त है कि इस पर पुनर्विचार किया जाएगा और नए सिरे से प्रक्रिया शुरू की जाएगी, निंदनीय है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक को पूरी तरह से वापस लेने की मांग करती है और केंद्र सरकार से कानूनी पेशे की स्वायत्तता का सम्मान करने की अपील करती है। बार निकायों द्वारा विधेयक के विभिन्न प्रावधानों के विरोध के बीच, सरकार ने शनिवार को कहा कि वह अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक के मसौदे को संशोधित करेगी।

लोस सीट की संख्या में संभावित कमी का सामना करना पड़ रहा हैः स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा किराज्य संसदीय सीटों में संभावित कमी की स्थिति का सामना कर रहा है, क्योंकि उसने परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू किया है। स्टालिन ने पहले भी इस विषय पर बात करते हुए कहा था कि लोकसभा परिसीमन की कवायद लोगों को 16 बच्चों के पालन-पोषण के बारे में सोचने पर मजबूर कर सकती है, जो 16 (तरह की संपत्ति) से संबंधित एक तमिल कहावत का संदर्भ है। न्होंने 16 प्रकार की संपत्ति से संबंधित एक तमिल कहावत का हवाला दिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि लोगों को अपने बच्चों के तमिल नाम रखने चाहिए। रविवार को अपने कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र में एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी के विवाह समारोह में स्टालिन ने नवविवाहितों से अपने बच्चों के तमिल नाम रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन अभियान बच्चों की संख्या पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सुनियोजित परिवार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, क्योंकि हमने इसका लगातार उचित तरीके से पालन किया, इसलिए परिसीमन प्रक्रिया के तहत संसदीय सीटों की संख्या कम करने की स्थिति पैदा हुई है।

सभी राजनीतिक दलों को बंगाल में एनआरसी लागू करने का समर्थन करना चाहिए : अधिकारी

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि घुसपैठ जैसे मुद्दों से प्रभावी ढंग से निपटने और जनसांख्यिकी में बदलाव से बचने के लिए सभी राजनीतिक दलों को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने का समर्थन करना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा शासित राज्य राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने के पक्ष में है, लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार का इससे इनकार करना, हैरान करने वाला है और यह घुसपैठ रोकने के प्रति उनकी उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, देखिए कि अंसारुल्ला बांग्ला जैसे बांग्लादेशी आतंकवादी संगठन बंगाल के जिलों में कैसे अपना आधार फैला रहे हैं। देखिए कि कैसे जनसांख्यिकी बदल रही है, खासकर सीमावर्ती जिलों में। पुलिस और राज्य प्रशासन क्या कर रहे है, वे आंखे फेरे हुए बैठे है। उन्होंने कहा कि एनआरसी के सख्त कार्यान्वयन से ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जा सकता है और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने वाले जिहादी तत्वों का पता लगाया जा सकता है।अधिकारी ने कहा, सभी राजनीतिक दलों को एनआरसी का समर्थन करना चाहिए। 2026 के विधानसभा चुनावों में जब भाजपा सत्ता में आएगी, तो हम बंगाल में एनआरसी लागू करेंगे। अधिकारी ने नकारात्मक टिप्पणी करके और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाकर महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजन का अपमान करने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की भी आलोचना की।तृणमूल कांग्रेस महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि अधिकारी जैसे नेता एनआरसी के मुद्दे पर जोर दे रहे हैं जिसका उद्देश्य राजनीतिक कारणों से समाज का ध्रुवीकरण करना है।घोष ने कहा, एनआरसी वास्तविक नागरिकों को शिविरों में भेज देगा और समाज के एक वर्ग को अलग-थलग कर देगा। हम ऐसा नही होने देंगे।

रिन्यू कंनी के संस्थापक चेयरमैन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया महाकुंभ स्नान व दर्शन पूजन

मुंबई। देश की अग्रणी ऊर्जा कंपनी रिन्यू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं चेयरमैन सुमंत सिन्हा ने अपनी पत्नी और रीन्यू की सह.संस्थापक वैशाली निगम सिन्हा के साथ प्रयागराज महाकुंभ में स्नान एवं पूजन कियाएअपनी विस्तार योजनाओं के तहत रीन्यू ने यूपी में सोलर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने तथा प्रदेश के नवीकरणीय लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देने के लिए हज़ारों करोड़ रुपए निवेश करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। रीन्यू की संचालन दक्षता लगभग 11 गीगावॉट है और कपंनी ने अगले कुछ सालों में इसे 20 गीगावाट तक पहुंचाने की योजना बनाई है। स्मार्ट विलेज अडॉप्टेड बाय रीन्यू ग्रुप ;स्वर्गद्ध. ग्रामीण भारत में समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के प्रयास में स्वर्ग की अवधारणा पेश की गई। इस परियोजना का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग द्वारा ऊर्जा को सुलभ बनाना और समग्र विकास को सुनिश्चित कर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। रीन्यू ने गांव पनियाराए वाराणसी ;उत्तर प्रदेशद्ध में कई हस्तक्षेप किए हैंए जैसे गांव में सौर ऊर्जा से विद्युतीकरणए हरित इमारत की स्थापना जो ग्रामीणों के लिए रिसोर्स सेंटर के रूप में काम करती हैए स्वयं सहायता समूहों को समर्थन प्रदान कर महिलाओं का सशक्तीकरणए महिलाओं को आय सृजन एवं उद्यम विकास के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना तथा आईआईवीएस ;इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफवैजीटेबल रीसर्चद्ध एवं अन्य क्षेत्रीय संगठनों के सहयोग से किसानों के प्रशिक्षण एवं जागरुकता सत्रों के द्वारा उनका क्षमता निर्माण। रीन्यू ने एक कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना भी की है जहां ग्रामीण को नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है।

बिहार सरकार घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं के वास्ते करेगी 140 सुरक्षा अधिकारी नियुक्त

पटना। बिहार सरकार ने घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं को अधिक प्रभावी ढंग से सहायता प्रदान करने के लिए राज्य भर में 140 पूर्णकालिक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने का निर्णय लिया है। समाज कल्याण विभाग ने एक अलग संवर्ग बनाने का निर्णय किया है जिसके तहत उपमंडल, जिला और राज्य स्तर पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। राज्य में घरेलू हिंसा के बढ़ते मामलों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। समाज कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव और बिहार महिला एवं बाल विकास निगम की अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरजोत कौर बमराह ने पीटीआई-भाषा से कहा, घरेलू हिंसा के मामलों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभाग ने पूर्णकालिक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। इसके लिए एक अलग संवर्ग बनाया जाएगा... राज्य भर में 140 से अधिक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इनमें से 101 उपमंडल स्तर पर और 38 जिला स्तर पर नियुक्त किए जाएंगे। एक राज्यस्तरीय सुरक्षा अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा। बमराह ने बताया कि यह निर्णय महिला घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार लिया गया है। उन्होंने कहा, इस कदम का उद्देश्य परिवार में होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकार महिलाओं को संविधान के तहत प्रदत्त अधिकारों की अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करना है तथा इससे संबंधित या प्रासंगिक मामलों में भी सुरक्षा प्रदान करना है। बमराह ने कहा कि इस कानून के अनुसार, सुरक्षा अधिकारी मजिस्ट्रेट को उनके कार्यों के निर्वहन में सहायता करेगा तथा यदि पीड़ित महिला को शारीरिक चोटें आई हो तो उसकी चिकित्सकीय जांच करवाने तथा चिकित्सकीय रिपोर्ट की एक प्रति थाने तथा उस क्षेत्र के संबंधित मजिस्ट्रेट को भेजने के लिए भी जिम्मेदार होगा, जहां घरेलू हिंसा होने का आरोप है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा अधिकारी यह भी सुनिश्चित करेगा कि घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की धारा 20 के तहत आर्थिक राहत के आदेश का अनुपालन और निष्पादन मौजूदा कानून के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हो। बमराह ने बताया कि राज्य सरकार ने घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए दहेज निषेध अधिनियम और बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 कानून बनाने जैसे कई कदम उठाए है। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाएं भी घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं को विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करती है। बमराह ने कहा, बिहार सरकार ने निजी और सार्वजनिक स्थानों--परिवार, समुदाय और कार्यस्थल पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को अधिक प्रभावी ढंग से सहयोग प्रदान करने के लिए कुछ जिलों में 11 अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) खोलने की प्रक्रिया भी शुरू की है। राज्य में 11 अतिरिक्त ओएससी के संचालन और स्थापना के लिए एक अनुमोदन पत्र हाल ही में डब्ल्यूसीडीसी को केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय (संबल प्रभाग) से प्राप्त हुआ है। ओएससी केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) द्वारा 2015 में शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक ही छत के नीचे निजी और सार्वजनिक दोनों स्थानों पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत समर्थन और सहायता प्रदान करना है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत हर मामले में प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रत्एक मामले में प्रारंभिक जांच करना अनिवार्य नही है और यह आरोपी का निहित अधिकार नही है।अदालत ने कहा है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों सहित कुछ श्रेणियों के मामलों में प्रारंभिक जांच वांछनीय है, लेकिन आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए यह अनिवार्य शर्त नही है।न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि प्रारंभिक जांच का उद्देश्य प्राप्त सूचना की सत्यता की पुष्टि करना नही है, बल्कि केवल यह पता लगाना है कि क्या उक्त सूचना से किसी संज्ञेय अपराध के घटित होने का पता चलता है।पीठ ने 17 फरवरी को दिए अपने फैसले में कहा, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत हर मामले में प्रारंभिक जांच अनिवार्य नही है। इसमें कहा गया है, यदि किसी वरिष्ठ अधिकारी के पास स्रोत सूचना रिपोर्ट है, जो विस्तृत और तर्कपूर्ण है तथा जिसके बारे में कोई भी विवेकशील व्यक्ति यह विचार कर सकता है कि प्रथम दृष्टया यह संज्ञेय अपराध का खुलासा करती है, तो प्रारंभिक जांच से बचा जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कर्नाटक सरकार द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया, जिसमें राज्य उच्च न्यायालय के मार्च 2024 के फैसले को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस थाने द्वारा एक लोक सेवक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए दर्ज की गई प्राथमिकी को खारिज कर दिया था। लोक सेवक पर अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप था।

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे नाम पर काला रंग पोता गया

पोल्लाच्चि। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक द्वारा केंद्र पर हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाए जाने के बीच तमिल समर्थक कार्यकर्ताओं ने रविवार को यहां रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे स्थान के नाम पर काला रंग पोत दिया। वायरल वीडियो में कार्यकर्ता हिंदी में लिखे पोल्लाच्चि जंक्शन पर काला पेंट करते दिखाई देते है, लेकिन अधिकारियों ने बाद में इसे सही कर दिया। दक्षिणी रेलवे के पालघाट मंडल ने सोशल मीडिया पर जारी अपडेट में कहा, आरपीएफ पोलाच्चि ने आरोपियों की पहचान कर ली है और रेलवे अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। इसे तुरंत ठीक कर दिया गया। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक का भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ वाक्युद्ध जारी है और उसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से हिंदी थोपने का आरोप लगाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में गोली लगने से युवती घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में रविवार को 21 वर्षीय एक युवती अपने घर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरधारी लाल की बेटी शिवानी सुंदरबनी स्थित अपने घर में लाइसेंसी बंदूक से गोली चलने से घायल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि युवती को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में विशेष उपचार के लिए उसे जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि गोली दुर्घटनावश चली या युवती ने आत्महत्या करने की कोशिश की।

निर्वासन का भ्रष्टाचार खत्म कर रहा हूं : ट्रंप

● बड़े पैमाने पर की जा रही कार्रवाई के बचाव में राष्ट्रपति

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध विदेशी नागरिकों के बड़े पैमाने पर निर्वासन के अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा है कि उनका प्रशासन भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए धोखेबाजों, ठगों और डीप स्टेट नौकरशाहों (बाहरी ताकतें जो सरकार के निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं) को घर भेज रहा है। ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के बड़े पैमाने पर निर्वासन को अपनी प्रमुख नीति बना लिया है। शनिवार को वाशिंगटन के बाहर कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, धोखेबाजों, झूठों, बेईमानों, वैश्विकतावादियों और डीप स्टेट नौकरशाहों को बाहर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, अवैध विदेशी अपराधियों को घर भेजा जा रहा है। हम भ्रष्टाचार को खत्म कर रहे हैं और लोगों का शासन बहाल कर रहे हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2022 तक, अनधिकृत अप्रवासी कुल अमेरिकी आबादी का 3.3 प्रतिशत और विदेश में जन्मी आबादी के 23 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार संभालने के बाद से ही अमेरिकी आव्रजन प्रणाली के कुछ हिस्सों में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम शुरू कर दिया है तथा बड़े पैमाने पर निर्वासन और गिरफ्तारियों का आश्वासन किया है। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने एक्स पर पोस्ट किया कि तीन फरवरी तक उसके एजेंटों ने 8,768 लोगों को गिरफ्तार किया था।

भारत को चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर दिए गए

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने भारत को उसके चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि आवंटित की जबकि उसे इसकी जरूरत नही है। ट्रंप ने कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में शनिवार को अपने भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने पहले भी कई बार दावा किया है कि चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद दी गई और उन्होंने इसके लिए अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) पर निशाना साधा है। ट्रंप के इस दावे के बाद से भारत में विवाद पैदा हो गया है। अपने भाषण में ट्रंप ने भारत पर अमेरिका का फायदा उठाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भारत को उसके चुनावों में मदद के लिए 1.8 करोड़ डॉलर दिए गए।

इजराइल ने बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपे जाने का हवाला देकर फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी

भाषा। तेल अवीव

इजराइल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना बंद नहीं किया जाता। देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यह बयान रविवार को उस समय दिया जब कैदियों को ले जा रहे वाहन ऑफर जेल के मुख्य द्वार से बाहर निकलने के बाद अंदर लौट गए। हमास ने छह इजराइली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया था। इसके तुरंत बाद 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना था लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। शनिवार को रिहा किए गए छह बंधकों में से पांच को नकाबपोश सशस्त्र चरमपंथी, भीड़ के सामने मंच पर लाए जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया। बंधकों को सौंपे जाने के इस तरीके की संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने निंदा की है। हमास ने जीवित बचे संभवत: अंतिम छह बंधकों को युद्ध विराम के प्रथम चरण के तहत रिहा कर दिया है। कैदियों की रिहाई में देरी की इजराइल की घोषणा ने युद्धविराम समझौते के भविष्य को लेकर अचानक और संदेह पैदा कर दिया है। हमास द्वारा छोड़े गए छह बंधकों में से तीन इजराइली पुरुष हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से उस समय कैद किया गया था, जब सात अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने हमला किया था। इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा। वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। पांचों को मंच पर लाया गया और इसके बाद बचावकर्ताओं को सौंपा गया।

सेना आगामी वर्ष तक शरणार्थी शिविरों में बनी रहेगी: इजराइल के रक्षा मंत्री

भाषा। तेल अवीव

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने रविवार को कहा कि उन्होंने सेना को निर्देश दिया है कि वह आगामी वर्ष तक वेस्ट बैंक के कुछ शहरी शरणार्थी शिविरों में बने रहने के लिए तैयार रहे। काट्ज ने कहा कि उत्तरी पश्चिमी तट के तीन शिविरों से लगभग 40,000 फलस्तीनी विस्थापित हो गए हैं और अब ए खाली हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सेना को शिविरों में लंबे समय तक रहने के लिए तैयार रहना है और निवासियों को वापस लौटने की अनुमति नहीं देनी है। काट्ज ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब इजराइल फलस्तीनी क्षेत्र में आक्रमण तेज कर रहा है और गाजा युद्ध को रोकने वाला संघर्षविराम अब भी कायम है। सेना ने रविवार को कहा कि वह वेस्ट बैंक के अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी तेज कर रही है और आतंकवादियों के गढ़ जेनिन में टैंक भेज रही है। संघर्ष विराम समझौते के दो दिन बाद 21 जनवरी को इजराइल ने उत्तरी वेस्ट बैंक पर आक्रमण शुरू किया था। इजराइल-हमास युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ गई है। वेस्ट बैंक से होने वाले फलस्तीनी हमलों में भी वृद्धि हुई है और बृहस्पतिवार देर रात इजराइल में तीन खाली बसों में विस्फोट हुए।

नेपाल में प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षाबलों के बीच झड़प, 24 घायल

काठमांडू। पूर्वी नेपाल में तापलेजंग जिले के पाथीभरा इलाके में केबल कार परियोजना का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में 12 सुरक्षाकर्मियो सहित कम से कम 24 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। नो केबल कार समूह पाथीभरा क्षेत्र में केबल कार के निर्माण का विरोध कर रहा है। उसका कहना है कि इस परियोजना से क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान मिट जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को फुंगलिंग में सुरक्षा बलों और नो केबल कार समूह के बीच झड़प में 12 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 24 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हिंसा में शामिल होने के आरोप में 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि झड़प के बाद रविवार सुबह से ही तापलेजंग के जिला प्रशासन ने फुंगलिंग बाजार और पाथीभरा क्षेत्र समेत जिले के कुछ हिस्सों में निषेधाज्ञा लगा दी। प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के राजेंद्र लिंगडेन और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के तोशिमा कार्की समेत विपक्षी दलों के सांसदों ने सरकार से पाथीभरा में केबल कार के निर्माण से संबंधित कार्यों को तुरंत रोकने की अपील की, क्योंकि स्थानीय लोग इस परियोजना के खिलाफ है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो,। श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में रविवार को 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं जब्त कर ली। नौसेना ने यह जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया, मछली पकड़ने वाली पांच भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया और 32 भारतीय मछुआरो को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तलाईमन्नार पियर लाया गया, जहां उन्हे कानूनी कार्वाई के लिए मन्नार के मत्स्य निरीक्षक को सौप दिया जाएगा। बयान के अनुसार, नौसेना ने इस वर्ष अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा रहा है।

कराची में होली मनाने को लेकर छात्रों को कारण बताओ नोटिस

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में स्थित एक प्रमुख निजी विश्वविद्यालय को अपने परिसर में होली का त्योहार मनाने पर छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व सांसद लाल मल्ही ने सोशल मीडिया पर दाऊद इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को जारी नोटिस पोस्ट किया, जिनमें से अधिकतर हिंदू थे। संस्थान ने स्पष्ट किया कि यह एक पुराना मामला है और इसने छात्रों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज होने की खबरों को खारिज कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, छात्रों को प्रशासन से मंजूरी लिए बिना परिसर में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नोटिस जारी किया गया था, जो विश्वविद्यालय के नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा, छात्रों ने पहले ही नोटिस का जवाब दे दिया है। लाल मल्ही ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बढ़ते विरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल किया, क्या होली मनाना अब अपराध बन गया है? क्या विश्वविद्यालय में होली मनाना राज्य के विरुद्ध कार्य माना जाता है?

मैं, ट्रंप एवं मोदी बात करते हैं तो इसे लोकतंत्र को खतरा बताया जाता है : मेलोनी

भाषा। वाशिंगटन

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने वैश्विक स्तर पर रूढ़िवादियों के प्रति वामपंथियों के दोहरे मानदंडों की आलोचना करते की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और स्वयं उनके (मेलोनी) जैसे नेता आपस में सहयोग करते हैं तो वामपंथी इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हैं। मेलोनी ने यह भी कहा कि जब वामपंथी नेताओं के बीच इसी तरह का सहयोग होता है तो उसकी प्रशंसा की जाती है। मेलोनी ने रोम से वीडियो लिंक के माध्यम से वाशिंगटन में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए ट्रंप की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ट्रंप की जीत से वामपंथी घबराए हुए हैं। इटली की प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी (वामपंथियों की) चिड़चिड़ाहट भय में बदल गई है, न केवल इसलिए कि रूढ़िवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए भी कि रूढ़िवादी अब वैश्विक स्तर पर सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति) बिल क्लिंटन और (ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री) टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाया था तो उन्हें अनुभवी एवं प्रतिष्ठित राजनेता कहा गया। मेलोनी ने कहा, आज जब ट्रंप, मेलोनी, (अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर) माइली या शायद मोदी बात करते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं और अच्छी बात यह है कि चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ उछालें, लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते। नागरिक हमारे लिए वोट करते हैं। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें वोट देते हैं क्योंकि हम स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं, हम अपने देश से प्यार करते हैं, हम सुरक्षित सीमाएं चाहते हैं, हम व्यापार एवं नागरिकों को वामपंथी पागलपन से बचाते हैं और हम पारिवारिक जीवन की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि लोग उतने नासमझ नहीं हैं जितना वामपंथी उन्हें समझते हैं। मेलोनी ने कहा कि यूक्रेन सहित सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद ट्रंप के शासन में अमेरिका और यूरोप करीब बने रहेंगे। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरुआती सप्ताहों में यूरोप और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिकी नेता ने रूस से संपर्क साधा और यूरोप से दूर जाने की चेतावनी दी, जिससे उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के प्रति ट्रंप की प्रतिबद्धता को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं। मेलोनी ने कहा, हमारे विरोधियों को उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप हमसे (यूरोप से) दूर चले जाएंगे। वह एक मजबूत और प्रभावी नेता हैं तथा मैं शर्त लगाकर दावा कर सकती हूं कि जो लोग उनके अलग जाने की उम्मीद करते हैं, वे गलत साबित होंगे।

उत्तरी पेरू में शॉपिंग मॉल में छत गिरने से छह लोगों की मौत, 78 घायल

भाषा। लीमा

पश्चिमोत्तर पेरू में एक शॉपिंग मॉल के फूड कोर्ट की छत गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 78 अन्य लोग घायल हो गए। देश के रक्षा मंत्री ने यह जानकारी दी। फूड कोर्ट मॉल में वह जगह होती है जहां विभिन्न रेस्तरां एवं भोजनालय होते हैं। ला लिबर्टाड क्षेत्र के ट्रुजिलो शहर में स्थित रियल प्लाजा ट्रुजिलो शॉपिंग मॉल में लोहे से बनी भारी छत शुक्रवार रात वहां मौजूद लोगों पर गिर गई। रक्षा मंत्री वाल्टर एस्टुडिलो ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया कि ला लिबर्टाड में स्थानीय अग्निशमन कर्मियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इमारत ढहने के बाद पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एस्टुडिलो ने बताया कि 30 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है और 48 अब भी अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। मंत्री ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

हिजबुल्ला नेता नसरल्ला को मौत के पांच महीने किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

बेरूत। लेबनान की राजधानी के दक्षिणी उपनगर पर इजराइली हवाई हमले मे मारे गए हिजबुल्ला के पूर्व नेता नसरल्ला को उसकी मौत के पांच महीने बाद रविवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और इसके लिए हजारो लोग बेरूत मे एकत्र हुए है। इजराइल की वायुसेना ने आतंकवादी समूह के मुख्य संचालन कक्ष पर 80 से अधिक बम गिराए थे जिसमें हसन नसरल्ला की मौत हो गई थी। उसकी मौत ईरान समर्थित समूह के लिए एक बड़ा झटका थी। नसरल्ला 30 से अधिक साल तक इस समूह का नेता रहा और वह इसके संस्थापकों में से एक था। क्षेत्र में ईरान समर्थित समूहों के बीच उसका काफी प्रभाव था। लेबनान की राजधानी के मुख्य खेल स्टेडियम में नसरल्ला को दफनाए जाने के दौरान ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित क्षेत्र के अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। वरिष्ठ हिजबुल्ला अधिकारी अली दामूश ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया था कि अंतिम संस्कार में 65 देशों से लगभग 800 हस्तियां शामिल होंगी। इसके अलावा दुनिया भर से हजारों व्यक्ति भी शामिल होंगे। दामूश ने इजराइल का जिक्र करते हुए कहा, हर घर, गांव और शहर से आइए ताकि हम दुश्मन को बता सकें कि लड़ाई जारी रहेगी और हम मैदान में तैयार है।

जर्मनी में मतदान में अर्थव्यवस्था, प्रवासन, दक्षिणपंथी ताकतों पर ध्यान

बर्लिन। जर्मन मतदाता रविवार को एक नई सरकार का चुनाव कर रहे है। यह चुनाव ऐसे समय हो रहे है जब यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मे वर्षो से चले आ रहे ठहराव, प्रवासन पर अंकुश लगाने का दबाव तथा यूक्रेन के भविष्य और यूरोप के अमेरिका के साथ गठबंधन को लेकर बढ़ती अनिश्चितता जैसी चिंताएं प्रमुखता से सामने आ रही है।मध्य-दक्षिणपंथी विपक्ष की जीत की संभावना अधिक है, जबकि सर्वेक्षणो से पता चलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी दक्षिणपंथी पार्टी को सबसे मजबूत परिणाम मिलने की संभावना है।जर्मनी 27 देशों वाले यूरोपीय संघ में सबसे अधिक आबादी वाला देश है और नाटो का एक प्रमुख सदस्य है। यह अमेरिका के बाद यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है।यह चुनाव ट्रंप प्रशासन की टकरावपूर्ण विदेश और व्यापार नीति सहित आने वाले वर्षों की चुनौतियों के प्रति महाद्वीप की प्रतिक्रिया को आकार देने में केन्द्रीय भूमिका निभाएगा।शीर्ष उम्मीदवारों में रूढ़िवादी अग्रणी उम्मीदवार फ्रेडरिक मर्ज़ और सोशल डेमोक्रेट्स के वर्तमान चांसलर ओलाफ शोल्ज ने रविवार की सुबह देश के विभिन्न हिस्सो में कुछ ही मिनटो के अंतराल पर मतदान किया।यह चुनाव मूल रूप से तय समय से सात महीने पहले हो रहा है, क्योंकि नवंबर मे मध्य वामपंथी चांसलर ओलाफ शोल्ज का गठबंधन टूट गया था, तीन साल का कार्यकाल अंदरूनी कलह से प्रभावित रहा था। मतदाताओ में व्यापक असंतोष है तथा किसी भी उम्मीदवार के प्रति कोई खास उत्साह नजर नही आ रहा है।

कोई विमान नही, कोई यात्री नही, कोई सुविधा नही: पाकिस्तान का नया हवाई अड्डा बना रहस्य

ग्वादर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान का सबसे नया और सबसे महंगा हवाई अड्डा एक रहस्य की तरह है, जहां न तो कोई विमान है और न ही कोई यात्री। चीन द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित 24 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से बने नए ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बारे में यह बता पाना मुश्किल है कि यह वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए कब खुलेगा। अक्टूबर 2024 मे बनकर तैयार हुआ यह हवाई अड्डा इसके आसपास के गरीब एवं अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत से बिल्कुल अलग है। चीन पिछले एक दशक से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे या सीपीईसी परियोजना के तहत बलूचिस्तान और ग्वादर मे अरबो डॉलर का निवेश कर रहा है। यह परियोजना उसके पश्चिमी शिनजियांग प्रांत को अरब सागर से जोड़ती है।प्राधिकारियो ने इसे परिवर्तनकारी बताकर इसकी प्रशंसा की है, लेकिन ग्वादर मे कोई खास बदलाव नजर नही आता। शहर राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ा नही है, बिजली पड़ोसी ईरान या सौर पैनल से आती है और वहां पर्याप्त स्वच्छ पानी नही है। शहर के 90,000 लोगो के लिए 4,00,000 यात्री क्षमता वाला हवाई अड्डा प्राथमिकता नही है। पाकिस्तान-चीन संबंधो के विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ अजीम खालिद ने कहा, यह हवाई अड्डा पाकिस्तान या ग्वादर के लिए नही है। यह चीन के लिए है, ताकि वह अपने नागरिको को ग्वादर और बलूचिस्तान तक सुरक्षित पहुंच प्रदान कर सके। सीपीईसी ने संसाधन संपन्न और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बलूचिस्तान में दशको से जारी उग्रवाद को बढ़ावा दिया है।

पाकिस्तान व बांग्लादेश ने बहाल किया प्रत्यक्ष व्यापार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने 1971 के विभाजन के बाद पहली बार प्रत्यक्ष व्यापार पुनः शुरू किया है, जिसके तहत सरकार द्वारा स्वीकृत पहला मालवाहक जहाज कासिम बंदरगाह से रवाना हुआ। मीडिया ने यह खबर दी है। दोनों देशों के बीच इस समझौते को फरवरी के प्रारम्भ में अंतिम रूप दिया गया तथा बांग्लादेश ने ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान (टीसीपी) के माध्यम से 50,000 टन पाकिस्तानी चावल खरीदने पर सहमति व्यक्त की। एक्सप्रेस ट्रब्यून अखबार ने खबर दी, पहली बार, सरकारी माल लेकर पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कॉरपोरेशन (पीएनएससी) का जहाज बांग्लादेशी बंदरगाह पर पहुंचेगा, जो समुद्री व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। पूर्व पाकिस्तान 1971 मे पाकिस्तान से अलग हो गया था और फिर बांग्लादेश स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया था। मालो की यह ढुलाई 1971 के बाद से आधिकारिक व्यापारिक संबंध की बहाली का पहला उदाहरण है। समझौते के तहत, बांग्लादेश को टीसीपी के माध्यम से पाकिस्तान से 50,000 टन चावल आयात करना है। यह आयात दो चरणो मे होगा, जबकि शेष 25,000 टन चावल मार्च के प्रारंभ मे भेजा जाएगा। इस घटनाक्रम को आर्थिक सहयोग को बढ़ावा

तालिबान के रोक हटाने के बाद अफगान महिला रेडियो स्टेशन का प्रसारण होगा बहाल

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान शासन द्वारा लगाई गई रोक हटाए जाने के बाद एक अफगान महिला रेडियो स्टेशन का प्रसारण फिर से शुरू होगा। तालिबान ने लाइसेंस का अनुचित उपयोग करने का हवाला देते हुए स्टेशन का संचालन रोक दिया था। रेडियो बेगम की शुरुआत मार्च 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुई थी। इसके पांच महीने बाद ही अमेरिका और नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के सैनिको की वापसी के बीच तालिबान ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। स्टेशन पर प्रसारित की जाने वाली सामग्री अफगान महिलाओं द्वारा तैयार की जाती है। इसका सहयोगी उपग्रह चैनल बेगम टीवी फ्रांस से संचालित होता है और सातवी से 12वी कक्षा तक के अफगान स्कूली पाठ्यक्रम को कवर करने वाले कार्यक्रम प्रसारित करता है।तालिबान ने देश मे महिलाओं और लड़कियों की छठी कक्षा से आगे की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया है।

यूनुस ने मस्क को बांग्लादेश की यात्रा का निमंत्रण दिया

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका के शीर्ष व्यवसाई और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क को देश की यात्रा करने और स्टारलिंक उपग्रह इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए आमंत्रित किया है।यूनुस ने 19 फरवरी को लिखे पत्र मे मस्क को बताया कि बांग्लादेश की उनकी यात्रा से उन्हें युवा बांग्लादेशी पुरुषो और महिलाओं से मिलने का मौका मिलेगा, जो इस अग्रणी प्रौद्योगिकी के मुख्य लाभार्थियो में से होंगे। उन्होंने पत्र में कहा, आइए हम बेहतर भविष्य के लिए अपने पारस्परिक दृष्टिकोण को साकार करने के लिए एक साथ मिलकर काम करें। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने रविवार को पत्र के हवाले से अपनी खबर में कहा, स्टारलिंक की कनेक्टिविटी को बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे में एकीकृत करने से परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। यूनुस ने अपने उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान से कहा कि वे अपनी स्पेसएक्स टीम के साथ मिलकर काम करें।

पिछले सप्ताह किए काम का 48 घंटे में लेखा-जोखा दें: मस्क ने संघीय कर्मचारियों को दिया निर्देश

न्यूयॉर्क,। अमेरिका में हजारों संघीय कर्मचारियों को यह बताने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है कि उन्होंने पिछले सप्ताह क्या काम किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में लागत-कटौती प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे एलन मस्क ने इस्तेमाल आम की सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। मस्क ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देशों के अनुरूप, सभी संघीय कर्मचारियों को जल्द ही एक ईमेल भेजा जाएगा जिसमें उनसे यह समझाने का अनुरोध किया जाएगा कि पिछले सप्ताह उन्होंने क्या किया। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा, जवाब न देने को इस्तीफा माना जाएगा। इसके कुछ समय बाद संघीय कर्मचारियों को तीन-पंक्तियों वाला एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा था: कृपया इस ईमेल का उत्तर लगभग पांच बिंदुओं में दें कि आपने पिछले सप्ताह क्या काम किया तथा अपने प्रबंधक को भी इसकी प्रतिलिपि भेजें। मस्क की टीम के इस निर्देश से राष्ट्रीय मौसम सेवा और विदेश मंत्रालय सहित कई एजेंसियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार रात संदेश की प्रमाणिकता को सत्यापित करने के लिए काम किया और कुछ मामलों में उन्होंने अपने कर्मचारियों को जवाब न देने का निर्देश दिया। ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल के पहले माह में ही हजारों सरकारी कर्मचारियों को संघीय कार्यबल से बाहर कर दिया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस और मस्क के तथाकथित सरकारी दक्षता विभाग ने नए और पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

पोप फ्रांसिस रात में आराम से सोए

भाषा। रोम

पोप फ्रांसिस सांस संबंधी समस्या और रक्त चढ़ाए जाने के बाद रात में आराम से सोए। वेटिकन की ओर से रविवार को यह जानकारी दी गई। पोप फ्रांसिस फेफड़े में संक्रमण से जुड़ी जटिलता के कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं। वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी के एक लाइन के बयान में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि फ्रांसिस ने सुबह का नाश्ता किया या नहीं। लेकिन रात शांति से गुजरी और पोप ने आराम से सोए (यह संक्षिप्त अद्यतन जानकारी चिकित्सकों के उस बयान के बाद मिली जिसमें कहा गया था कि 88 वर्षीय फ्रांसिस की हालत गंभीर है। युवावस्था में पोप के फेफड़े का एक हिस्सा निकाल दिया गया था। शनिवार को सुबह आवश्यक था। इससे पहले शनिवार को जारी बयान में कहा गया था, पोप अब भी सक्रिय हैं और उन्होंने पूरा दिन आरामकुर्सी पर बिताया, हालांकि कल की तुलना में उन्हें अधिक दर्द था। चिकित्सकों ने कहा कि पोप फ्रांसिस की हालत उनकी उम्र, कमजोरी और फेफड़ों की पुरानी बीमारी के लिहाज से बहुत गंभीर है। पोप के सामने सबसे बड़ा खतरा रक्त संक्रमण का है। चिकित्सकों ने आगाह करते हुए कहा कि फ्रांसिस के लिए मुख्य खतरा सेप्सिस का होना है, जो रक्त का एक गंभीर संक्रमण है। यह निमोनिया से जुड़ी जटिलता के कारण उत्पन्न हो सकता है। पोप फ्रांसिस को ब्रोंकाइटिस की बीमारी के कारण 14 फरवरी को जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। निमोनिया और फेफड़ों के जटिल संक्रमण के इलाज के दौरान पोप को लंबे समय तक अस्थमा के चलते सांस लेने में समस्या हुई। पोप को सांस लेने में सहायता के लिए उन्हें ऑक्सीजन दी गई। वेटिकन ने बाद में एक अद्यतन जानकारी में कहा कि परीक्षणों में प्लेटलेट्स की कम संख्या पाए जाने के बाद उन्हें रक्त चढ़ाया गया जो थक्का जमने के लिए

शांतिरक्षा प्रयासों का आधार बना हुआ है भारत, महिला शांतिरक्षा कर्मियों का अहम योगदान: संरा अधिकारी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रमुख ने कहा है कि भारत अंतरराष्ट्रीय एजेंसी के शांति प्रयासों का आधार बना हुआ है और इसकी महिला शांतिरक्षकों ने साबित किया है कि कि महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व वाले मिशन के परिणाम बेहतर होते हैं और वे स्थाई शांति में योगदान देते हैं। शांतिरक्षा अभियानों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव जीन-पियरे लैक्रोइक्स भारत द्वारा 24-25 फरवरी को आयोजित किए जा रहे शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका बढ़ाना: एक ग्लोबल साउथ अनुभव सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों के संदर्भ में किया जाता है। लैक्रोइक्स ने यहां पीटीआई से एक विशेष साक्षात्कार में कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशन का आधार बना हुआ है और भारतीय महिला शांतिरक्षा कर्मी शांति स्थापना को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सम्मेलन में भाग लेना सौभाग्य की बात है। लैक्रोइक्स ने कहा कि यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लगभग 50 देशों की महिला अधिकारियों को साथ लाएगा, जो शांति स्थापना में उभरती चुनौतियों और शांति एवं सुरक्षा को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करेंगी उन्होंने सम्मेलन से पहले लिखित साक्षात्कार में कहा, शांतिरक्षा प्रयासों में महिलाओं की संख्या में वृद्धि का मतलब है- शांति स्थापना का अधिक प्रभावी होना। भारत लंबे समय से शांतिरक्षा अभियानों में महिलाओं, शांति और सुरक्षा को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है। वह न केवल सैन्यकर्मियों और पुलिसकर्मियों के योगदान के मामले में अग्रणी है बल्कि यह लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण में नेतृत्व और मिशन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता के संदर्भ में भी सबसे आगे है। लैक्रोइक्स ने कहा कि भारतीय महिला शांतिरक्षक कर्मियों की उपस्थिति यह साबित करती है कि महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व वाले मिशन समुदायों के साथ मजबूत संबंध बनाते हैं, इनके परिणाम बेहतर होते हैं और ए स्थाई शांति में योगदान करते हैं। उन्होंने कहा, अनुकूल वातावरण बनाना, लैंगिक बाधाओं को दूर करना, शांतिरक्षकों के मानसिक कल्याण सुनिश्चित करना, रणनीतिक संचार को मजबूत करना और गलत सूचनाओं से निपटना प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। शांतिरक्षा में महिलाओं की भागीदारी केवल न्यायसंगत ही नहीं, बल्कि यह मिशन की सफलता के लिए एक अहम आवश्यकता भी है। लैक्रोइक्स ने कहा, भारत की महिला शांतिरक्षक संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा प्रयासों में अपरिहार्य साबित हुई हैं तथा उन्होंने दुनिया के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण संघर्ष क्षेत्रों में हमारे कर्मियों और स्थानीय समुदायों के बीच विश्वास कायम करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर योगदान देने के अलावा भारतीय महिला शांतिरक्षा कर्मी लैंगिक आधार पर समावेशी शांति स्थापना में भी अग्रणी हैं। लैक्रोइक्स ने कहा कि सितंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 10 अभियानों में 153 महिलाओं समेत 5,384 कर्मियों का योगदान दिया है और वह संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में योगदान देने वाले शीर्ष देशों में शामिल है।

मोरक्को सम्मेलन में स्टीलबर्ड ने पेश किया मिशन सेव लाइफ्स

मोरक्को। सड़क सुरक्षा को लेकर वैश्विक स्तर पर एक अहम पहल के तहतए संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्टीलबर्ड हेलमेट्स के प्रबंध निदेशक राजीव कपूर को ग्लोबल हेलमेट एक्सपर्ट के रूप में विशेष रूप से आमंत्रित किया। वे दुनिया के 'एकमात्र हेलमेट निर्माता' थेए जिन्हें मोरक्को में आयोजित चौथे मंत्रीस्तरीय सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिला। इस सम्मेलन में 100 से अधिक देशों के मंत्रीए नौकरशाहए सामाजिक संगठन और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ मौजूद थे। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के विशेष सड़क सुरक्षा दूत जॉन रीड भी उपस्थित थे। सम्मेलन में राजीव कपूर ने श्मिशन सेव लाइफ्सश् नामक 13.पॉइंट रोडमैप प्रस्तुत कियाए जो संयुक्त राष्ट्र के मिशन के समर्थन में तैयार किया गया है। इस मिशन का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं को 50 प्रतिशत तक कम करना है। राजीव कपूर ने इस बात पर जोर दिया कि सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों को रोकने के लिए सुरक्षित और प्रमाणित हेलमेट का उपयोग अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हर नई मोटरसाइकिल के साथ दो प्रमाणित हेलमेट अनिवार्य रूप से दिए जाएंए ताकि दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। यह भी प्रस्ताव रखा कि हर देश में हेलमेट परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएं।

कोहली वनडे में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने

दुबई। भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले के दौरान इतिहास रच दिया और वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली अब एक दिवसीय क्रिकेट में 14000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (18246) और श्रीलंका के कुमार संगकारा (14234) उनसे आगे हैं। कोहली ने 287 पारियों में 14000 रन पूरे किए जबकि तेंदुलकर ने 350 और संगकारा ने 378 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था। कोहली को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 15 रन की जरूरत थी और हारिस रऊफ को 13वें ओवर में कवर्स में चौका जड़कर वह यहां तक पहुंचे। उन्होंने सितंबर 2023 में पाकिस्तान के ही खिलाफ कोलंबो में एशिया कप के दौरान 13000 वनडे रन पूरे किए थे। कोहली के नाम वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक 50 शतकों का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने 2023 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय क्षेत्ररक्षक के सर्वाधिक कैच का मोहम्मद अजहरूद्दीन का रिकॉर्ड भी तोड़ा। कोहली ने अपने 299वें मैच में 157वां कैच लपका। अजहर ने 1985 से 2000 के बीच 334 वनडे खेलकर 156 कैच लिए थे। कोहली ने कुलदीप यादव की गेंद पर पाकिस्तान के नसीम शाह का लांग आन से दौड़कर आते हुए डाइव लगाकर कैच लपका। उन्होंने इसके बाद हर्षित राणा की गेंद पर डीप मिडविकेट में खुशदिल शाह का कैच भी लिया।

अहम मुकाबले में इस तरह से बल्लेबाजी करना खास रहा: कोहली

दुबई। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में भारतीय जीत के नायक शतकवीर विराट कोहली ने कहा कि सेमीफाइनल के लिए जगह तय करने वाले अहम मैच में इस तरह से बल्लेबाजी करना शानदार रहा।कोहली ने 111 गेंद में नाबाद 100 रन की पारी खेली जिससे भारत ने जीत के लिए मिले 242 रन के लक्ष्य को 42.3 ओवर में चार विकेट गंवा कर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की हो गई जबकि पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। प्लेयर ऑफ द मैच कोहली ने पुरस्कार समारोह में कहा, किसी महत्वपूर्ण मैच में इस तरह से बल्लेबाजी करना अच्छा लग रहा है। इस मैच से सेमीफाइनल के लिए जगह दांव पर था। रोहित के आउट होने के बाद मेरा काम स्पष्ट था। मुझे बीच के ओवरों पर नियंत्रण बनाए रखना था। मुझे स्पिनर्स के खिलाफ जोखिम नहीं लेना और तेज गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाना था। कोहली ने खुशदिल शाह के खिलाफ चौका लगाकर अपना शतक पूरा करने के साथ भारत को यादगार जीत दिलाई। उन्होंने कहा, मैं पारी को आगे बढ़ने की गति से खुश था। मैं एकदिवसीय मैचों में इसी तरह खेलना पसंद करता हूं। मुझे अपने खेल की अच्छी समझ है और मेरे लिए आलोचनाओं को दूर रख कर खेल पर ध्यान रखना जरूरी था। वनडे करियर का 51वां शतक जड़ने के बाद कोहली ने कहा, मेरे लिए इस तरह के मैचों को लेकर उम्मीदों से तालमेल बनाना आसान है। मैं खुद से कहता रहा कि क्षेत्ररक्षण के दौरान मैं अपना 100 प्रतिशत दूंगा। यही कारण है कि मुझे इस पर गर्व है। कोहली ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की बल्लेबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा, बल्लेबाजी के दौरान स्पष्टता महत्वपूर्ण है, जब गेंद में अच्छी गति होती है तो आपको रन बनाना होता है। शुभमन और श्रेयस बेहतरीन रहे है। इन परिस्थितियों में हर किसी को अच्छी बल्लेबाजी खेलने का मौका मिला है, जो आने वाले मैचों में अच्छा संकेत होगा। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मार्च को होने वाले अगले मैच के बारे में पूछे जाने पर कहा, 36 साल की उम्र में एक सप्ताह की छुट्टी बहुत अच्छी होती है। इतना प्रयास करने के लिए मुझे बहुत कुछ करना पड़ता है।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान पारी : इमाम रन आउट 10, बाबर आजम का राहुल बो पंड्या 23, शकील का पटेल बो पंड्या 62, रिजवान बो पटेल 46, आगा का जडेजा बो कुलदीप 19, ताहिर बो जडेजा 4, शाह का कोहली बो राणा 38, शाहीन अफरीदी पगबाधा बो कुलदीप 0, नसीम , का कोहली बो कुलदीप 14, रऊफ रन आउट 8, अबरार नाबाद 0, **अतिरिक्त :** 17 रन, **योग :** 49.4 ओवर में 241 रन, **विकेट पतन :** 1-41 , 2-47 , 3-151 , 4-159 , 5-165 , 6-200 ,7-200 ,8- 222 , 9-241 ,**गेंदबाजी :** शमी 8- 0-43-0, राणा 7.4-0-30-1, पंड्या 8-0-31-2, अक्षर 10- 0-49-0 , कुलदीप 9-0-40-3 जडेजा 7-0-40-1

भारत पारी : रोहित बो शाहीन शाह अफरीदी 20, गिल बो अबरार अहमद 46,कोहली नाबाद 100, श्रेयस का इमामुल बो खुशदिल 56,पंड्या का रिजवान बो शाहीन शाह अफरीदी 8,पटेल नाबाद 3,**अतिरिक्त :** 11 रन , **योग :** 42 . 3 ओवर में चार विकेट पर 244 रन, **विकेट पतन :** 1-31, 2-100, 3-214, 4 - 223, **गेंदबाजी :** अफरीदी 8-0 - 74-2, नसीम 8-0-37-0, हारिस 7-0-52 . 0, अबरार 10-0 - 28-1 , खुशदिल 7.3 - 0 -43-1, सलमान 2-0-10 -0

मोहन बागान एसजी आईएसएल खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनी

भाषा। कोलकाता

मोहन बागान सुपर जाइंट्स रविवार को यहां ओडिशा एफसी पर 1-0 से जीत के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के इतिहास में लीग शील्ड खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बन गई। आईएसएल शील्ड हासिल करने के साथ ही मोहन बागान ने महाद्वीप की दूसरी स्तरीय क्लब प्रतियोगिता एएफसी चैंपियंस लीग 2 में भी अपना स्थान पक्का कर लिया। मेजबान टीम की जीत के स्थानापन्न मिडफील्डर दिमित्री पेट्राटोस ने 90वें मिनट में एकमात्र गोल दागा। पेट्राटोस को निर्णायक गोल करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।मौजूदा सत्र में 22वें लीग मैच में जीत के बाद मोहन बागान के नाम 52 अंक हो गए है। टीम ने हालांकि दो मैच शेष रहते हुए लीग शील्ड को अपने नाम कर लिया। मोहन बागान 22 मैचों में 16 जीत, चार ड्रा और दो हार से 52 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है जबकि ओडिशा एफसी 22 मैचों में सात जीत, आठ ड्रा और सात हार से 29 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर बनी हुई है। मोहन बागान की निकटतम प्रतिद्वंद्वी एफसी गोवा के नाम 21 मैचों से 42 अंक हैं। गोवा की टीम अपने शेष तीन मैच जीतने पर भी मोहन बागान की बराबरी नहीं कर पाएगी।

खेल मंत्री ने दिल्ली में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को यहां फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान का नेतृत्व किया, जिसमे ओलंपिक में भाग ले चुके नाविक अर्जुन लाल जाट सहित कई अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।इस अवसर पर खेल मंत्री ने कहा, माननीय प्रधानमंत्री ने मोटापे के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की है उसमें हमें अपने जीवन मे दैनिक फिटनेस गतिविधियो को शामिल करने के लिए एक साथ आना चाहिए। मांडविया ने कहा, साइकिल चलाना सबसे सरल व्यायाम है और इसका पर्यावरण पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है और प्रदूषण का समाधान है। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का आयोजन प्रत्एक सप्ताह किया जाता है और इसमें अपने क्षेत्र के विशेष लोगों को आमंत्रित किया जाता है।

कीनिया ओपन में नीचे खिसके वीर अहलावत

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीसरे राउंड में निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए आठ ओवर 79 का स्कोर बनाया जिससे वह मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट मे संयुक्त 67वें स्थान पर खिसक गए।पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे अहलावत ने पहले दो राउंड में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 70 और 72 का स्कोर बनाया था लेकिन तीसरे राउंड में वह अपनी इस लय को बरकरार नही रख पाए।टूर्नामेंट में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी शुभंकर शर्मा कट मे जगह बनाने से चूक गए थे। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के जैक्स क्रूज़विज्क एक स्ट्रोक के अंतर से एकल बढ़त हासिल कर ली है।

रुस की किशोरी मीरा एंड्रीवा ने दुबई ओपन का खिताब जीता

दुबई। रूस की 17 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में क्लारा टौसन को 7-6 (1), 6-1 से हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। इस जीत से एंड्रीवा का अगले सप्ताह विश्व रैंकिंग मे पहली बार शीर्ष 10 मे शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। वह 2007 मे निकोल वैदिसोवा के बाद ऐसा हासिल करने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन जाएगी। एंड्रीवा ने दुबई चैंपियनशिप मे शुरू से लेकर आखिर तक शानदार प्रदर्शन किया। उन्होने फाइनल तक के अपने सफ़र मे 2023 की विबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक और 2022 की विबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना को हराया।

कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बने आंद्रे रुबलेव

दोहा। आंद्रे रुबलेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता का अच्छा नमूना पेश करते हुए जैक ड्रेपर को तीन सेट तक चले फाइनल मुकाबले में 7-5, 5-7, 6-1 से हराकर दूसरी बार कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। रुबलेव ने तीन दिन मे तीसरी बार तीन सेट मे जीत हासिल की। रूस के इस खिलाड़ी ने इससे पहले अपने पिछले दो मैचो मे एलेक्स डी मिनौर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ भी दूसरा सेट गंवा दिया था। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, मै मानसिक रूप से वास्तव मे मजबूत बना रहा और मैने निराशा को अपने ऊपर हावी नही होने दिया।

न्यूजीलैंड की निगाह सेमीफाइनल सीट पर

● चैंपियस ट्राफी : उम्मीद जीवंत रखने उतरेगा बांग्लादेश

भाषा। रावलपिंडी

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच में सोमवार को यहां हार से शुरूआत करने वाले बांग्लादेश के खिलाफ अपना विजय अभियान जारी रखकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी।न्यूजीलैंड की टीम ने अपने पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान को 60 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। इस बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट भी अच्छा हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ जीत से वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच जाएगा।दूसरी तरफ बांग्लादेश को अपने पहले मैच में भारत के हाथों छह विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसका नेट रन रेट भी खराब है और उसे सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।न्यूजीलैंड ने पहले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया था। पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलने से उसे परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में मदद मिली।लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले उसे अपनी अंतिम एकादश का चयन करने के लिए थोड़ा माथापच्ची करनी होगी क्योंकि रचिन रविंद्र सिर की चोट से उबरकर वापसी करने के लिए तैयार हैं।उनकी अनुपस्थिति में डेवोन कॉनवे और विल यंग ने पारी की शुरुआत की थी। यंग को उनके लिए जगह बनानी थी लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह पक्की कर ली।

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिएः सरफराज

भाषा। दुबई

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिए।न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था।सरफराज ने यहां पत्रकारों से कहा, लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने कहा, विराट कोहली ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस तरह का प्रदर्शन किया है। पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा, रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता। सरफराज ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे।

क्विक न्यूज

मान सिंह और भागीरथी बिष्ट बने चैंपियन

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मान सिंह और भागीरथी बिष्ट ने रविवार को यहां अपोलो टायर्स नई दिल्ली मैराथन दौड़ में क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग का खिताब जीता। एशियाई मैराथन चैंपियनशिप (2024) के विजेता 35 साल के मान सिंह ने पुरुषों की एलीट श्रेणी के कड़े मुकाबले को दो घंटे 15 मिनट और 24 सेकंड का प्रभावशाली समय के साथ अपने नाम किया। प्रदीप चौधरी (2:15:29) और अक्षय सैनी (2:15:34) ने मान सिंह को कड़ी टक्कर दी लेकिन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। उत्तराखंड की ही भागीरथी ने दो घंटे 48 मिनट और 59 सेकंड के समय के साथ एलीट महिलाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया। ठाकोर भरतजी (2:49:16) और अश्विनी जाधव (2:50:48) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। मैराथन दौड़ में धावकों को 42.195 किमी की दूरी तय करनी होती है। राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इस दौड़ को हरी झंडी दिखाई। आयोजकों ने दावा किया कि इस कार्यक्रम (मैराथन, हाफ मैराथन और 10के (10 किलोमीटर की दौड़) में देश के विभिन्न हिस्सो से 25,000 से अधिक धावक और फिटनेस उत्साही शामिल हुए।

भारत के सामने महिला एफआईएच प्रो लीग मैच में नीदरलैंड की कड़ी चुनौती

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के मैच में जब मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश खेल में आई गिरावट से निपटने के साथ जीत की लय को बरकरार रखने की होगी। भारत का घरेलू चरण अब तक टीम की योजना के मुताबिक नही रहा है। टीम फिलहाल छह मैचों मे सात अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड पर 3-2 की रोमांचक जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे मैच मे शूट-आउट मे इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। स्पेन के खिलाफ मेजबान टीम जीत के करीब थी लेकिन उसे लगातार मैचों में हार का सामना करना पड़ा। टीम को पहले मुकाबले में 3-4 जबकि दूसरे में 0-1 से शिकस्त मिली। जर्मनी के खिलाफ भारत को शुरुआती मुकाबले में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने दूसरे चरण में 1-0 से जीत हासिल कर अच्छी वापसी की। टीम निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर पिछले मैच मे जर्मनी पर मिली जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगी और उम्मीद करेगी कि नीदरलैंड अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न करें। नीदरलैंड की टीम शानदार लय मे है और उसने अपने पिछले दो मैचों मे इंग्लैंड को 5-1 और 6-0 से हराया है। टीम अपने छह मैचों में पांच जीत और एक हार से 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।टीम इस प्रतियोगिता मे अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखने के लिए उत्सुक होगी। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने भी माना की नीदरलैउ की चुनौती से निपटना आसान नही होगा। उन्होंने कहा कि टीम घरेलू चरण का अंत जीत के साथ करने के लिए पूरा जोर लगाएगी। सलीमा ने कहा, नीदरलैंड दुनिया की सबसे मजबूत टीमो में से एक है और हम जानते है कि यह एक कठिन मैच होने वाला है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने और टूर्नामेंट के भारतीय चरण को शानदार तरीके से खत्म करने के लिए प्रेरित है।

चैपल ने पांच दशक तक चले अपने करियर को अलविदा कहा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर इयान चैपल ने रविवार को अपना आखिरी कॉलम लिखकर अपने पांच दशक से अधिक समय तक चले पत्रकारिता करियर को अलविदा कह दिया।इस 81 वर्षीय क्रिकेटर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के लिए अपने आखिरी कॉलम मे उन कुछ बेहतरीन पलों को याद किया जिन पर उन्होंने अपनी कलम चलाई। इनमें 1998 के चेन्नई टेस्ट मे सचिन तेंदुलकर और स्पिन के जादूगर दिवंगत शेन वार्न के बीच शानदार मुकाबला और कोलकाता मे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वीवीएस लक्ष्मण की 281 रन की ऐतिहासिक पारी भी शामिल है।चैपल ने लिखा, लिखते हुए आनंद के कई पल आए, विशेष रूप से सचिन तेंदुलकर का चेन्नई मे शेन वार्न से मुकाबला करना। अन्य मुख्य आकर्षणो मे ब्रायन लारा की प्रतिभा, रिकी पोंटिंग की आक्रामकता और कोलकाता में वीवीएस लक्ष्मण की 281 रन की कलात्मक पारी के बारे मे लिखना शामिल है। चैपल ने हालांकि महसूस किया कि अब कलम को नीचे रखने और कंप्यूटर को पैक करने का सही समय आ गया है। उन्होने कहा कि पत्रकारिता से संन्यास लेना उतना ही भावनात्मक है जितना कि क्रिकेट को अलविदा कहना।ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 75 टेस्ट मे 5345 रन बनाने वाले चैपल ने कहा, मै 50 से अधिक वर्षो से लिख रहा हूं, लेकिन अब विदाई का समय आ गया है और यह मेरा आखिरी कॉलम होगा। पत्रकारिता को अलविदा कहना भी क्रिकेट के समान ही है लेकिन मै जानता हूं कि इसके लिए यह सही समय है।

माहेल से टाइब्रेकर में हारकर दूसरे स्थान पर रहे इनियान

डनकर्क (फ्रांस)। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान यहां टाइब्रेकर मे फ्रांस के इंटरनेशनल मास्टर माहेल से हारकर 41वे कैप्पेल ला ग्रांडे इंटरनेशनल ओपन शतरंज टूर्नामेंट मे उपविजेता रहे। पांचवी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने छह जीत और तीन ड्रॉ के साथ 7.5 अंक बनाए और नौ राउंड के बाद माहेल के साथ पहले स्थान पर रहे। इसके बाद विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर का सहारा लिया गया जिसमें फ्रांस के खिलाड़ी ने बाजी मारी। इनियान ने लगातार चार जीत के साथ शुरुआत करने के बाद साथी भारतीय खिलाड़ी इंटरनेशनल मास्टर मुथैया के साथ पांचवी बाजी ड्रॉ खेली। उन्होने एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट मे तीसरा स्थान हासिल करने वाले राजा रित्विक के साथ भी बाजी ड्रॉ कराई।

निराश हूं कि भारतीय टीम पाकिस्तान में नहीं खेल रही : पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक्वी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नक्वी ने दोहराया है कि चैम्पियंस ट्रॉफी के मैच तटस्थ स्थान पर खेलने के भारत के फैसले से वह निराश है लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि 29 साल मे पहली बार पाकिस्तान मे हो रहा आईसीसी टूर्नामेंट देश मे खेल के लिए एक स्थाई विरासत छोड़ेगा। भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से अपने मैच दुबई में खेल रही है। नक्वी ने भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई मे मैच देखने रवाना होने से पहले कहा , हम टूर्नामेंट की विश्व स्तरीय मेजबानी करने पर फोकस कर रहे हैं। बेशक भारत का पाकिस्तान में नही खेलना निराशाजनक है। यह निराशाजनक है , सिर्फ पीसीबी के लिए ही नहीं बल्कि दुनिया भर के क्रिकेटप्रेमियो, आईसीसी, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रतिभागी देशो के लिए भी। नक्वी ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा खेलो को सियासत से अलग रखा है।

पंड्या ने कहा, मैंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है

दुबई। भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या को लगता है कि पिछले साल वेस्टइंडीज में आईसीसी टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद उन्होंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है।पंड्या को पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया था। वह गुजरात टाइटंस को छोड़कर वापस मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था।पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत 2007 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता को जीतने में सफल रहा। पंड्या ने इस टूर्नामेंट में 144 रन बनाने के साथ 11 विकेट भी लिए।पंड्या ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए वीडियो में कहा, मेरे लिए जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने उन्हें (प्रशंसकों का दिल) वापस जीत लिया है। भारत अभी चैंपियंस ट्रॉफी में भाग ले रहा है और हार्दिक ने कहा कि खिलाड़ियों का ध्यान अब एक और ट्रॉफी जीतने पर लगा है।उन्होंने कहा, अब नया साल है, एक नया टूर्नामेंट है और नई चुनौतियां हमारा इंतजार कर रहे हैं। फिर से चैंपियन बनने की कवायद शुरू हो गई है। हार्दिक ने कहा, आज हम फिर से नई शुरुआत करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। हम एक और दिन में एक और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए उतरेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में एक और अध्याय हमारा इंतजार कर रहा है। इसलिए एक ऐसे मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए जिसको किसी तरह के परिचय की जरूरत नहीं है।

बुमराह को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाक मैच से पहले आईसीसी पुरस्कारों से सम्मानित किया गया

भाषा। दुबई

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रविवार को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मैच शुरू होने से पहले आईसीसी के साल 2024 के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी शामिल है।बुमराह पीठ में चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं।बुमराह को इन दोनों पुरस्कारों के अलावा 2024 के लिए पुरुष टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए टीम कैप (टोपी) भी सौंपी गई। आईसीसी ने इन चार पुरस्कारों में से प्रत्एक के साथ इस 31 साल के खिलाड़ी की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा, जसप्रीत बुमराह को शानदार 2024 के लिए आईसीसी पुरस्कार और वर्ष की टीम कैप प्राप्त हुई। बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले रविवार को अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के अपने साथियों से भी मुलाकात की थी।बुमराह के लिए पिछला टेस्ट सत्र शानदार रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 71 विकेट लिए थे। साल 2024 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास इंग्लैंड के गस एटकिंसन का था। जिन्होंने 11 मैचों में 52 विकेट लिए थे। बुमराह ने 2024 में टेस्ट में 14.92 की औसत से विकेट चटकाए और साल का अंत 30.1 के स्ट्राइक रेट के साथ किया। वह इस दौरान कपिल देव, अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन के बाद एक कैलेंडर वर्ष में खेल के पारंपरिक प्रारूप में 70 या अधिक विकेट लेने वाले केवल चौथे भारतीय गेंदबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल की शुरुआत में घरेलू श्रृंखला में उन्होंने पांच टेस्ट में 19 विकेट लिए जबकि साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने इतने ही टेस्ट मैचों में 32 सफलता हासिल की। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बुमराह टेस्ट में 200 विकेट के आंकड़े तक भी पहुंचे। लाल गेंद से अपने बेजोड़ प्रदर्शन के अलावा, बुमराह ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस वैश्विक प्रतियोगिता में 15 विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज बने।

कॅरियर लायंस ने जीती तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी

लखनऊ। कॅरियर लायंस ने बल्लेबाजों के कमाल से तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी.20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में तारिक क्रिकेट क्लब को पांच विकेट से हराकर विजेता ट्रॉफी जीत ली। जीत में अनिल लाल 65 और अफसर सिद्दीकी 52 ने अर्धशतक जड़े।पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में तारिक क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 197 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जसविंदर ने 43 गेंद पर एक चौके एवं सात छक्के से 74 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। तेज नारायण ने 37 व मयंक ने 34 रन की जुझारू पारी खेली। विनोद सिंह ने नाबाद 20 रन जोड़े। कॅरियर लायंस से अनिल लाल को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में कॅरियर लायंस ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम गेंद तक चले रोमांचक मैच में 5 विकेट पर 198 रन बनाकर मैच व खिताब जीत लिया। जीत में सलामी बल्लेबाज अफसर सिद्दीकी ने 27 गेंदों पर 8 चौके व दो छक्के की मदद से 52 रन की तेजतर्रार अर्धशतकीय पारी खेली।

यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगा आरसीबी

बेंगलुरु। कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार फॉर्म, मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन तथा घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां यूपी वारियर्स के खिलाफ बेहतर खेल दिखाकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगा।भारतीय उप कप्तान मंधाना लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने भारत और अपनी फ्रेंचाइजी टीम के लिए जो पिछले 10 मैच खेले हैं उनमें उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं।आरसीबी की टीम हालांकि दीप्ति शर्मा की अगुवाई वाली टीम को किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी जो सत्र की अपनी पहली जीत हासिल करके उत्साह से भरी है। मंधाना की अगुवाई वाली टीम ने अपने पहले दोनों मैच जीत कर इस सत्र की शानदार शुरुआत की थी लेकिन पिछले मैच में उसे हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी ने अब तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसके खिलाड़ी पिछली हार को भूलकर जीत की राह पर लौट के लिए प्रतिबद्ध होंगे। आरसीबी अभी तीन मैच में पांच अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है और उसका नेट रन रेट भी अच्छा है। दूसरी तरफ वॉरियर्स का प्रदर्शन अभी तक बहुत अच्छा नहीं रहा है और वह तीन मैच में से केवल एक मैच जीत पाई है। उसकी टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।वॉरियर्स की टीम हालांकि अपने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार का बदला चुकता करने में सफल रही थी और आरसीबी के खिलाफ वह अधिक आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

प्रो लीग : जीत के क्रम को इंग्लैंड के खिलाफ दोहराने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

भुवनेश्वर। आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने से उंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ सोमवार को एफआईएच प्रो लीग के मैच में इसी लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट में औसत शुरूआत के बाद जीत की राह पर लौटी भारतीय टीम छह मैचों में 12 अंक लेकर फिलहाल चौथे स्थान पर है और घरेलू चरण पूरा होने से पहले और सफलता अर्जित करना चाहेगी। दूसरी ओर इंग्लैंड छह मैचों में 13 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है जिसे पिछले मैच में स्पेन ने 4–1 से हराया। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ने नए सत्र में आशातीत शुरूआत नहीं की। स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भारत को मिली जुली सफलता मिली। स्पेन ने उसे 3– से हराया जबकि पेरिस खेलों में कांस्य पदक के मुकाबले में भारत ने इसी स्पेनिश टीम को मात दी थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी–26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522–4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।